डालटनगंज (मेदिनीनगर), गुरुवार | वर्ष-31, अंक- 194, पृष्ठ-12 | वैशाख शुक्ल पक्ष 04, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

₹3.00

01 मई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं

शुभकामनाएं

राष्ट्रीय नवीन मेल के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं, हॉकरों एवं शुभचिंतकों को 'मजदूर दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश की सूचना

'मजदूर दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय नवीन मेल कार्यालय 01 मई (गुरुवार) को बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 03 मई (शनिवार) को प्रकाशित होगा।

आईसीएसई 10वीं बोर्ड की परीक्षा में झारखंड की बेटी शांभवी बनी नेशनल टॉपर

▶▶ जमशेदपुर के लोयला स्कूल की छात्रा हैं शांभवी जायसवाल

नवीन मेल डेस्क

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। झारखंड के जमशेदपुर की बेटी शांभवी जायसवाल ने आईसीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि से न केवल जमशेदपुर, बल्कि झारखंड और समूचे देश को गौरव की अनुभूति हुई है। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) की ओर से बुधवार को घोषित 10वीं (आईसीएसई) और 12वीं (आईएससी) परीक्षाओं के नतीजों में जमशेदपुर के लोयला स्कूल की छात्रा शांभवी जायसवाल ने इतिहास रच दिया। उन्होंने 10वीं की परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। शांभवी के माता-पिता दोनों डॉक्टर हैं। शांभवी के पिता डॉ अभिषेक जायसवाल, मेहरबाई टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में रेडियोलॉजिस्ट हैं, जबकि उनकी मां डॉ ओजस्वी शंकर, टाटा मणिपाल हॉस्पिटल में स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं।

आईआईटी से इंजीनियरिंग करना चाहती हैं शांभवी : शांभवी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, स्कूल के प्राचार्य, उप-प्राचार्य और शिक्षकों को दिया है। भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करते हुए शांभवी ने बताया कि वह 12वीं की पढ़ाई विज्ञान संकाय से पूरी कर आईआईटी से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं।

सीआईएससीई ने 10वीं व 12वीं बोर्ड के परिणाम किए घोषित

नई दिल्ली (हि.स.)। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने बुधवार को आईसीएसई (कक्षा 10वीं) और आईएससी (कक्षा 12वीं) परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष आईसीएसई का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 99.09 प्रतिशत और आईएससी का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 99.02 प्रतिशत है। आईसीएसई परीक्षा में कुल 2,52,557 छात्र शामिल हुए थे, जिनमें से 2,50,249 छात्र पास हुए हैं। इसी तरह आईएससी परीक्षा में 99,551 छात्र शामिल हुए थे, जिनमें से 98,578 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। आईसीएसई में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लड़कियों का पास प्रतिशत 99.37 प्रतिशत और लड़कों का पास प्रतिशत 98.84 प्रतिशत है। आईएससी में भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है, जहां उनका उत्तीर्ण प्रतिशत 99.45 प्रतिशत रहा तथा लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 98.64 प्रतिशत रहा। ज्ञात हो कि इस वर्ष आईसीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं 21 फरवरी से 28 मार्च तक आयोजित की गई थीं। वहीं, आईएससी कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 13 फरवरी से 5 अप्रैल तक हुई थीं।

एक नजर

दिल्ली से हज उड़ानें शुरू

नई दिल्ली (हि.स.)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हज यात्रा की उड़ानें बुधवार से शुरू हो गईं। हज यात्रियों का पहला जत्था सऊदी एयरलाइन की उड़ान संख्या एसवी 3079 से मदीना के लिए रवाना हुआ। हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर दिल्ली स्टेट हज कमेटी की ओर से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जहां हज यात्रियों को विदा करने के लिए केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेण रिजिजू मौजूद थे। उन्होंने हज यात्रियों का फूल माला से स्वागत कर उन्हें विदा किया।

बब्बर खालसा के पांच आतंकी गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल मॉड्यूल के 5 गुर्गों को गिरफ्तार करके पुलिस थाने पर ग्रेनेड हमले की साजिश नाकाम कर दी है। पकड़े गए आतंकियों के पास से एक हैंड ग्रेनेड और एक अवैध हथियार बरामद किया गया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए पांचों गुर्गे आईएसआई नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे। इनमें नरेश कुमार उर्फ बब्बू, अभिनव भगत उर्फ अभि, अजय कुमार उर्फ अज्जू, सनी कुमार और एक नाबालिग शामिल है। यादव ने बताया कि पांचों को मिलकर फिर से पुलिस थाने पर ग्रेनेड अटैक करना था। मगर इससे पहले ही पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाला : चार आरोपी अफसरों की अग्रिम जमानत पर 14 को सुनवाई

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) नियुक्ति घोटाला मामले में नामजद चार अधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। आरोपियों में पुलिस अधिकारी विकास पांडेय और अरविंद सिंह, तथा प्रशासनिक अधिकारी कुमुद कुमार और संगीता कुमारी शामिल हैं। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 14 मई को होगी। ज्ञात हो कि सीबीआई कोर्ट इस घोटाले से जुड़े कई आरोपियों को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर चुका है।

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने की बढ़ी दरों की घोषणा

उपभोक्ताओं को लगा बिजली का झटका

बिजली की बढ़ी दर (रुपए में)

क्षेत्र	पहले	अब
ग्रामीण	6.65	6.85
शहरी	6.30	6.70

● शहरी क्षेत्र में प्रति यूनिट 20 और ग्रामीण क्षेत्र में 40 पैसे की वृद्धि

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड में लोगों को 1 मई से बिजली का तगड़ा झटका लगेगा। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने वर्ष 2025-26 में बिजली की दरों में वृद्धि की है। बुधवार (30 अप्रैल) को झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने इसकी घोषणा की। बिजली की बढ़ी दरें 01 मई 2025 से प्रभावी हो जाएंगी। शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अब प्रति यूनिट बिजली के लिए 20 पैसे और ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 40 पैसे ज्यादा भुगतान करने पड़ेंगे। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में बिजली की नए दरों की जानकारी दी। कृषि कार्यों के लिए बिजली दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। वहीं, सभी तरह के उपभोक्ताओं को मीटर रेंट का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। 200 यूनिट तक बिजली का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को पहले की तरह कोई भी शुल्क नहीं अदा करना होगा। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने आयोग के समक्ष बिजली दरों में 40.02 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव दिया था, जिस पर आयोग ने केवल 6.34 की वृद्धि की मंजूरी दी है। ज्ञात हो कि नई बिजली दरें तय करने से पहले राज्य के सभी पांच प्रमंडलों में आयोग की ओर से जनसुनवाई की गई थी। इस दौरान आम उपभोक्ताओं और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने राज्य में बिजली की दरों में 40 फीसदी से अधिक वृद्धि के प्रस्ताव पर जबर्दस्त विरोध दर्ज कराया था। नई दरों के अनुसार, शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अब प्रति यूनिट बिजली के लिए 6.85 रुपए और ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 6.70 रुपए के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा। नए टैरिफ में प्रावधान किया गया है कि उपभोक्ता यदि 5 दिनों के भीतर बिल भुगतान करते हैं, तो उन्हें कुल बिल पर 2 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

बिजली की आपूर्ति नहीं, तो फिक्स्ड चार्ज नहीं

आयोग ने जेबीवीएनएल को निर्देश दिया है कि जिस अवधि में उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति नहीं होगी, उस अवधि के लिए फिक्स्ड चार्ज की राशि नहीं ली जाए। इस राशि के समायोजन का लाभ बिलिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्वतः मिलेगा। फिक्स्ड चार्ज की पूरी वसूली के लिए यह अनिवार्य होगा कि एचटी (हाईटेंशन) श्रेणी के उपभोक्ताओं को 23 घंटे और एलटी (लो टेंशन) श्रेणी के उपभोक्ताओं को 21 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर अपनाने वालों को 3 प्रतिशत की छूट

प्रीपेड स्मार्ट मीटर अपनाने वाले उपभोक्ताओं को एनर्जी चार्ज में 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के लिए आयोग ने सौर समय (सुबह नौ बजे से शाम चार बजे) में 7.31 रुपए प्रति यूनिट और गैर-सौर समय में 8.77 रुपए प्रति यूनिट की दर निर्धारित की है।

पहलगाम घटना की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है : सीएम

▶▶ स्पेन और स्वीडन के दौरे से रांची लौटे मुख्यमंत्री

नवीन मेल डेसक

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को स्पेन और स्वीडन के दौरे से रांची लौट आए। रांची आने के बाद आज मुख्यमंत्री सोरेन ने रांची एयरपोर्ट पर पहलगाम घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा है कि इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है, लेकिन कहीं ना कहीं देश में जो सूचना तंत्र है, उसका घोर अभाव दिखा। उम्मीद कर रहे हैं कि आगे ऐसी घटना न हो। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 19 अप्रैल से स्पेन और स्वीडन के दौरे पर थे। उनके साथ मुख्य सचिव अलका तिवारी, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार के अलावा 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल था। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अलग-अलग सेक्टर से जुड़े दोनों देशों के व्यवसायियों से कई दौर की वार्ता की है। उम्मीद जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस प्रतिनिधिमंडल के इस दौरे के बाद दोनों यूरोपियन देशों से झारखंड के कई सेक्टर में निवेश की संभावना है।

क्रिकेट मेरे डीएनए में है : सारा तेंदुलकर

● सचिन तेंदुलकर की बेटी ने क्रिकेट के डिजिटल युग में रखा कदम

मुंबई (आईएएनएस)। क्रिकेट न केवल एक खेल है, बल्कि भारत में यह एक भावना है, जो लोगों को जोड़ता है। इस खेल से गहरा नाता रखने वाली सारा तेंदुलकर, जो क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की बेटी हैं, ने अब क्रिकेट के डिजिटल युग में कदम रखा है। सारा ने हाल ही में ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग (जीईपीएल) के बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने जेटसिंथेसिस के संस्थापक और सीईओ राजन नवानी के साथ सार्वजनिक बातचीत में अपनी क्रिकेट के प्रति दीवानगी और इसके डिजिटल विकास के महत्व को साझा किया।

सारा ने न केवल अपने परिवार के क्रिकेट से जुड़ाव को याद किया, बल्कि यह भी बताया कि कैसे वह इस खेल को नई पीढ़ी तक ले जाने के लिए उत्साहित हैं। सारा के लिए क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी का हिस्सा है।

सारा ने कहा, क्रिकेट मेरे घर में हमेशा से एक खास जगह रखता है। शायद यह सचमुच मेरे डीएनए में है। मैं इसके इर्द-गिर्द पली-बढ़ी हूं और मैंने देखा है कि यह खेल कितना शक्तिशाली है। यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि लोगों को एकजुट करने वाली ताकत है। सारा ने अपने पिता सचिन तेंदुलकर और भाई अर्जुन तेंदुलकर को क्रिकेट खेलते देखा है, जिसने उनके लिए इस खेल को और भी खास बना दिया। जीईपीएल में मुंबई फ्रेंचाइजी की मालिक बनने के सवाल पर सारा ने कहा, मुंबई मेरा जन्मस्थान है, मेरा घर है। इसे प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ एक नए प्रारूप का हिस्सा बनने की बात नहीं है, बल्कि क्रिकेट को आज के दौर के हिसाब से आगे ले जाने का मौका है। सारा का मानना है कि ई-क्रिकेट की सबसे बड़ी खासियत इसकी पहुंच और गतिशीलता है। उन्होंने कहा, यह तेज, इंटरैक्टिव और तेजी से विकसित हो रहा है, जैसा कि हमारी दुनिया है। मुझे सबसे ज्यादा यह उत्साहित करता है कि यह युवाओं को क्रिकेट से जोड़ने के नए रास्ते खोलता है, चाहे वे खिलाड़ी हों, कंटेंट क्रिएटर हों या प्रशंसक। सारा ने युवा लड़कियों के लिए भी एक प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने कहा, जो आपको पसंद है, उसे करें। खुद को सामने लाने से न डरें। बोलें, जोखिम लें और अगर आप असफल भी हों, तो रुकें नहीं। कोशिश करने में ही ताकत है।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में जाति जनगणना को मंजूरी

■ शिलांग से सिलचर तक नए ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के निर्माण को मिली स्वीकृति

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की जानकारी दी। बैठक में सरकार ने जाति जनगणना कराने का भी फैसला लिया है। कैबिनेट ने जाति जनगणना को मंजूरी दे दी है। सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने जाति जनगणना का विरोध किया। वर्ष 1947 के बाद से जाति जनगणना नहीं हुई। जाति जनगणना की जगह कांग्रेस ने जाति सर्वे कराया, यूपीए सरकार में कई राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से जाति सर्वे किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना पर कैबिनेट में विचार किया जाएगा। तत्पश्चात एक मंत्रिमंडल समूह का भी गठन किया गया था। इसमें अधिसंख्य राजनीतिक दलों ने जाति आधारित जनगणना की संस्तुति की थी। इसके बावजूद कांग्रेस की सरकार ने जाति जनगणना के बजाय, सर्वे कराना ही उचित समझा, जिसे सीईसीसी के नाम से जाना जाता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इन सब के बावजूद कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों ने जाति जनगणना के विषय को केवल अपने राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग किया। वैष्णव ने कहा कि जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है और यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कई राज्यों ने सर्वे के माध्यम से जातियों की जनगणना की है। जहां कुछ राज्यो में यह कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ, वहीं कुछ अन्य राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से और गैरपारदर्शी ढंग से सर्वे किया। वैष्णव ने आगे कहा कि इस प्रकार के सर्वे से समाज में भ्रांति फैली है। इन सभी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीति के दबाव में न आए, जातियों की गणना एक सर्वे के स्थान पर मूल जनगणना में ही सम्मिलित होनी चाहिए। इससे समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश की भी निर्बाध प्रगति होती रहेगी।

गन्ना किसानों को राहत

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने गन्ने के उचित एवं लाभकारी मूल्य को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2025-26 चीनी सत्र के लिए गन्ने की एफआरपी दर 355 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है। यह दर 10.25 फीसदी की बेसिक रिकवरी दर पर आधारित है। इसके अलावा, रिकवरी दर में हर 0.1 फीसदी की बढ़ोतरी पर 3.46 रुपए प्रति क्विंटल का प्रीमियम मिलेगा, जबकि 0.1 फीसदी की कमी पर उतनी ही राशि की कटौती की जाएगी। सरकार का यह निर्णय गन्ना किसानों की आय सुनिश्चित करने और चीनी मिलों के साथ संतुलन बनाए रखने की दिशा में उठाया गया कदम है।

इंडिया

अदूरदर्शी नीतियों से घटते किसान बढ़ते मजदूर और बिचौलिए

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत के शहरों में बसे या संघर्षरत नौकरीपेशा या मजदूर सभी की पृष्ठभूमि गांवों के किसानों की है। आजादी के बाद पंचवर्षीय योजनाओं के समय से ही खेती का आकर्षण कम होने लगा जो बाद के वर्षों में अदूरदर्शी नीतियों के कारण विकराल रूप ले चुका है। पिछले महीने गोला में दो रुपए किलो टमाटर की दर मिलने से नाराज किसानों का ट्रैक्टर से फसल को कुचलने का समाचार प्रकाशित हुआ और बात आई गई हो गई ।इसका समाधान सरकारों के पास यह होता है कि गांवों में मुफ्त राशन और नगद बांट दिया जाए जिससे किसान खेती छोड़ मजदूर या सरकारी कार्यालयों के बिचौलिए बन रहे हैं। योजनाएं बनाने वाले बड़े सरकारी अफसर न तो गांवों को समझते हैं और न ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जिस कारण सभी सरकारों ने पुराने और फर्जी आंकड़ों के आधार नीतियों को लागू किया और नतीजा है कि झारखंड के गांवों में कारों, महंगी बाइक पर बैठकर राशन और लाल पीले कार्ड की मुफ्त सुविधाएं लेने वाले कुपात्र युवा दिन में ताश खेलते हैं और रात में नशापान करते हैं। जिस दिन मुफ्तखोरी बंद होगी उस दिन तक न किसान बचेंगे और न मेहनतकश मजदूर जिससे अपराध और बेरोजगारी बढ़ेगी। खेती-किसानी से जुड़े खेतिहर मजदूर जो नशापान से अशक्त होकर पलायन करता तो शहर की नई झुग्गी झोंपड़ियों से नई समस्या उत्पन्न होती है। औद्योगिक विकास, शैक्षिक विस्तार, सर्विस सेक्टर के विकास, शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि के सामूहिक प्रभाव की वजह से भी भारत में किसानों की संख्या कम होती जा रही है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक यानी नाबार्ड की 2016-17 की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में 10.07 करोड़ परिवार खेती पर निर्भर हैं।कृषि प्रधान देश के विशाल आबादी की खेती पर ऐसी अतिशय निर्भरता की वजह से किसानों के करोड़ों परिवार आर्थिक बदहाली में जीने के लिए मजबूर हैं। उन्हें गांवों में नियमित रूप से रोजगार नहीं मिल पाता तो शहरों की ओर पलायन करना पड़ता है। इस तरह गांवों के खेतिहर मजदूर शहरों में पहुंचकर अन्य किस्म के मजदूर बन जाते हैं। शहरों में उन्हें अपेक्षाकृत बेहतर मजदूरी मिलती है। वैसी कमाई गांवों में है नहीं, क्योंकि इससे खेती की लागत बढ़ जाती है और मुनाफा इतना भी नहीं मिलता कि गुजारा हो सके। मजदूर की यही किल्लत मशीनों की मांग बढ़ाती है। मशीन के आते की खेतिहर मजदूरों की संख्या और बढ़ जाती है।भारत में करीब 86 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं। इनके पास 2 हेक्टेयर या 5 एकड़ से भी कम कृषि भूमि है। छोटी जोत के किसानों की परेशानी ये है कि अगर वो खेतिहर मजदूरों से काम कराते हैं तो फसल की लागत बढ़ जाती है और मुनाफा घट जाता है।

इसीलिए छोटी जोत के किसान परिवार के बुजुर्गों और लाचार सदस्यों को छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर जाते हैं। गांवों की सामाजिक ताना-बाना ऐसा है कि छोटी जोत वाले लोग औरों के खेतों में मजदूरी करना पसन्द नहीं करते, इसीलिए गांव ही छोड़ देते हैं। छोटे किसान या खेतिहर मजदूर इसलिए भी घट रहे हैं क्योंकि खेती-बाड़ी में फसल की बुआई और कटाई के मौसम में कुछ दिनों के काम ज्यादा निकलता है। जबकि घर-परिवार चलाने के लिए मजदूरों को भी तो नियमित काम की जरूरत होती है। यदि खेतिहर मजदूर वापस गांवों की और खेती की ओर लौटना भी चाहें तो भी ये उनके लिए व्यावहारिक नहीं हो पाता। कुलमिलाकर, सारा चक्र ऐसा है, जिससे दिनों-दिन खेती-किसानी की चुनौतियां बदलती जाती हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए कड़ाई से लाल,पीले राशन कार्ड और अन्य लोकलुभावन योजनाओं के पात्रों का सत्यापन अंतरराज्यीय एजेंसियों से कराना चाहिए और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को दंड देने की प्रक्रिया बदलनी चाहिए। बहुत ही कम मामलों में रंगे हाथ पकड़े जाने वाले अधिकारी भी पैसे और राजनीतिक प्रभाव से बचने के रास्ते निकाल लेते हैं जिसमें अभियोजन की स्वीकृति न देना भी शामिल है। सभी का मिला जुला प्रभाव समाज में पड़ता है और युवाओं को भ्रष्टाचार से आसान रास्ता दिखता है । सबसे बड़ा प्रभाव यह हुआ कि गांवों के स्कूल जो देशभक्त, नैतिकता भरे आदर्श नागरिक पैदा करते थे धीरे धीरे सरकारी नौकरी पाने के साधन बनते जा रहे हैं। गुरुओं का सम्मान गिरा और वे निजी विद्यालयों में सेवा प्रदाता बन गए। देश के अधिकांश युवा परियोजना आधारित बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पुर्जे बन रहे हैं और भारत एक अंधी दौड़ में शामिल हैं जिसमें अपनी चिंता सभी को है देश के भविष्य की मात्र बहुत कम प्रभावशाली लोगों को।

पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी होंगे एनएसएबी के अध्यक्ष

● सात सदस्यीय बोर्ड में सशस्त्र बलों, पुलिस और राजनयिक सेवाओं के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी शामिल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) का पुनर्गठन किया है और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना है।

सूत्रों के अनुसार, नए सिरे से गठित सात सदस्यीय बोर्ड में सशस्त्र बलों, पुलिस और राजनयिक सेवाओं के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। नए सदस्यों में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी एयर मार्शल पीएम सिन्हा (पूर्व पश्चिमी वायु कमांडर), लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह (पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर), रियर एडमिरल मोंटी खन्ना (सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी), राजीव रंजन वर्मा (पूर्व आईपीएस अधिकारी), मनमोहन सिंह (पूर्व आईपीएस अधिकारी) और बी वेंकटेश वर्मा (सेवानिवृत्त आईएफएस) अधिकारी हैं। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण संस्था है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हित के मामलों पर प्रधानमंत्री कार्यालय को सलाह देने का काम करती है। इसकी स्थापना 19 नवंबर 1998 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ब्रजेश मिश्रा के साथ पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में की थी।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

नौडीहा। थाना क्षेत्र के तरडीह पंचायत के महुराव में बुधवार सुबह चार बजे मोटरसाइकिल सवार ने डुमरिया मार्ग पर खराब अवस्था में खड़ा टेलर में टक्कर मार देने से युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जाता है कि युवक शादी समारोह से लौट रहा था। दुर्घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएएच भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम व औषधीय पौधों का रोपण

विविधताओं में एकता समझेंगे तभी सच्चे भारतीय बनेंगे: वार्डेन

औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण व स्वास्थ्य सुरक्षा का लिया संकल्प

छात्राओं ने पीएम श्री स्कूल प्लस टू कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय परिसर में औषधीय पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं, शिक्षिकाओं और अतिथियों ने भाग लिया और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पंचायत की मुखिया सरिता कुमारी ने कहा कि औषधीय पौधों का महत्व सिर्फ पर्यावरण को शुद्ध रखने में नहीं, बल्कि शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी है। हमें इन पौधों का संरक्षण और उपयोग नियमित रूप से करना चाहिए। वार्डन किरण कुमारी सिंह ने तुलसी, गिलोय और नीम के औषधीय गुणों और उनके स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये पौधे हमें कई बीमारियों से बचाने के साथ-साथ मानसिक शांति भी प्रदान करते हैं। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के और मुख्य अतिथियों के साथ-साथ सभी शिक्षिका और विद्यालय के छात्राएं उपस्थित रहे।

◀◀ भारत की विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत : मुखिया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पीएम श्री स्कूल प्लस टू कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बुधवार को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों को भारत की सांस्कृतिक विविधता से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महुअरी पंचायत की मुखिया सरिता कुमारी, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष अनीता देवी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में वार्डन किरण कुमारी सिंह ने कहा कि ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्न हमारे देश की शक्ति और एकता का प्रतीक है। यह योजना छात्राओं को न केवल अन्य राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और भाषाओं से परिचित कराती है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय एकता और सामूहिकता का एहसास कराती है। जब हम विविधताओं में एकता को समझेंगे, तभी सच्चे भारतीय बनेंगे। उन्होंने कहा कि देश की महानता उसकी विविधता में है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में अपने देश के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना को और गहरा करते हैं। मुखिया सरिता कुमारी ने कहा कि भारत की विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। जब हम एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और परंपराओं को समझते हैं, तब हम एकजुट होते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को यह समझने का अवसर मिल रहा है कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन द्वारा एक भारत से सरकार कार्यक्रम के लिए वार्डन किरण कुमारी सिंह को धन्यवाद दिया। कहा कि ऐसे कार्यक्रम करने से हमारे बच्चों में छुपी प्रतिभा का विकास होता है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका सुष्मिता रानी ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसे कार्यक्रमों से हमें न केवल राष्ट्रीय एकता का संदेश मिलता है, बल्कि यह हमें अपने देश की समृद्ध संस्कृति को सम्मान देने की प्रेरणा भी देते हैं। कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत कर भारत की सांस्कृतिक विविधता को जीवंत किया।

ग्रामीणों की मांग व विरोध के बाद भी खेत में लगा दिया गया ट्रांसफार्मर

बिजली विभाग की मनमानी

नवीन मेल संवददाता

हैदरनगर। प्रखंड के बभंडी पंचायत के गोल्हना में खेतों में स्थापित विद्युत ट्रांसफार्मर को हटाने की मांग वर्षों से ग्रामीणों सहित किसान करते रहे हैं। इस मामले को गंभीरता से नहीं लिए जाने से खासकर बरसात के दिनों में कोई बड़ी हादसा के अंदेशा से लोग भयभीत हैं। साथ ही किसानों को स्वतंत्र रुप से खेती भी करने में मानसिक पीड़ा सताती है। इस गांव के समस्त विद्युत उपभोक्ता ने जनहित से जुड़ी उक्त समस्या को दूर करने के लिए विभागीय अभियंताओं को बार-बार सूचना आवेदन के माध्यम से देने का काम किया है। वर्तमान में इस गांव का विद्युत ट्रांसफार्मर सड़क मार्ग से काफी दूर आहर क्षेत्र में स्थापित है। इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अत्यंत खराब है। विशेषकर बरसात के मौसम में जब चारों ओर खेतों में जल जमाव हो जाता है। ऐसी स्थिति में ट्रांसफार्मर की मरम्मत और रख रखाव कार्य अत्यधिक कठिन ही नहीं, बल्कि स्थाई विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना मुश्किल हो जाता है। साथ ही उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने व दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों ने उक्त ट्रांसफार्मर को सड़क किनारे सुरक्षित व ऊंचे स्थान पर स्थापित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने पुनः विभागीय अभियंताओं से इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हुए गोल्हना में नए डीपी तैयार कर ट्रांसफार्मर स्थल को बदलने का आग्रह किया है। इससे सभी ग्राम वासियों को सत्त सुरक्षित और निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था हो सके।

कैंसर पीड़ित व्यवसाई स्वस्थ होकर घर लौटा, खुशी

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। बाजार क्षेत्र हैदरनगर के मुख्य व्यवसाई सुनील लाल अग्रवाल दो वर्ष के बाद पत्नी और दो पुत्रियों के साथ सकुशल घर वापस आए हैं। इनके आने की सूचना पर पूरे बाजार क्षेत्र सहित कई संगठनों के कार्यकताओं के बीच खुशी लौटी है। दरअसल सुनील लाल अग्रवाल (50 वर्ष) कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने अब तक स्वास्थ्य लाभ की कामना के साथ वेल्लूर और रांची के अस्पतालों का निरंतर चक्कर काटते रहे हैं। अंततः ईश्वर ने उन्हें जीवन को वापस कर दी। जिससे समस्त परिजन सहित रिश्तेदारों ने राम मंदिर और देवी मंदिर हैदरनगर में मंगलवार की शाम महा आरती का आयोजन कराकर अपनी मन्नतें को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने उन्हें दोबारा जीवन दान दिया है। इससे पूर्व भी व्यवसाई सुनील लाल अग्रवाल ने अपने जीवन में कई सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठानों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने से इस इलाके में ख्याति प्राप्त की है। जिससे इनके यहां आते ही मुखिया संतोष कुमार सिंह, जितेन्द्र सिंह, जिप सदस्य संगीता देवी, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अजय जायसवाल, नावाजिश खान, शंभू लाल, सुदर्शन लाल, सज्जू खान, बाबू भाई, रौशन खान, संतन चौधरी, पंचम खान, प्रतीक कुमार, अनिल लाल, जीतन लाल सहित सैकड़ों लोगों ने उनसे मिलकर पूर्ण स्वस्थ होने की कामना ईश्वर से की है। पीड़ित सुनील लाल अग्रवाल ने कहा कि भविष्य में ईश्वर ने उन्हें सामर्थ्य दिया तो पूर्व की तरह ही आगे भी उनका धार्मिक और सामाजिक कार्यों में उनका सेवा जारी रहेगा।

पथरा पंचायत के नारायणपुर में सोलर हाईमास्ट लाइट लगाया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड क्षेत्र के पथरा पंचायत के नारायणपुर गांव में उपायुक्त शशि रंजन के अनुशंसा पर जेआरईडीए द्वारा सोलर हाइमास्ट लाइट का अधिस्थापन किया गया। सोलर हाइमास्ट लाइट के लगने से आस पास का क्षेत्र रात्रि में भी उजाला रहेग व सोलर एनर्जी के कारण विद्युत की खपत की बचत होगी। इस संबंध में मुखिया नरेश पासवान ने बताया कि ग्राम पंचायत पथरा को जिला प्रशासन द्वारा मॉडल सोलर ग्राम के लिए चयन किया गया है। इसके तहत सोलर हाइमास्ट लगाया गया है। लाइट लगने से पथरा पंचायत के ग्रामीण जनता में खुशी का माहौल है। जिला प्रशासन के प्रति पथरा पंचायत के मुखिया नरेश पासवान सहित पंचायत के लोगों ने आभार व्यक्त किया है।

प्रखंड स्तरीय रुआर 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद प्रखंड सभागार में प्रखंड स्तरीय रुआर 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने किया। मौके पर उन्होंने बताया की विद्यालय से जो भी बच्चे बाहर रह गए हैं, उनका नामांकन शत प्रतिशत कराया जाना जरूरी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार ने रूआर से संबंधित जानकारी दी। व्यक्तिगत रूप से सभी शिक्षकों को इसे सफल करने में अपना योगदान देने की जरूरत है। उन्होंने 10 मई तक प्रतिदिन के कार्यक्रम की जान कारी दी। बीपीओ रंजना कुमारी ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाना शिक्षकों की जवाबदेही है। इसे अभियान के रूप में लेने की जरूरतहैं। इस मौके पर सभी विद्यालय के एचएम,बीआरसी, बीआरपी व सीआरपी मौजूद थे।

युवती की आत्महत्या

छतरपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार की रात्रि योगेंद्र भुइयां की 16 वर्षीय पुत्री चांदनी कुमारी ने खुदकुशी कर ली। योगेंद्र ने बताया कि चांदनी को रिश्तेदार घर नहीं जाने देने के कारण मानसिक तनाव में आकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने कहा कि सुबह में हम चांदनी को कहीं नहीं देखने पर उसके कमरे का दरवाजा बंद देखा। आवाज देने पर दरवाजा नहीं खुलने पर आस पास के लोग के मदद से दरवाजा तोड़ने पर देखा की चांदनी फंदे से लटकी है। उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद गांव वालों ने पुलिस को सूचना दिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के के लिए एमएमसीएच भेज दिया।

शाहपुर इंटकवेल का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, काम में लापरवाही पर जताई नाराजगी

● जरूरी कार्य एक सप्ताह में शुरू करने का निर्देश, बरसात से पहले व्यवस्था सुधारने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने कोयल नदी स्थित शाहपुर इंटकवेल का निरीक्षण किया और वहां जारी कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान स्टेनर गैलरी का कार्य अधूरा पाए जाने पर कनीय अभियंता और सहायक अभियंता पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शाहपुर सहित सभी इंटकवेल को बरसात से पहले पूरी तरह दुरुस्त करना अनिवार्य है, जिससे जलापूर्ति में कोई बाधा न आए। नगर आयुक्त ने सहायक नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि वे संवेदक से समन्वय स्थापित कर एक सप्ताह के अंदर कार्य प्रारंभ कराएं। साथ ही भूसही व शाहपुर गैलरी निर्माण को प्राथमिकता देने को कहा। इसके अलावा, बेलवाटिका जलापूर्ति योजना से जुड़े पुराने कुएं की सफाई के लिए पाइपलाइन निरीक्षक छोटेलाल गुप्ता को चार दिन के भीतर कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान नगर प्रबंधक शाहिद हसन, कनीय अभियंता अवध शाह, सहायक अभियंता सुधीर कुमार एवं पाइपलाइन निरीक्षक छोटेलाल गुप्ता मौजूद थे। नगर आयुक्त ने साफ संकेत दिया कि जलापूर्ति से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण किए जाएं ताकि आमजन को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

कुंदरी लाह बागान होगा पुनर्जीवित: उपायुक्त ने किया स्थल का निरीक्षण

लाह उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा तालाब का भी होगा जीर्णोद्धार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला अंतर्गत नीलाम्बर-पीताम्बरपुर स्थित एशिया प्रसिद्ध कुंदरी लाह बागान को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रशासन ने गंभीर पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में उपायुक्त शशि रंजन ने जिला एवं वन विभाग के वरीय पदाधिकारियों के साथ लाह बागान का निरीक्षण किया। उन्होंने बागान में हो रहे लाह उत्पादन की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली एवं इसके विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बागान में स्थित तालाब का भी जायजा लिया। उन्होंने तालाब की गहराई, जलस्तर एवं पुनर्जीवन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए जीर्णोद्धार की प्रक्रिया को शीघ्र आरंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कुंदरी लाह बागान केवल जिले की नहीं, बल्कि पूरे राज्य की धरोहर है, जिसे संरक्षित एवं सशक्त किया जाना आवश्यक है। उपायुक्त ने मौके पर मौजूद सखी मंडल की महिला सदस्यों से संवाद स्थापित किया और लाह उत्पादन की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को लाह उत्पादन से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त आधार मिलेगा। निरीक्षण के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, छतरपुर एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड, अंचल और जेएसएलपीएस के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल के सौरभ तिवारी ने 98.4 प्रतिशत अंक लाकर मारी बाजी, मेदिनीनगर में छाया जश्न

● आईसीएसई 2025 परीक्षा में सभी 169 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण, 45 ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक पाए

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आईसीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 2025 के नतीजों ने मेदिनीनगर को गौरव से भर दिया है। सेक्रेड हार्ट स्कूल के 169 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया और सभी ने प्रथम श्रेणी से सफलता पाई। इनमें से 45 छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय में टॉपर बने सौरभ कुमार तिवारी ने 98.4% अंक प्राप्त कर न सिर्फ स्कूल, बल्कि पूरे इलाके में पहला स्थान हासिल किया। सौरभ लेस्लीगंज के गोराडीह (वर्तमान में हवाई अड्डा, रेड़मा) के निवासी हैं। उनके पिता कुश कुमार तिवारी शिक्षक हैं और माता गृहिणी। सौरभ की इस बड़ी सफलता ने पूरे परिवार को गर्वित कर दिया है।

सौरभ के पिता ने बताया कि, 'सौरभ बचपन से ही कुशाग्र और अनुशासित रहा है। उसकी सफलता में पूरे परिवार और शिक्षकों का अहम योगदान है।'

दूसरे स्थान पर युवराज गुप्ता ने 97.8% अंक प्राप्त किए, वहीं आर्यन अग्रवाल और युथिका सिंह ने 96.8% अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। इसी क्रम में, ग्राम जोड़ निवासी और झारखंड पुलिस में कार्यरत रंजित तिवारी के पुत्र साकेत तिवारी ने 92.2% अंक प्राप्त किए हैं। साकेत संत जेवियर एकेडमी के छात्र हैं और उनकी इस सफलता से गांव में भी खुशी की लहर है।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह परिणाम इस बात का प्रमाण है कि कठिन परिश्रम, पारिवारिक सहयोग और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलकर सफलता की नई मिसालें गढ़ सकते हैं।

डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करें, मरीजों को न हो असुविधा : उपायुक्त

■ एमएमसीएच में बनेगा एलएमओ टैंक व छतरपुर में पोस्टमार्टम हाउस

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मरीजों की सुविधा सर्वोपरि रखने का निर्देश दिया। समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में आयोजित बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि ड्यूटी के दौरान सभी चिकित्सक अस्पताल में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें ताकि इलाज के लिए आए लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो।उपायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और तत्परता लाने की दिशा में कई ठोस निर्णय भी लिए। उन्होंने कहा कि 'स्वास्थ्य सुविधाएं आम लोगों तक सुलभ और समयबद्ध रूप से पहुंचे, यही हमारी प्राथमिकता है।'

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) में ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति के लिए एलएमओ (लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन) टैंक की स्थापना कराई जाएगी।

छतरपुर में नए पोस्टमार्टम हाउस का निर्माण होगा, जबकि हुसैनाबाद स्थित मौजूदा पोस्टमार्टम केंद्र को आधुनिक रूप से व्यवस्थित किया जाएगा।

जिले के उत्कृष्ट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) की पहचान कर उनकी सूची तैयार की जाएगी, जिससे इन्हें मॉडल हेल्थ यूनिट के रूप में विकसित किया जा सके। सभी खराब हो चुके उपकरणों एवं जर्जर भवनों को कंडम घोषित करने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया गया। पीवीटीजी बहुल गांवों में विशेष ध्यान देते हुए वहां स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति और आयुष्मान कार्ड निर्माण पर बल दिया गया।

आगामी 14 मई को हुसैनाबाद में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर के लिए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समुचित प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने यह भी कहा कि 'स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा हर अधिकारी-कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी समझे और उसे गंभीरता से निभाए। मरीजों की संतुष्टि ही हमारी सफलता का पैमाना है।' बैठक में सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. अनिल श्रीवास्तव, आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस.के. रवि, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रदीप सिन्हा सहित जिले के सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य प्रबंधन इकाई के सदस्य मौजूद रहे।

पुस्तकालय की सुविधाओं के विस्तार को लेकर प्रबंध समिति की बैठक संपन्न

● उपायुक्त के निर्देश पर उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में लिए गए कई अहम निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय (केंद्रीय पुस्तकालय) को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में प्रशासन गंभीर है। उपायुक्त-सह-पुस्तकालय अध्यक्ष शशि रंजन के निर्देश पर मंगलवार को उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद की अध्यक्षता में पुस्तकालय प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुस्तकालय के समग्र विकास एवं सुविधाओं के विस्तार से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि पाठकों और विद्यार्थियों की जानकारी को अद्यतन बनाए रखने हेतु नवीनतम पुस्तकों की खरीद की जाएगी। इसके लिए पुस्तक सूची तैयार की जा रही है। साथ ही, पुस्तकालय में 25 केवी क्षमता वाला सोलर पैनल सिस्टम स्थापित किया जाएगा ताकि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में निर्बाध पठन-पाठन सुनिश्चित किया जा सके। विशेष पुस्तकालय अनुभाग एवं एक आईटी सेक्शन की स्थापना पर भी चर्चा हुई। पुस्तकालय में नाम पट्टिका (डिस्प्ले बोर्ड), रंग-रोगन, सीसीटीवी कैमरा, अतिरिक्त वाटर कूलर-प्यूरिफायर, रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान प्रणाली, अग्निशमन यंत्र, कुर्सियों की मरम्मत, अतिरिक्त महिला सफाईकर्मी और सुरक्षा प्रहरी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा पुराने समाचार पत्रों के निष्पादन एवं पुस्तकालय परिसर में स्थित दुकानों की मरम्मत पर भी सहमति बनी।

उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने कहा कि पुस्तकालय की पहचान राज्य स्तर पर स्थापित हो, इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि यहां अध्ययनरत प्रतियोगी परीक्षार्थियों की श्रेणीवार सूची तैयार की जाए और उनके परीक्षा परिणामों का मूल्यांकन किया जाए। आवश्यकतानुसार उन्हें विशेष सुविधाएं भी प्रदान की जाएं, ताकि वे जिले का नाम रोशन कर सकें। बैठक के उपरांत अधिकारियों ने पुस्तकालय का निरीक्षण किया तथा पाठकों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। पुस्तकालय परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा, जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-पुस्तकालय सचिव सौरभ प्रकाश, जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार, नजारत उप समाहर्ता विक्रम आनंद एवं पुस्तकालय स्टाफ उपस्थित थे।

रोटरी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू को सड़क दुर्घटनाओं से मुक्त करने के उद्देश्य से वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट लगातार जन-जागरूकता अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को स्टेशन रोड स्थित रोटरी स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई और उन्हें इसके प्रति संवेदनशील बनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की सचिव शर्मिला वर्मा के संबोधन से हुई। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम लगातार यह प्रयास कर रही है कि सड़क सुरक्षा को लेकर हर वर्ग जागरूक हो। यदि एक भी व्यक्ति हमारी बातों को अमल में लाकर दुर्घटना से बचता है, तो यह हमारी सबसे बड़ी सफलता होगी।'

कार्यक्रम में ट्रैफिक इंचार्ज शमाल अहमद ने बच्चों को सड़क नियमों की अनदेखी के परिणाम और जुमार्ने की जानकारी देते हुए कहा कि 'हमारा उद्देश्य किसी को फाइन करना नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखना है।' मयूरेश द्विवेदी ने सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी आँकड़ों को प्रस्तुत करते हुए इसके खतरों की गंभीरता को बताया। पंकज लोचन ने स्कूली समय में भी यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया। विवेक वर्मा ने बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने की सलाह दी, जबकि लक्ष्य श्रेष्ठ ने कहा कि 'राइडिंग गियर उतना ही जरूरी है जितना स्कूल यूनिफॉर्म झ्र सिर को चोट लगने से बचाना सबसे जरूरी है।'

कार्यक्रम के दौरान स्नेहा ओझा ने विद्यार्थियों से सड़क सुरक्षा से जुड़े रोचक सवाल पूछे और सही उत्तर देने वालों को कॉपी-पेन पुरस्कार स्वरूप भेंट किए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में खुश्बू वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। इसके पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन की सफलता में चंद्र प्रकाश ओझा, शिक्षिका निमिषा प्रिया, श्रेया सिंह, शशांक सर, प्राचार्या रूपाली मैम और स्कूल डायरेक्टर श्री अनुग्रह नारायण शर्मा का अहम योगदान रहा।

शिक्षा के साथ जीवन के उद्देश्य को भी समझें विद्यार्थी : अविनाश देव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल में आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान चेयरमैन अविनाश देव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान या अंक अर्जित करना नहीं होना चाहिए, बल्कि जीवन के उद्देश्य को समझते हुए मानवता और संवेदना के साथ आगे बढ़ना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज तकनीकी उन्नति के इस दौर में जहां विज्ञान जीवन को सुगम बना रहा है, वहीं समाज में संवेदनशीलता की कमी भी स्पष्ट दिखाई दे रही है। ऐसे में विद्यार्थियों को आत्मज्ञान, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के युग में जहां भाईचारे और सौहार्द्र की आवश्यकता है, वहीं दुर्भाग्यवश धर्म और राष्ट्र के नाम पर लहू बहाने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो मानवता के लिए कलंक हैं। विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे शिक्षा को केवल अपने व्यक्तिगत लाभ तक सीमित न रखें, बल्कि समाज और देश के विकास में भी योगदान दें। अविनाश देव ने कहा कि जब तक समाज में स्नेह, सहिष्णुता, नैतिकता और पवित्रता जैसी मानवीय भावनाएं मजबूत नहीं होंगी, तब तक न तो परिवार सुरक्षित रह सकता है और न ही देश। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अध्यात्म की आवश्यकता को भी रेखांकित करते हुए कहा कि धर्म की तरह आत्मिक अनुशासन को भी अपनाना चाहिए, ताकि जीवन का वास्तविक उद्देश्य समझा जा सके।

सभा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मूल्यपरक शिक्षा एवं सामाजिक चेतना से जोड़ना रहा।

हमारी जमीन हमसे न छीनी जाए : ग्रामीण

■ उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की पीड़ा, भरोसे और कार्रवाई का दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बुधवार को समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार, आम जनता की पीड़ा और प्रशासनिक संवेदनशीलता का एक जीवंत उदाहरण बना। उपायुक्त शशि रंजन ने विभिन्न प्रखंडों से आए फरीयादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनीं और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान का भरोसा दिया।

जनता दरबार में ग्रामीणों ने अपनी समस्या रखी। नेउरा गांव के गौरीशंकर पासवान, रामचंद्र राम और कमलदेव उरांव ने अपनी रैयती भूमि पर जबरन कब्जा किए जाने की शिकायत की। उन्होंने उपायुक्त से मांग की कि अवैध कब्जाधारियों से भूमि मुक्त कराई जाए और उन्हें सुरक्षा दी जाए। सदर प्रखंड के सिंगरा कला गांव से आए मनमोहन प्रसाद सिंह और उमाशंकर सिंह ने फोरलेन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित गैरमजरूआ भूमि को रैयती मान्यता देने संबंधी प्रस्ताव पर कार्रवाई की मांग की। सुदना (वार्ड-9) निवासी संजय चौधरी ने आरोप लगाया कि उनकी निजी निबंधित भूमि पर दलालों द्वारा अवैध तरीके से एकरारनामा कर बिक्री की गई है। उन्होंने इस पर कानूनी कार्रवाई की मांग की। हुसैनाबाद के महुअरी गांव की मनीषा सिंह ने शिकायत की कि ग्रीन राशन कार्ड के लिए केवाईसी प्रक्रिया में अड़चन के कारण उनका परिवार राशन से वंचित है। उन्होंने केवाईसी के लिए समय सीमा बढ़ाने की अपील की। सुल्तानी गांव के राजीव रंजन ने क्रशर संचालक द्वारा पर्यावरण नियमों के उल्लंघन और प्रदूषण फैलाने की शिकायत की। रेहला से आए अशोक तिवारी ने भूमि पर अवैध कब्जा हटाने एवं चारदीवारी निर्माण में हो रही रुकावट की जानकारी दी।

हैदरनगर निवासी सविता देवी ने बच्चों के स्कूल नामांकन में हो रही देरी की शिकायत दर्ज कराई।

उपायुक्त शशि रंजन ने सभी फरीयादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं, कुछ मामलों में तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया, जबकि अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए समाधान सुनिश्चित करने का आदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'हर वाजिब समस्या का समाधान प्रशासन की जिम्मेदारी है, और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

मेरे प्यारे झारखण्ड वासियों
जोहार !

"अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1 मई 2025 के अवसर पर झारखण्ड राज्य के सभी श्रमिक बन्धुओं को शुभकामनाएँ।"

राज्य के मजदूरों की सुरक्षा एवं कल्याण हेतु झारखण्ड सरकार सतत् प्रयासरत है।

श्रमिक हित में विभाग द्वारा किए गए मुख्य कार्य :-

- ई-श्रमपोर्टल में 96,61,245 असंगठित श्रमिकों का निबंधन कराया गया।
- वित्तीय वर्ष-2024-25 में असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 63030 श्रमिकों को लाभान्वित करने में ₹45.75 करोड़ का व्यय किया गया।
- वित्तीय वर्ष-2024-25 में झारखण्ड राज्य के 217 अंतर्राज्यीय प्रवासी श्रमिकों की दुर्घटना / प्राकृतिक आपदा में मृत्यु होने के उपरांत उनके आश्रितों को ₹2,26,50,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। सामान्य मृत्यु की स्थिति में कुल 239 कामगारों के आश्रितों के शव लाने हेतु ₹1,19,50,000 एवं 04 अंतर्राज्यीय प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु के उपरांत कुल ₹20,00,000 की सहायता प्रदान की गयी।
- 31 मार्च 2025 तक 17,28,508 निर्माण श्रमिकों का निबंधन किया जा चुका है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,67,636 निर्माण श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं में कुल ₹1,09,22,76,891 की राशि का लाभ दिया गया।

1 मई 2025 अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर झारखण्ड सरकार आपके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण की कामना करती है।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR No. 351490 (Labour Employment and Traning) 2025-26

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

राशि लेकर अबुआ आवास नहीं बनाने वालों पर होगी प्राथमिकी: बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। प्रखंड कार्यालय के सभागार में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, बीपीओ के साथ प्रखंड में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। सभी मुखिया को आम बागवानी के लाभुकों का जल्द चयन कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस क्रम में वे सभी वार्ड सदस्यों के साथ एक मीटिंग करें और बिरसा हरित आम बागवानी योजना के महत्व के बारे में सभी को जानकारी दें। आम बागवानी लेने के क्रम में यह निर्देश दिया गया कि यदि नीलगाय से लाभुक अपने आम बागवानी की सुरक्षा नहीं कर सकते हैं, तो इस प्रकार के प्रस्ताव को उपलब्ध नहीं कराया जाए। अबुआ आवास व प्रधानमंत्री आवास में वैसे लाभुकों को चिन्हित करने की जरूरत बताई गई, जो आवास का पैसा लेकर आवास बनाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। उनके विरुद्ध सरकारी राशि का गबन करने का मुकदमा दर्ज करने का निर्णय लिया गया। पीडीएस की समीक्षा में कहा गया कि राशन कार्डधारी जिनका ई-केवाईसी अभी तक नहीं हुआ है, वैसे लाभुकों को गुरुवार तक हर हाल में ई-केवाईसी करा लेने का निर्देश दिया। सभी मुखिया को विकास कार्यों में अपने पंचायत में दिलचस्पी लेने का आग्रह किया गया। उन्हें पंचायत सचिव व रोजगार सेवक के साथ प्रतिदिन पंचायत भवन में बैठकर लोगों की समस्याओं को सुनने की आदत डालने की सलाह दी गई। बैठक में मुखिया विजय राम, अमित दुबे, सुबोध वर्मा, ललित बैठा, मुखिया प्रतिनिधि रिंकू सिंह, अरुण राम, लालू यादव, मनोज कुमार, नीरज कुमार सिंह, पंचायत सचिव सुदर्शन राम, संजीव कुमार ठाकुर सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला परिषद उपाध्यक्ष ने स्थायी समिति की समीक्षा की

सगमा, धुरकी, केतार में एक-एक एंबुलेंस उपलब्ध कराने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिला परिषद उपाध्यक्ष सह सभापति, स्वास्थ्य शिक्षा समिति सत्यनारायण यादव की अध्यक्षता में स्थाई समिति की समीक्षा बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में विस्तृत चर्चा कर आवश्यक सुधार करने का सुझाव के साथ निर्देश दिए गए। समीक्षात्मक बैठक के दौरान सर्वप्रथम पूर्व में किए गए बैठक के कार्यवाही के अनुपालन प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। सभापति, स्वास्थ्य एवं शिक्षा समिति जिला परिषद द्वारा सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार से जिला अंतर्गत स्वास्थ्य उप केंद्रों की संख्या, उनमें कार्यरत चिकित्सकों की संख्या, अस्पतालों में दवा की उपलब्धता की स्थिति आदि के बारे में पूछी गई। असैनिक शल्य चिकित्सक-

सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा समिति के सभी सदस्यों को यह बताते हुए आश्वस्त किया गया कि जिला में स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्ध संसाधन का पूर्ण रूप से उपयोग किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार चिकित्सक, कर्मी, एम्बुलेंस को विभिन्न स्वास्थ्य उप केन्द्रों में भेजा जाता है। उन्होंने बताया कि जिला में चल रहे कार्यक्रम का विस्तृत विवरणी सभी सदस्यों को प्रतिवेदन के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। बैठक के दौरान सभापति द्वारा सगमा, धुरकी, केतार में एक-एक एंबुलेंस उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद पशुपतिनाथ मिश्रा ने बैठक में उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी कैशर रजा, जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज को शिक्षा विभाग से जो भी नया योजना,कार्यक्रम संचालित होता है, उसकी जानकारी समिति के सभी सदस्यों को आवश्यक रूप देने का निर्देश दिया। सभापति द्वारा कहा गया कि जिला अंतर्गत जितने भी विद्यालय हैं, वहां पर छात्रों की संख्या अधिक है और शिक्षकों की संख्या कम है। वैसे विद्यालयों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति किया जाय। सभी अधूरे पड़े विद्यालय भवनों को शीघ्र पूर्ण कराने, सड़क किनारे स्थित विद्यालयों के चाहरदीवारी का निर्माण कराने का निर्देश दिया गया, ताकि बच्चें सड़क दुर्घटना जैसे हालातों से बचे ।उक्त समीक्षात्मक बैठक में उपरोक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश समेत विभिन्न जिला परिषद सदस्य मौजूद थें।

न्यूज बॉक्स

दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में एक घायल

रमना। सोनेहरा मुख्य सड़क पर नरेश साह के घर के पास दोपहर तीन बजे तीखा मोड़ पर दो मोटरसाइकिल के आमने-सामने की टक्कर में गम्हरिया ग्राम निवासी 55 वर्षीय बुचून यादव (नागेंद्र) गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका प्राथमिक उपचार रमना हेल्थ सेंटर में किया गया। जानकारी अनुसार बुचून यादव पत्नी के साथ साहू के घर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। कर्णपुरा ग्राम से अपने रिश्तेदार के शादी समारोह के बाद डंडई थाना के लावाही ग्राम निवासी 56 वर्षीय प्रेम साह अपनी पत्नी के साथ घर वापस जा रहे थे। इस क्रम में उक्त तीखे मोड़ पर दोनों की आमने सामने टक्कर हो गयी। इससे दोनों सवार की गिर गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने दुर्घटना की सूचना घायल के घरवालों को दी। इसके बाद घरवाले घटना स्थल पर पहुंच कर निजी वाहन से घायल को निजी अस्पताल में ईलाज के लिए भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों बेहतर ईलाज के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस ने पांच वारंटी को किया गिरफ्तार

रमना। विशेष अभियान चलाकर रमना पुलिस ने विभिन्न केस के पांच वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी आकाश कुमार ने बताया कि विभिन्न केस के वारंटियों के विरुद्ध गिरफ्तारी का वारंट न्यालय द्वारा निर्गत हुआ था। इसके अलोक में विशेष अभियान द्वारा छपामारी कर मड़वनिया निवासी आरोपी सुरेश भुइयां पिता महावीर भुइया, रमना पंचायत के मनोज साव पिता स्व सरजू साव, बनखेता ग्राम के संजय सिंह पिता स्व नारायण सिंह,गम्हरिया ग्राम के रामसागर भुइयां पिता बद्री भुइयां, उपेंद्र चौधरी पिता रघुनाथ चौधरी ग्राम हरादाग को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर गढ़वा जेल भेज दिया गया।

75 प्रतिशत कार्डधारियों का हुआ ई-केवाईसी

डंडई। राशना कार्डधारियों के लाभुको का ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त हो गई है। प्रखंड क्षेत्र के लगभग 75 प्रतिशत ही लाभकों का ई-केवाईसी हो पाया। बताया जाता है कि प्रखंड क्षेत्र में पहले 60,925 लाभुकों द्वारा प्रत्येक माह जन वितरण दुकानदारों से खाद्यान्न का उठाव किया जाता रहा था, लेकिन उनमें ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि तक मात्र 46,533लोगों द्वारा ही ई-केवाईसी कराने कराया गया। शेष 14,392 लाभुकों का ई-केवाईसी नहीं हो पाया। प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी जसवंत नायक ने बताया कि खाद्य सुरक्षा के लाभुको का ई-केवाईसी कराने को लेकर सरकार की ओर तीन बार मौका दिया गया। बावजूद उक्त लाभुकों में ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि तक मात्र 46,533 लाभुकों ने हीअपना ई-केवाईसी कराया।

पहलगाम आतंकी हमला के विरोध में कैंडल मार्च निकाला

केतार। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में केतार बाजार में झामुमो ने प्रखंड अध्यक्ष लालेश्वर राम के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च आंबेडकर चौक से कर्पूरी गेट तक निकाली गई। मार्च में बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकता शामिल होकर आक्रोश व्यक्त किए। इस दौरान पाकिस्तान व आतंकवाद विरोधी नारेबाजी की गई। प्रखंड अध्यक्ष लालेश्वर राम ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने जो कायरतापूर्ण हरकत की है,उसका हिसाब तत्काल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हिंदू-मुस्लिम करके देश में नफरत फैलाना चाहता है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस हमलें का सख्त बदला लेने और पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग किया। संगठन सचिव संजय वर्मा ने कहा कि नृशंस आतंकी हमला देश की एकता व अखंडता पर सीधा प्रहार है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का करारा जवाब देने कि मांग की। कार्यक्रम के पूर्व पहलगाम में मारे गये लोगों की आत्मा कि शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। मौके पर रामविचार साहू,उपाध्यक्ष इम्तियाज अंसारी, संगठन सचिव संजय वर्मा, सूर्य नाथ सिंह, श्री राम सिंह, सुरेश प्रसाद, मनोरंजन गुप्ता,छोटन सिंह, दीपक वर्मा,शुशील यादव, सुरेन्द्र प्रसाद यादव, कामेश्वर सिंह, बिंदू राम, जयमाल प्रसाद, जयंत विश्वकर्मा, जसमुदिन अंसारी,अल्ताफ अंसारी, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बाल विवाह मुक्त गढ़वा बनाने का लिया संकल्प

गढ़वा। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बुधवार जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सभी धर्मों के धर्म गुरुओं ने भाग लिया। मौके पर समाज में हो रहे बाल विवाह पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी ने बाल विवाह मुक्त गढ़वा बनाने का संकल्प लिया गया। सभी ने सामाजिक स्तर पर जागरुकता अभियान चलाने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में धर्म गुरुओं के अलावा प्रणव कुमार अध्यक्ष बाल कल्याण समिति गढ़वा, मुकेश सिंह, रेणु देवी सदस्य बाल कल्याण समिति गढ़वा, संजय ठाकुर संरक्षण अधिकारी, दीपक कुमार आउटरीच वर्कर, दीपक कुमार पाठक, बचपन बचाओ आंदोलन, राजीव कुमार रवि जिला समन्वयक, फारुक अंसारी चाइल्ड हेल्प लाइन गढ़वा, गणेश कुमार जिला समन्वयक, संजय प्रसाद सपोर्ट पर्सन, रिंकी देवी काउंसलर, मधुलता कुमारी, सुमनलता देवी, सपना देवी, पीतांबरी कुमारी सीएसडल्ब्यू लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान से उपस्थित थे। सभी ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और कानून अपराध है। एकीकृत प्रयास और लोगों में जागरूकता लाकर इस बुराई को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। स्वस्थ्य समाज के लिए भी बाल विवाह जैसी कुरीतियों को त्यागने की आवश्यकता है।

एक नजर

प्रशासन ने बुलडोजर से अतिक्रमण हटाया

रंका । मेन रोड में मुख्य बाजार में अतिक्रमण किए जमीन पर प्रशासन ने बुधवार को बुलडोजर चलाकर अतिक्रमणमुक्त कराया। 24 घंटे पहले ही माइक से अतिक्रमण हटाने के लिए लोगों को निर्देश दिया गया था। बावजूद लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाए थे। प्रशासन ने दोपहर 12 से 4 बजे शाम तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। बता दें कि रंका चेक नाका से रंका अस्पताल चौक तक दुकानदारों द्वारा सरकार की जमीन को अतिक्रमण कर ली गई है। दुकानादारों द्वारा जमीन अतिक्रण कर लेने के कारण रोड पर प्रतिदिन जाम की स्थिति बनी रहती थी। इसे देखते हुए अंचलाधिकारी शिवपूजन तिवारी द्वारा अतिक्रमण किए हुए जमीन को मुक्त कराया गया।

सर्वेश्वरी समूह ने पनशाला खोला

रंका। सर्वेश्वरी शाखा ने तपती गर्मी को देखते हुए एसके इंटरनेशनल स्कूल के गेट के पास पनशाला खोला है। सर्वेश्वरी शाखा रंका के कांति सिंह ने पूरे विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना के बाद पनशाला का शुभारंभ राहगीरों को गुड़ खिलाकर व पानी पिलाकर की। इस संबंध में रंका सर्वेश्वरी शाखा के कांति सिंह ने बताया कि हर वर्ष तपती गर्मी को देखते हुए रंका एस के इंटरनेशनल के गेट के पास पनशाला का शुभारंभ किया जाता है। इस वर्ष भी पानशाला का शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि इस रास्ते से जाने वाले राहगीर व ग्रामीण पाल्हे, भलुआनी, सोनदाग, मुंगदह आदि गांव के लोग इस रास्ते से होकर रंका प्रखंड मुख्यालय आते-जाते हैं। तपती गर्मी के मौसम में उन्हें शीतल जल पीने को मिलेगा। मौके पर रंका सर्वेश्वरी शाखा के महामंत्री मोरध्वज प्रसाद सिंह उर्फ सुमन सिंह, अजय कुमार सिंह, विद्यालय के प्रिंसिपल जगत, बंटी राय आदि उपस्थित थे।

सीढ़ी से गिरकर घायल

भवनाथपुर। बुका में स्थित अपने आवास पर सीढ़ी से फिसल कर गिरने के कारण सीताराम पाठक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सुबह उस समय हुआ जब वह अपने घर के सीढ़ी से छत जा रह थे। इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ने के कारण वह सीढ़ियों से फिसलकर नीचे गिर पड़े।

पंचायत सेवक व मुखिया पर अनियमितता का आरोप

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड के भोजपुर गांव के ग्रामीणों ने बीडीओ को आवेदन देकर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) वित्तीय वर्ष 2024-25 में ग्राम पंचायत भोजपुर के पंचायत सेवक व मुखिया पर अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच के बाद कार्रवाई की मांग की है। आवेदन पर हस्ताक्षर करने वालों में मनीष कुमार यादव, अजय यादव, मनोज यादव, बालेश्वर यादव, राम सूंदर भुइँया, जय कुमार यादव, अभय कुमार, चंद्रावती देवी, अवधेश कुमार, मीणा देवी सहित अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

विशेष अभियान के तहत 21 वारंटी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। अनुमंडल क्षेत्र के सात थानों से विभिन्न मामलों के 21 वारंटी को गिरफ्तार कर गढ़वा जेल भेज दिया गया। इस आशय की जानकारी पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह ने दी। वह मंगलवार को पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक दीपक पांडेय के निर्देश पर 29 अप्रैल के मध्य रात्रि में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानों में 10-12 वर्ष से फरार चल रहे वारंटियों के गिरफ्तारी को लेकर विभिन्न थानों के थाना प्रभारी टीम बनाकर छापेमारी अभियान चलाया। उनमें 21 वारंटी को गिरफ्तार कर

गढ़वा जेल भेजा गया। 66 वारंट का निष्पादन किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार वारंटी में बंशीधर नगर से 8, रमना थाना से 5, धुरकी थाना से एक वारंटी, भवनाथपुर थाना से एक, खरौंधी थाना से दो वारंटी, केतार थाना से एक, हरिहरपुर ओपी से तीन वारंटी शामिल है। मौके पर थाना प्रभारी आदित्य नायक, अवर निरीक्षक सुंदर सोरेन, रमना सहित सभी थानों के अवर निरीक्षक उपस्थित थे।

शिक्षकों को करना होगा 50 घंटे का अनिवार्य प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी कोटि के शिक्षकों को अब कम से कम 50 घंटे का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। इसमें ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों प्रकार के प्रशिक्षण शामिल होंगे। इस संबंध में बीपीएम नवीन प्रकाश ने जानकारी दी कि यह प्रशिक्षण शिक्षकों की पेशेवर दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रत्येक वर्ष 50 घंटे का सतत पेशेवर विकास प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। इसके तहत शिक्षक नई शिक्षा पद्धतियों, डिजिटल उपकरणों के उपयोग, मूल्यांकन विधियों, समावेशी शिक्षा और सामाजिक-भावनात्मक शिक्षण जैसे विषयों पर जानकारी प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण दो भागों में विभाजित किया गया है। पहला भाग ऑनलाइन माध्यम से जे गुरुजी ऐप्प से पूरा किया जाएगा, जिसमें शिक्षकों को विभिन्न शैक्षिक पोर्टल और प्लेटफॉर्म पर लॉगिन

कर प्रशिक्षण लेना होगा। दूसरा भाग ऑफलाइन होगा, जिसमें शिक्षक डायट (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान) गढ़वा में उपस्थित होकर लगभग 5-6 घंटे की कक्षा प्रशिक्षण लेंगे।प्रशिक्षण की शुरूआत एक मई माह के पहले सप्ताह से हो रही है, जिसकी विस्तृत तिथियां और समय-सारणी जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जल्द जारी की गयी है। शिक्षकों को अपने प्रशिक्षण के निर्णय का उद्देश्य शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण विधियों से लैस करना है ताकि वे कक्षा में बेहतर शिक्षण दे सकें और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान दे सकें। बीपीएम ने सभी शिक्षकों से समय पर प्रशिक्षण पूर्ण करने की अपील की है, ताकि किसी भी तरह की प्रशासनिक बाधा उत्पन्न न हो।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक दर्जन घायल

भवनाथपुर। बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए ऑटो, बाइक व बोलेरो की दुर्घटनाओं में एक दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सक डॉ. अभिनीत विश्वास और इंद्र किशोर विश्वकर्मा द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर तीन लोगों को बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पहली घटना भवनाथपुर मुख्य पथ के ब्लॉक गेट पर एक स्कूटी और बस के बीच हुए टक्कर में आनंद कुमार पिता मंगरू साह लमारी कला डंडई उसकी सरहज श्रद्धा सेवी पति संजय साह अरसली दक्षिणी के मजूराही टोला निवासी भवनाथपुर ब्लॉक गेट के पास स्कूटी और बस के टक्कर में घायल हो गए। दूसरी घटना केतार के आमवाडीह में एक ऑटो और बोलेरो की टक्कर में 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उनमें शकुंति देवी पति सोनू,रामदेव सिंह बेगाडीह, सुनील कुमार यादव पिता नागेंद्र यादव, चांदनी कुमारी पिता रमेश राम, रंजीत कुमार पिता कमलेश कुमार, संगीता देवी पति सोनू चेरी पीपरखांड केतार से जाने के क्रम में अमावडीह के पास एक अनियंत्रित बाराती बोलेरो के टकराने से लोग घायल हो गए। उनमें दो की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को भवनाथपुर सीएचसी भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को रेफर कर दिया। दुर्घटनाओं की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही जेएमएम कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष अरुण रावत ,मनोज यादव,गोपाल यादव ,कसमुद्दीन अंसारी,दीपक चंद्रवंशी सहित अन्य घायलों को इलाज में मदद किया।

स्वाथ्य केंद्र में जरूरत के अनुसार नहीं खर्च की गई राशि

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डंडई के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के मार्च माह में राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई 10 लाख रुपए की राशि उपयोगिता विहीन बन रह गई है। उक्त राशि से न तो जरूरतमंद उपकरण और दवा खरीदारी की गई और न ही अस्पताल का जर्जर दरवाजा-खिड़की, टूटा शीशा बदला गया है। विभाग ने मात्र चार कुर्सी, तीन पेटी दवा, एक लोहे का ग्रिल के साथ मामूली रूप से अस्पताल का रंग-रोगन के नाम पर उक्त राशि को खर्च कर दिया। उक्त राशि से खरीदारी कर अस्पताल के स्टोर रूम में रखा गया दवा की पेटी दिखाने की बाबत बात करने पर पहले तो चिकित्सा पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी ने एमपीडब्ल्यू जसवंत कुमार को दिखाने को कहा, लेकिन बाद में वह अपने बात से पीछे हट गई। एमपीडब्ल्यू ने बताया कि मेरे ही देखरेख में अस्पताल के स्टोर रूम में तीन पेटी दवा रखी गई है। दूसरी ओर सुपरवाइजर विजय कुमार ने बताया कि अस्पताल में चार नया कुर्सी खरीदी गई है। एक लोहे का ग्रील भी लगा है। साथ ही अस्पताल का रंग-रोगन भी कराया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य चीजों के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

ड्राप आउट बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराएं: बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्लस टू उच्च विद्यालय के सभागार में बुधवार को झारखंड शिक्षा परियोजना व समग्र शिक्षा के तहत रुआर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी रौशन कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तहमीना परवीन, बीआरपी श्रीकांत चौबे ने दीप प्रज्जवलित कर किया। बीआरपी श्रीकांत चौबे ने कार्यशाला में उपस्थित प्रधानाध्यापकों को रुआर कार्यक्रम की जानकारी विस्तार से दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि आप सभी अपने पोषक क्षेत्र के सभी अनामांकित बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराना सुनिश्चित करें। नामांकन कराने के बाद बच्चे प्रतिदिन विद्यालय आएं इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सभी शिक्षक समाज के दर्पण है। ऐसे बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं, जिनके माता पिता ,अभिभावकों को शिक्षा से कोई जुड़ाव नहीं है। विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति के लिये विभाग प्रयास जैसा कार्यक्रम चला रही है। विद्यालय नहीं आने वाले बच्चों के माता पिता से मिलकर उन्हें बच्चों को विद्यालय भेजने का आग्रह करने की बात पर बल दिया। बीआरपी ने कहा कि रुआर कार्यक्रम विद्यालय स्तर पर 25 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा। कार्यशाला में शिक्षिका रूबी कुमारी, सुजीत कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में बीआरपी प्रकाश कुमार सिंह, सीआरपी सजंय कुमार सिंह, अजय कुमार, बिरेन्द्र प्रजापति, शोभा कुमारी, शक्ति दास सिन्हा, शिक्षक रमेश प्रसाद, अलीम अंसारी, नित्यानंद तिवारी, राजीव रंजन चौबे, रागनी रवानी, बिनोद ठाकुर, ज्ञान प्रकाश, अनूप विश्वकर्मा, अमित कुमार,उदय कुमार,सुजीत कुमार, नरेश राम ,मुनेश्वर मेहता सहित सभी प्राधानाध्यापक उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त शिक्षक को दी गई भावभीनी विदाई

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय दहेड़ीया के शिक्षक जनेश राम के सेवानिवृत्त पर विद्यालय में बुधवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विदाई सह सम्मान समारोह में विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार ने सेवानिवृत्त शिक्षक जनेश राम के कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना कार्यकाल पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिये सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है। वैसे एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नही होते। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होने के बाद समाजिक जिम्मेवारी बढ़ जाती है। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षक जनेश राम के उज्वल भविष्य व दीर्घायु होने की कामना की। शिक्षक रामचन्द्र महतो ने कहा कि शिक्षक जनेश राम अनुशासित,हंसमुख व अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़संकल्पित थे। मौके पर शिक्षक राधा प्रसाद यादव, शिक्षक नन्दू सिंह, देवकुमार राम ने सेवानिवृत्त शिक्षक के सम्मान में गीत प्रस्तुत किया। समारोह में सीआरपी शक्तिदास सिन्हा, शिक्षक उदय कुमार, राजनाथ राम, देवकुमार राम, संजय कुमार, निर्मल कुमार, रामगृही पाल, नंदू सिंह, सुनील कुमार, जितेन्द्र प्रताप देव, ग्रामीण नंद कुमार सिंह, लालेश्वर सिंह, संतोष यादव, फुदेना देवी, मेनका देवी सहित विद्यालय के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

वारंटी गिरफ्तार, भेजा जेल

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत बनसानी टोला ललकीदामर निवासी वारंटी विंध्याचल उरांव, पिता स्वर्गीय मेघन उरांव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसके गांव से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आर्म्स एक्ट का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

धुरकी। थाना क्षेत्र के करवा पहाड़ निवासी रियाज अंसारी 45 वर्ष पिता सरफुद्दीन अंसारी को पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में गढ़वा जेल भेज दिया। थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि उक्त व्यक्ति पिछले 20 वर्षों से फरार था। वह पुलिस के डर से भाग कर जीवन व्यतीत कर रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर श्री बंशीधर नगर क्षेत्र से उक्त आरोपी को गिरफ्तार किया है। उस पर वर्ष 2007 में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था, तब से वह अभी तक फरार चल रहा था।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू
(व्यवहार न्यायालय परिसर पलामू)

राष्ट्रीय लोक अदालत
दिनांक 10 मई, 2025, (शनिवार) समय: 11:00 बजे पूर्वाह्न से कार्य समाप्ति तक
सर्वसाधारण को सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नालसा के निर्देशानुसार एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पलामू के द्वारा दिनांक– 10 वीं, मई, 2025 को व्यवहार न्यायालय परिसर, पलामू, डालटनगंज में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौता योग्य वाद जो किसी न्यायालय में लंबित हैं का निपटारा किया जा सकता है:–

बैंक संबंधी मामले, धारा 138 परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 वसूली संबंधित मामले, सुलहनीय आपराधिक मामले, मोटर यान दुर्घटना से संबंधी दावे, कुटुंब न्यायालय से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित मामले, जमीन अधिग्रहण से संबंधित मुकदमें, बिजली एंव जल से संबंधी मामले, दीवानी मुकदमें। विचाराधीन तथा मुकदमें के पूर्व के मामले ।

लोक अदालत विवादों का त्वरित निपटारा तथा अंतिम निपटान, सर्वमान्य समाधान तथा अदालत में अदा की गई फीस के लौटाये जाने को सुनिश्चित करता है।

अगर आप का कोई मामला पलामू जिला के किसी न्यायालय या कार्यालय में विचाराधीन है और अगर आप उस मामले का निपटारा कराना चाहते हैं तो 10 वीं, मई, 2025 से पूर्व स्वयं या अपने वकील के जरिए व्यवहार न्यायालय, पलामू में आवेदन दाखिल करें। इस हेतु समझौता पूर्व बैठक सभी बैंक एवं सभी संबंधित न्यायालयों में दिनांक– 10.03.2025 .से 09.05.2025 तक कार्यरत रहेंगे।

(रीष्मा रमेशन)	(शशि रंजन)	(दिवाकर पाण्डेय)
पुलिस अधीक्षक	उपायुक्त	प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
–सह– सदस्य	–सह– उपाध्यक्ष	–सह– अध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू	जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू	जिला विधिक सेवा प्राधिकार ,पलामू

इस संबंध में किसी प्रकार की विस्तृत जानकारी के लिए आप किसी भी कार्य दिवस पर 11:00 बजे पूर्वाह्न से 04:30 बजे सायं तक पलामू, सिविल कोर्ट में अवस्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू के सचिव के दूरभाष सं0: 06562–222767, मोबाइल सं0 8757269596 या Emal.Id-dlsapalamu123@gmail.com से सम्पर्क कर सकते हैं।

निवेदक
सचिव,
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू

PR 351464 Palamu (25-26)_D

हनुमान मंदिर का 7वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना

श्रद्धा, भक्ति व आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। प्रखंड मुख्यालय स्थित जनआस्था का केंद्र हनुमान मंदिर का सातवां स्थापना दिवस बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगना शुरू हो गया था। हर कोई भगवान बजरंगबली के दर्शन कर अपने जीवन में सुख-शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना कर रहा था। पूजन समारोह की शुरूआत पंडित राकेश कुमार पाठक ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच की। उन्होंने श्रद्धाभाव से हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर उन्हें भोग

अर्पित किया। पूरे परिसर में जय श्री राम और बजरंगबली की जय के जयघोष गूंजता रहा। इससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय बन गया। मंदिर कमेटी के नेतृत्व में भव्य महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन दिनभर चलता रहा। स्थानीय ग्रामीणों से लेकर दूर-दराज से आए श्रद्धालु इसमें सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद ने कहा कि यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था और एकता का प्रतीक है। श्रद्धालुओं का अपार स्नेह और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। हम भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को और भव्यता के साथ करते रहेंगे। मौके पर अशोक प्रसाद, बंधु राम, रवि दीपक प्रसाद, सुधीर प्रसाद, महेंद्र साह सहित मंदिर कमेटी के अन्य सदस्य एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक काफी संख्या में उपस्थित थे।

जिला ग्रामीण विकास शाखा की संचालित योजनाओं की समीक्षा

लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करें : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला ग्रामीण विकास शाखा व 15वें वित्त द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारने को लेकर समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अबुआ आवास, मिट्टी मोरम रोड, पोटो हो खेल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, मानव दिवस, बिरसा हरित ग्राम योजना, जॉब कार्ड वेरीफिकेशन, एरिया ऑफिसर एप, रिजेक्टेड ट्रांजैक्शन, एनआरएम एक्सपेंडिचर, सोशल ऑडिट, जिओ टैगिंग, मनरेगा की समीक्षा की गई। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व बाबा साहब भीमराव आंबेडकर आवास योजना के तहत पूर्ण व अपूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित प्रखंडों के बीडीओ को शेष बचे कार्यों को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस क्रम में सभी बीडीओ को लंबित योजनाओं में अगले एक हफ्ते के अंदर प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिरसा हरित ग्राम योजना, तालाब, कुआं निर्माण से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा कर निर्देश दिया। योजनाओं के लंबित जिओ टैगिंग को शीघ्र पूरा करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में वैसे सभी योजनाएं जो वर्षों से पेंडिंग हैं, उन्हें शीघ्र ही पूर्ण कराने, मानव दिवस सृजन में प्रगति लाने और संबंधित पंचायत अंतर्गत, लंबित पोटो हो खेल मैदान सहित अन्य योजना को निर्धारित समय तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। 15वें वित्त आयोग की राशि से संचालित योजनाओं को आगामी 10 मई तक सभी अपूर्ण योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी बीडीओ, संबंधित पदाधिकारी, बीपीओ उपस्थित थे।

सचिव ने बैंक खाता आधार से लिंक कराने का दिया निर्देश

सभी प्रखंडों में दो से पांच मई तक लगेगा विशेष शिविर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की सचिव ने जिन लाभुकों का खाता आधारित भुगतान हुआ है, उनका आधार लिंक कराने का निर्देश दिया है। कहा कि पूर्व में लातेहार जिला में कुल 43,275 लाभुकों का बैंक खाता आधार से लिंक नहीं रहने की सूचना उपलब्ध करायी गयी थी, परंतु उक्त डाटा को पीएफएम पोर्टल पर सत्यापन करने पर 8,508 ऐसे लाभुक पाये गये है, जिनका आज की तिथि तक बैंक खाता आधार से लिंक नहीं है। लाभुकों का बैंक खाता से आधार लिंक कार्रवाई प्रखड व शहरी क्षेत्र अंतर्गत विशेष अभियान चलाकर कैंप मोड में (प्रखड स्तर पर शिविर) 2, 3, व 5 मई को शिविर आयोजित किया जायेगा। लातेहार सदर में लाभुकों की संख्या 272 है, जिनका बैंक खाता का आधार लिंक कराया जाना है। बालूमाथ प्रखंड में लाभुकों की संख्या 1196 है, जिनका बैंक खाता का आधार लिंक कराया जाना है। बरियातू प्रखंड में लाभुकों की संख्या 489 है, जिनका बैंक खाता का आधार से लिंक कराया जाना है। बरवाडीह प्रखंड में लाभुकों की संख्या 1010 है, जिनका बैंक खाता का आधार लिंक कराया जाना है। चंदवा प्रखंड में लाभुकों की संख्या 918 है, जिनका बैंक खाता का आधार लिंक कराया जाना है। गारू प्रखंड में लाभुकों की संख्या 381 है, जिनका बैंक खाता का आधार लिंक कराया जाना है। इसी तरह हेरहंज प्रखंड में लाभुकों की संख्या 467 है, जिनका बैंक खाता का आधार से लिंक कराया जाना है। लातेहार प्रखंड में लाभुकों की संख्या 1177 है, जिनका बैंक खाता का आधार लिंक कराया जाना है। महुआडांड़ प्रखंड लाभुकों की संख्या 1140 है, जिनका बैंक खाता से आधार लिंक कराया जाना है। मनिका प्रखंड में लाभुकों की संख्या 1267 है, जिनका बैंक खाता का आधार से लिंक कराया जाना है। सरयू प्रखंड में लाभुकों की संख्या 191 है, जिनका बैंक खाता का आधार से लिंक कराया जाना है। सचिव ने सभी बीडीओ, सीओ, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक व जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को आपस में समन्वय स्थापित कर लाभुकों का बैंक खाता से आधार लिंक की कार्रवाई शत-प्रतिशत कराने का निर्देश दिया है।

प्रकृति के साथ संस्कृति की भी रक्षा करने की सीख देता है सरहुल : मुखिया

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत माल्हन पंचायत के माल्हन, गनियारी, लोहरसी,देवनदीया, मरमर गांव में बुधवार को परंपरागत सरहुल का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सरहुल में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक वेश भूषा में शामिल हुए। वहीं गनियारी गांव में आयोजित सरहुल जुलूस का उद्घाटन मुखिया जतरु कुमार मुंडा द्वारा फीता काटकर कर किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज पूरे क्षेत्र में सरहुल का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सरहुल को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। सरहुल हमें अपने प्रकृति की रक्षा करने के साथ अपनी संस्कृति की भी रक्षा करने की सीख देता है। उन्होंने सभी लोगों को सरहुल पर्व की बधाई दी। बता दें कि परंपरागत सरहुल के एक दिन पूर्व गांव में सभी लोग उपवास रखते हैं। पाहन द्वारा पेड़ पौधों की पूजा-अर्चना करने के बाद मुर्गे की बलि दी जाती है। साथ ही उस दिन किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रकृति के साथ किसी प्रकार का छेड़छाड़ नहीं किया जाता है। यहां तक की कुआं का पानी भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है। लोगों का ऐसा मानना है कि ऐसा करने से गांव में सुख शांति बनी रहती है।

घर का ताला तोड़कर आभूषण समेत 50 हजार नकद की चोरी

- बेटी की शादी में पुश्तैनी गांव गया था परिवार

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत वन विभाग चेक नाका के समीप स्थित लाल बिहारी उरांव के घर मंगलवार की रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर लगभग 50 हजार रुपए नकद व लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात की चोरी कर कर ली। बुधवार की सुबह घटना की जानकारी आसपास के लोगों को तब हुई जब उन्होंने घर का ग्रील खुला देखा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना लाल बिहारी उरांव को दी। सूचना के बाद वह घर पहुंचे। वहां देखा की अलमीरा व बक्सा खुला है। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने बताया कि घर में रखा 50 हजार नकद व सोने का चेन,सोने के कान का टॉप समेत अन्य समान गायब है। भुक्तभोगी द्वारा मामले की जानकारी चंदवा पुलिस को दिए जाने के बाद चंदवा पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की। मामले को लेकर भुक्तभोगी ने चंदवा थाना में लिखित आवेदन देकर चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि भुक्तभोगी भू अर्जन कार्यालय रामगढ़ में कानूनगो के पद पर कार्यरत हैं। वह अपनी बेटी कि शादी में सपरिवार पुस्तैनी गांव परसही लातेहार गए हुए थे। इसका फायदा उठाकर चोरों ने उक्त घटना को अंजाम दिया है।

लेप्रोसी रोगियों के परिजनों को स्वास्थ्य जांच के बाद दी गई दवा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला लेप्रोसी कार्यालय के निर्देश पर लेप्रोसी के रोगियों का खोज प्रारंभिक अवस्था में करने के उद्देश्यों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोचरा में संभावित मरीजों की जांच जिला व प्रखंड स्तरीय चिकित्सक दल द्वारा किया गया। साथ ही लेप्रोसी रोगियों के परिजनों को बचाव के लिये दवा भी खिलाया गया है। इस कैंप में सभी पूर्व के लेप्रोसी रोगियों के बीच सेल्फ केयर के बारे में विशेष रूप से बताया गया और स्वास्थ्य जांच किया गया। सिविल सर्जन व जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी द्वारा जिला अंतर्गत में पाये गये सभी संभावितों की जांच प्रखंड स्तर पर व आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर पर करने का निर्देश सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारीयों को भी दी गई है। जिसके आलोक में सभी स्तर पर जांच कार्य शुरू किया गया है। मौके पर डॉ. राजेश कुमार, डॉ. रूबी कुमारी, लेप्रोसी वर्कर आदर्श कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी मनमीत एक्का, एमपीडब्ल्यू यहेजकेल तिग्गा, एएनएम रेवती रमण, एएनएम आशा रानी कंडुलना व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

सीओ ने नो एंट्री उल्लंघन पर हाइवा जब्त की

नवीन मेल संवाददाता

पत्थलगड़ा (चतरा)। सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर पत्थलगड़ा अंचल क्षेत्र अंतर्गत घनी आबादी क्षेत्र में हाइवा परिचालन में रोक लगा दी गई थी। पत्थलगड़ा अंचल अंतर्गत बुधवार को नवाडीह डमौल के ग्रामीणों द्वारा मुख्य सड़क नावाडीह डमौल से इंदिरा मोड की ओर जाने वाली सड़क पर हाइवा तेज रफ्तार से चलने को लेकर ग्रामीणों ने लिखित आवेदन पत्थलगड़ा अंचल अधिकारी उदल राम को दी। पत्थलगड़ा थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि सूचना के आलोक में पत्थलगड़ा थाना के गश्ती टीम गठित कर एक हाइवा जब्त कर थाना में लाकर सुरक्षित रखा गया है। बता दें कि हाइवा रूट लाइन टंडवा से चतरा होते हुए कटकमसांडी कोल ब्लॉक साइडिंग है। इस दौरान सीओ उदल राम ने कहा कि हाइवा वाहनों द्वारा कोयला डम्प करने के बाद शॉर्ट कट रास्ता अपनाते हुए पत्थलगड़ा अंचल घनी आबादी वाले क्षेत्र में तेज गति से परिचालन किया जाता है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। उन्होंने गंभीरता से देखते हुए जब्त हाइवा पर पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्राम स्वराज संस्थान ने बाल विवाह रोकने को लेकर चलाया जागरुकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

सिमरिया (चतरा)। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यरत संगठन लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान ने बाल विवाहों की रोकथाम के लिए धर्मगुरुओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर जिला समन्वयक विकास कुमार गुप्ता ने कहा कि धर्मगुरुओं से मिला सहयोग व समर्थन अभिभूत करने वाला है। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोगी संगठन लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान की ओर से अक्षय तृतीया और शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए जागरूकता अभियान में सफलता मिली है। सभी धर्मगुरुओं ने इसकी सराहना करते हुए समर्थन का हाथ बढ़ाया है। संगठन ने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित, मौलवी या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता। हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया। इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं इस अक्षय तृतीया पर जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने पाएगा। गौरतलब है कि जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से 'चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' कैम्पेन चला रहा है।

तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर छह को

चंदवा। विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी व भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति रांची के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन रेड क्रॉस भवन धर्मपुर में 6,7, 8 मई को आयोजित किया गया है। शिविर में कटे हुए हाथ, पैर के स्थान पर कृत्रिम हाथ, पैर निःशुल्क लगाया जाएगा। यह जानकारी बीडीओ चंदन प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त तिथि को कटे हुए हाथ, पैर के मरीज शिविर में अवश्य पहुंचे। शिविर में जांच के बाद मरीज अपने साथ आधार कार्ड का फोटो कॉपी व दो पासपोर्ट साइज फोटो भी अवश्य लाएं। उन्होंने प्रखंड के जनप्रतिनिधियों व विभाग के अधिकारियों समेत आम नागरिकों से शिविर का लाभ उठाने को लेकर प्रचार प्रसार करने की अपील की है।

फोरलेन सड़क निर्माण में बंदोबस्त भूमि के रैयतों को मुआवजा दिलाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। एनएच-75 फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में अधिग्रहित बंदोबस्त भूमि के रैयतों को मुआवजा भुगतान की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीणों ने उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंप कर मुआवजा भुगतान कराने की मांग की है। ज्ञापन में ग्राम होटवाग, हुडंजीकला, पंचायत परसही के ग्रामीणों ने कहा कि उनकी बंदोबस्त भूमि अधिग्रहण की जा रही है, लेकिन अब तक मुआवजा की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। समिति ने राजस्व, निबंधन व भूमि सुधार विभाग झारखंड के पूर्व के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि बंदोबस्त भूमि को अन्य रैयत भूमि के समकक्ष मानते हुए मुआवजा देना अनिवार्य है। पूर्व में पूर्वी सिंहभूम खूंटी, गढ़वा मेराल आदि अंचलों में इस प्रकार की भूमि पर मुआवजा दिया जा चुका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि वह भी उन निर्देशों के आलोक में बंदोबस्त भूमि के रैयतों को समुचित मुआवजा दिलाएं। समिति ने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में संघर्ष समिति के अध्यक्ष गूंजर उरांव, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य लक्ष्मण यादव, प्रमोद यादव, हीरा यादव एवं रंजीत यादव सहित सैकड़ों रैयत उपस्थित थे।

श्रद्धा, भक्ति व विश्वास के साथ मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। अमवाटीकर स्थित हनुमान मंदिर में ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष प्रेमचंद पांडेय ने की। भगवान परशुराम के चित्र पर पूजा-अर्चना राजीव रंजन पांडेय, पंकज तिवारी ने की। जिला अध्यक्ष प्रेमचंद पांडेय ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोगों की उपस्थिति थे। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष सचिदानंद पांडेय, नरेश पाठक, ललित पांडेय, राकेश दुबे, संजय तिवारी, अवधेश पांडेय, मनीष पाठक, संजय पांडेय, अनुज तिवारी, अशोक तिवारी, पारस तिवारी, केके दुबे, पंकज पांडेय, विनय पांडेय, संजय दुबे, संतु पांडेय, अजय पांडेय सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मौके पर जिला अध्यक्ष प्रेमचंद पांडेय ने भगवान परशुराम के जीवन दर्शन, शौर्य और मयार्दा पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके आर्दशों को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण कर आयोजन का समापन किया गया।

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम

सैरात बन्दोबस्ती सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम मेदिनीनगर क्षेत्रान्तर्गत निम्नांकित सैरातों की बन्दोवस्ती वर्श 2025–26 (01 मई 2025 से 31 मार्च 2026 तक) के लिए खुली डाक बोली द्वारा दिनांक 07.05.2025 को 12.30 बजे अपराह्न को होगी। जिस सैरात की डाक उक्त तिथि को नहीं होगी वह डाक दिनांक 08.05.2025 को 12.30 बजे अपराह्न को होगी। डाक से संबंधित सभी कागजात दिनांक 06.05.2025 को कार्यालय में राजस्व शाखा में जमा करना सुनिश्चित करेंगे। सैरातो की डाक मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय सभा कक्ष में की जाएगी।

क्र0 सं0	सैरातों का नाम	वर्ष 2025–26 के लिए सरकारी डाक राशि	जमानत की राशि (सरकारी डाक राशि का 25%)	रूट
A. सब्जी बाजार सैरात				
1.	सब्जी बाजार, बैरिया।	1,84,000/-	46,000/-	बैरिया सब्जी बाजार।
B. वाहन पार्किंग सैरात				
2.	गांधी मैदान पार्किंग।	2,75,000/-	68,750/-	गांधी उद्यान गेट के सामने से नगर निगम के ई0 रिक्शा स्टेण्ड तक।
3.	सरकारी बस स्टेण्ड पार्किंग।	3,00,000/-	75,000/-	सरकारी बस स्टेण्ड पार्किंग
4	कचहरी कैम्पस पार्किंग।	422000/-	1,06,000/-	बन्दोबस्त कार्यालय से होकर जेलहाता गेट से एस0बी0आई0 के सामने तक।
	कुल राशि	11,81,000/-	2,95,750	

नगर आयुक्त –सह– प्रशासक
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 351486 District (25-26)_D

कार्यालय :- असैनिक शल्य चिकित्सक - सह - मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू

Email Id – civilsurgeonpalamu@gmail.com

आवश्यक सूचना

जिला स्वास्थ्य समिति, पलामू अन्तर्गत विज्ञापन संख्या – 01 / 2025 से संबंधित आवश्यक सूचना ।

अभ्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि प्रवेश पत्र प्राप्त करने की तिथि 30.04.2025 से विस्तार करते हुए दिनांक – 04.05.2025 तक किया जाता है। वैसे अभ्यार्थी जिन्होंने अपना प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं किये हैं वे दिनांक – 04.05.2025 तक सिविल सर्जन कार्यालय, पलामू से प्राप्त कर सकते हैं।

आदेशानुसार,
सिविल सर्जन, पलामू

PR 351480 District (25-26)_D

कार्यालय-जिला आयुष समिति,चतरा

जिला संयुक्त औषधालय भवन (सदर अस्पताल परिसर)
चतरा (झारखण्ड)825401,Email-chatraayush@gmail.com

पत्रांक 155 / आयुष — चतरा, दिनांक 30.04.2025

–कार्यालय आदेश–

जिला आयुष समिति, चतरा के अधीनस्थ जिलान्तर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) / हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर(आयुष) / राजकीय आर्युदिक औषधालय / जिला संयुक्त औषधालय हेतु योग प्रशिक्षक पारिश्रमिक के आधार पर रखा जाना है। योग प्रशिक्षक के चयन हेतु दिनांक–15.05.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से Walk–In-Interview सिविल सर्जन कार्यालय, चतरा के सभागार में निर्धारित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थियों से निम्नलिखित शर्तो के अधीन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र	पद का नाम	पद की संख्या	आवश्यक आर्हता	पारिश्रमिक
01	योग प्रशिक्षक (पुरुष / महिला)	पुरूष – 31 महिला – 21	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से योग के विषय पर डिग्री / डिप्लोमा / सर्टिफिकेट बोर्ड का होना या योगा सर्टिफिकेशन बोर्ड / प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से सर्टिफाईड योग प्रशिक्षक	योग प्रशिक्षक को प्रत्येक सत्र के लिए रू0 250 / –प्रति योग सत्र देय होगा।

योग प्रशिक्षक के Walk–In-Interview की प्रखण्डवार सूची

दिनांक–.15.05.2025 समय–11:00 AM से 1:00 PM प्रखण्ड– सदर चतरा / कान्हाचट्टी / ईटखोरी / गिद्धौर / हन्टरगंज / प्रतापपुर एवं लावालौंग।	दिनांक–15.05.2025 समय–1:30 PM से 4:00 PM प्रखण्ड– कुन्दा / सिमरीया / टण्डवा एवं मयूरहण्ड।

सामान्य जानकारी एवं निर्देश –

1. भर्ती के किसी भी चरण में यदि यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी पात्रता मापदण्ड / तथ्यों को पूरा नहीं करता है, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।
2. साक्षात्कार हेतु विहित प्रपत्र में वांछित सभी तरह के प्रमाण पत्रों को स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति एवं पासपोर्ट साईज फोटो (02 प्रति) के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे साथ ही साथ प्रमाण पत्रों की मूल प्रति अभ्यर्थी अपने साथ रखेंगे।
3. साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए उम्मीदवार को कोई यात्रा भता देय नहीं होगा।
4. उम्मीदवार को सूचित किया जाता है कि नौकरी के नियमितीकरण के संबंध में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा अगर भविष्य में नियमितीकरण का दावा करते है तो वैसी स्थिति में उनकी उम्मीदवारी समाप्त कर दी जायेगी।
5. कार्य दिवस / योग सत्र आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा दिये गये मार्ग–दर्शिका के अनुरूप होगी।
6. प्रत्येक योग सत्र दो घंटे का होगा।
7. प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (**विज्ञापन के साथ संलग्न**) में योग / अन्य wellness Activities का कम से कम 10 सत्र निर्धारित तिथि एवं समय पर किया जायेगा।
8. स्थानीय प्रमाणित (Certified) योग प्रशिक्षक एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक को सर्वप्रथम प्राथमिकता दी जायेगी। जिस हेतु स्थानीय प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। चतरा जिला के स्थानीय अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी।
9. यदि एक से अधिक अभ्यार्थी चयनित हो तो वैसी स्थिति में योग कोर्स के प्राप्तांक दूसरा निर्णायक कारक होगा।
10. आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष / हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर आयुष के 5–7 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले योग प्रशिक्षक को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।
11. योग / अन्य Wellness Activities के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर में निर्धारित जगह चिन्हित की जायेगी। यदि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जगह उपलब्ध नही होगी वैसी स्थिति में निकटतम स्कुल, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केन्द्र या अन्य सरकारी सामुदायिक भवन में योग / अन्य Wellness Activities के लिए जगह निर्धारित किया जा सकता है।
12. इस विज्ञापन में टंकण अशुद्धि / संशोधन तथा Walk–In-Interview तिथि में आवश्यकतानुसार परिर्वतन करने का अधिकार जिला चयन समिति के पास सुरक्षित रहेगा।
13. अधिक जानकारी के लिए WWW.chatra.nic.in पर visit करें।

PR 351468 Health Med Edu and Family Welfare(25-26).D

जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी, चतरा — सिविल सर्जन, चतरा

बाल संसद के बच्चों के साथ डीडीसी ने किया एक बाल सभा का आयोजन, बोले डीडीसी

बाल संसद विद्यालयों में छात्रों के समग्र विकास के लक्ष्य की दिशा में कार्य करेगा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। आकांक्षी प्रखंड किस्को के बैठट पंचायत स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत (आईएएस) द्वारा निरीक्षण दौरा किया गया। इस मौके पर विद्यालय में बाल संसद के बच्चों के साथ एक बाल सभा का आयोजन किया गया। बाल सभा के दौरान उप विकास आयुक्त और बाल संसद के सदस्यों द्वारा बाल संसद अभियान की पुस्तिका का औपचारिक लोकार्पण किया गया। इस पुस्तिका में 12 महीनों का गतिविधि विवरण मौजूद है, जिसे जिले के सभी विद्यालयों में शिक्षकों, पंचायत मुखिया एवं संबंधित विभागों के सहयोग से क्रियान्वित किया जाएगा।

इस अभियान को सफलतापूर्वक लागू कराने में गांधी फैलो प्रशंसा और सुमंत पंचायत प्रतिनिधियों को सहयोग प्रदान करेंगे। उप विकास आयुक्त ने कहा कि, बाल संसद विद्यालयों एवं समुदायों में स्वस्थ जीवनशैली, साफ-सुथरा वातावरण और नैतिक नेतृत्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाल संसद विद्यालयों में छात्रों के समग्र विकास के लक्ष्य की दिशा में कार्य करेगा। बाल संसद शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं समावेशन के क्षेत्रों में सक्रिय रहेगा। छात्र अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार इनमें से किसी भी गतिविधि को स्वेच्छा से चुन सकेंगे। जिला प्रशासन ने आदिवासी समुदाय की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस पहल के ढांचे को तैयार किया है, जिसका उद्देश्य जनसांख्यिकीय विविधता को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।

बाल संसद अभियान की कल्पना जिला प्रशासन द्वारा की गई है, जो विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता और नैतिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करेगी। उप विकास आयुक्त ने बाल संसद अभियान के मुख्य उद्देश्य को लेकर साझा किया कि मासिक थीम आधारित गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक समस्याओं का समाधान खोजने हेतु प्रेरित किया जाएगा। छात्रों के साथ वार्तालाप के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा सभी बाल संसद सदस्यों से उनके उत्तरदायित्व के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की, महोदय द्वारा अच्छे अभ्यासों की सराहना की गई एवं छात्रों से स्कूल की समस्याएं सुनकर उनके निवारण का आश्वासन भी दिया। इस सभा में पंचायत मुखिया राजकिशन उरांव, प्रधानाध्यापक लाल अरविंद कुमार सहदेव, शिक्षक, ग्रामीण एवं पिरामल टीम उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

आईआईटी-जेईई मेंस में उत्तीर्ण हुए छात्रों को डीसी, डीडीसी व एसपी ने किया सम्मानित

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ0 वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने बुधवार को जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से संचालित होमी जहांगीर भाभा कोचिंग संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने आईआईटी-जेईई मेंस में उत्तीर्ण हुए संस्थान के दो छात्रों; निशांत कुमार और शिशुपाल उरांव को सम्मानित किया। इस मौके पर उपायुक्त ने उक्त संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से संस्थान में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क तैयारी करायी जाती है। जिला प्रशासन के इस पहल का लाभ सभी उठाएं और उक्त परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराएं। यह पहल इसलिए कि गयी है ताकि छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग व मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी के लिए मोटी राशि खर्च ना करना पड़े। आज इस संस्थान के दो छात्र परीक्षा में सफल हुए हैं। मेरी तरफ से दोनों को बधाई व शुभकामनाएं हैं कि दोनों आईआईटी/जेईई की एडवांस परीक्षा में भी सफल हों और बढ़िया इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश का मौका मिले। मौके पर पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर व अन्य उपस्थित थे। पदाधिकारियों द्वारा दोनों छात्रों को किताब देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मनित किया गया।

नगर परिषद के प्रशासक से मिले सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य कुणाल अभिषेक

लोहरदगा। जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य कुणाल अभिषेक ने नगर परिषद के प्रशासक मुक्ति कीड़ों से मुलाकात कर नगर के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए इसकी निदान की शीघ्र मांग की। कुणाल अभिषेक ने कहा कि मिशन चौक से गुदरी बाजार तक रोड की स्थिति जर्जर हो गई है जिसके कारण आए दिन एक्सीडेंट होते रहता है। इस रोड में बहुत सारे बैंक है स्कूल के बच्चे भी आते जाते रहते हैं महावीर चौक ईस्ट गोला रोड के हाई मार्क्स भी खराब है। बरवा टोली चौक में ऑटो लगाने से जाम की स्थिति बनी रहती है। शंख नदी पुल के पास हाई मार्क्स लाइट की आवश्यकता है। कुणाल अभिषेक ने पानी के समस्याओं के बारे में भी चर्चा किया। नगर परिषद के प्रशासक ने कहा कि जल्द ही सारे समस्याओं का निदान किया जाएगा।

आईसीएसई 10वीं बोर्ड में जिला टॉपर बना इलेक्ट्रिशियन का बेटा

लोहरदगा। प्रतिभा ना ही संपन्नता और ना ही साधन का मोहताज होता। लक्ष्य अगर निर्धारित हो तो मंजिल आसान हो जाती है। बुधवार को

आईसीएसई 10वी बोर्ड का रिजल्ट जारी हुआ। जिले का एकमात्र आईसीएसई विद्यालय लिवेन्स अकादमी के शत प्रतिशत बच्चे परीक्षा में सफल रहे हैं, जिनमे नगर क्षेत्र के राहतनगर निवासी इलेक्ट्रिशियन परवेज आलम और गृहणी शहनाज परवीन के पुत्र रेयान परेवज ने 97.8 फिसदी अंक लाकर जिला टॉपर बन गया है। उनकी सफलता पर सिर्फ रेयान का परिवार ही नही स्कूल प्रबंधन और जिलेवासी गौरान्वित महसूस कर रहे हैं। रेयान का कहना है कि उनका लक्ष्य डॉक्टर बनना है। वे डॉक्टर बनकर जरूरतमंदों की सेवा करना चाहता है। रेयान की बहन भी गत वर्ष आइसीएसई बोर्ड में द्वितीय जिला टॉपर बनी थी, वर्तमान में वह जीटीपीएस विद्यालय से 12वीं कर रही है।

निकाय कर्मचारी महासंघ ने नगर परिषद प्रशासक से की वार्ता, विभिन्न मांगों से कराया अवगत

लोहरदगा। झारखंड राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ, जिला शाखा-

लोहरदगा की आम बैठक महेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुराना नगरपालिका कार्यालय लोहरदगा में सम्पन्न हुई। जिसमें 13 सूत्री मांगों पर बिचार -विमर्श किया गया ।तत्पश्चात नगर पालिका के प्रशासक मुक्ति किन्डो से महासंघ का 07 सदस्यीय शिष्टमंडल वार्ता किया। जिसमें सारी मांगों पर बिन्दुवार बातचीत हुई ।नगर प्रशासक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन दिये। शिष्टमंडल में महेश कुमार सिंह, बंधू उराँव,भोला उराँव, शनिचरवा ठकरू,संतोष उराँव, नीरज उराँव तथा राजकुमार लोहरा शामिल थे। तत्पश्चात नगर परिषद श्रीश्याम डब्ल्यू एम प्रा0 लि0 लोहरदगा के कार्यालय में सहभागी के अनुपस्थित रहने पर मांग-पत्र की एक प्रति जमा किया गया ।उनकी मांगों में श्रीश्याम डब्ल्यू0 एम0 प्रा0लि0 लोहरदगा के कार्यों का संचालन करने वाले चालकों एवं सहकर्मियों का 04 महीने का वेतन का भुगतान, झाड़ू की आपूर्ति, नियोजन कार्ड, ई एस आई कार्ड, पहचान-पत्र, सर्दी एवं गर्मी की बर्दी तथा बर्दी धुलाई भत्ता,ई पी एफ का नंबर, कटौती का सूद सहित अद्यतन हिसाब, सभी कर्मियों का बीमा तथा कैशलेस चिकित्सा सुविधा,माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार समान काम का समान वेतन,समाप्त किये गये पदों को पुनर्जीवित करना,कर्मी की मृत्यु पर ,10,000 अनुदान एवं एक आश्रित को स्थायी नौकरी, बाल-बच्चों की मुफ्त पढ़ाई-लिखाई तथा स्कॉलरशिप एवं मुफ़्त आवास, छुट्टी के दिन काम लेने पर दो गुणा वेतन, लॉकडाउन में किये गये कार्य का विशेष भत्ता,नियमित कर्मियों का सेवा-पुश्त का अद्यतनीकरण, बकाये पी आर सी का पुनरीक्षण तथा एरियर का भुगतान, जी पी एफ कटौती का सूद सहित पूरा हिसाब तथा अनुकम्पा के आधार पर एक आश्रित की परमानेन्ट बहाली, सेवानिवृत्त कर्मियों को ओल्ड पेंशन तथा दिनांक 29-05-2021को देवेन्द्र कुमार कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा किए गए झूठा मुकदमा की वापसी तथा उनके कार्य अवधि में किए गए कार्यों की न्यायिक पदाधिकारी से जांच करना मुख्य है।

संगठन सृजन कार्यक्रम से सशक्त व धारदार बनेगी कांग्रेस : डॉ राजेश

- मोदी सरकार के विरुद्ध संविधान बचाओ रैली कार्यक्रम करेगी कांग्रेस

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। स्थानीय कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला गया है। प्रेस कांफ्रेंस में आए लोहरदगा जिला नोडल इंचार्ज एवं जिला पर्यवेक्षक डॉ राजेश गुप्ता ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के उत्थान और देश के हर क्षेत्र में उनकी भूमिका के लिए कुछ संवैधानिक अधिकार दिया। जिसका लाभ आजादी के 75 सालों बाद भी इन वर्गों को मिल रहा है। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार इन्हें दिए गए संवैधानिक अधिकार से वंचित करना चाहती है। केंद्र की भाजपा सरकार भारतीय संविधान को ही बदलना चाहती है। कहा कि मोदी सरकार के विरुद्ध रांची के ध्रुवा मैदान स्थित पुराना विधानसभा मैदान में 06 मई को राज्य स्तरीय संविधान बचाओ रैली आयोजित किया गया है। कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देश के अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और वंचित वर्गों को मिले संवैधानिक अधिकारों को छिनना चाहती है। इसलिए संविधान बदलना चाहती है। लेकिन कांग्रेस पार्टी भाजपा के इन मंसूबों को सफल नहीं होने देगी। इसके लिए पार्टी 06 मई को राज्य स्तरीय संविधान रैलियां, 10 मई तक जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैलिया, 11 से 17 मई तक विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैलियां एवं 20 से 30 मई तक घर-घर संपर्क अभियान चलाएगी। कांग्रेस चाहती है कि संविधान और उसमें प्रदत अधिकारों के प्रति समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जाए। डॉ गुप्ता ने बताया कि भाजपा के शासनकाल में दलितों पर अपराध के मामले तेजी से बढ़े हैं। कहा कि पूरे देश को पता है कि ईडी मोदी सरकार की कठपुतली है। वर्तमान समय में ईडी के द्वारा जो भी कार्रवाई की जा रही है, वह राजनीतिक प्रतिशोध की करवाई है। संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी को रोकने के उद्देश्य से केंद्र की मोदी सरकार ने 12 साल पुराने नेशनल हेराल्ड मामले में चार्जशीट दाखिल किया है। नियमानुसार 365 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल किया जाना था, लेकिन 12 साल के जांच के बाद भी ईडी को कोई भी साक्ष्य हाथ नहीं लगा। गुजरात में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से बौखलाए प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर ईडी ने जल्दबाजी में चार्जशीट दाखिल किया है। यह मामला पूर्ण रूप से फर्जी है। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सूखैर भगत, कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी शकील अहमद, नेसार अहमद, सदरुल अंसारी, मोहन दुबे, संतोष महतो, कुणाल अभिषेक, विशाल डुंगडुंग, प्रकाश उरांव, प्रदीप विश्वकर्मा, तारिक अनवर समेत अन्य मौजूद थे।

नवनिर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हुआ संपन्न

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के चितरी डांडू पंचायत अन्तर्गत एकागुड़ी हनुमान नगर में नवनिर्मित हनुमान मंदिर का तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम बुधवार को सम्पन्न हो गया। धार्मिक वतावरण में श्रद्धालु भक्तों के सहयोग से सोमवार से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया था। जिस निमित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पहले दिन 101 कन्या और 100 महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई थी। तथा दूसरे दिन वेदी पूजन के पश्चात भक्तों द्वारा हनुमानजी को नगर भ्रमण कराया गया था। जिसके उपरांत आचार्य अरविंद पाठक, संजीत पाठक और पंकज पाठक द्वारा के बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से हनुमानजी का प्राणप्रतिष्ठा कराया गया। वही प्राण प्रतिष्ठा होने के उपरांत हवन आरती के पश्चात भव्य भंडरा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों भक्त शामिल हो भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर अध्यक्ष श्यामकिशोर साहु, सचिव जयचंद्र ठाकुर, सतीश मिश्र के अलावे अखिलेश प्रसाद, ईश्वर साहु, शिवशंकर साहु, निरातम सिंह, नारायण ठाकुर, सरोज उराँव, राजू केशरी, ठकरू उराँव, राजू उराँव, गौतम प्रसाद, विजय साहू, सुरेश साहू, शुभम कुमार, राजा साहू, सोनू साहू, रोहित यादव समेत अन्य सैकडों महिला पुरुष बच्चे बच्चियां और नवजवान भक्तजन शामिल थे।

छोटानागपुर बाक्साईट एण्ड कोल वर्कर्स यूनियन का वार्षिक महाधिवेशन कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पूर्व राज्यसभा सांसद सह छोटानागपुर बाक्साईट एण्ड कोल वर्कर्स यूनियन के महासचिव धीरज प्रसाद साहू के सौजन्य से आगामी 08 मई को लोहरदगा जिला के किस्को मिडिल स्कूल मैदान में छोटानागपुर बाक्साईट एण्ड कोल वर्कर्स यूनियन का वार्षिक महाधिवेशन कार्यक्रम आयोजित होने वाला है। इसकी तमाम तैयारियां जोरों से चल रहा है। प्रोग्राम में कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय और राज्य स्तर के कई बड़े चेहरे शामिल होंगे। साथ ही कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने हेतु झारखंड के आधे दर्जन से अधिक जाने-माने नागपुरी कलाकारों की टीम अपना प्रस्तुति देंगे। उक्त प्रोग्राम की तमाम तैयारियों का किस्को प्रखंड के बीस सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी, कुडू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी, यूनियन के एकरामुल अंसारी, रौनक इकबाल, कमरूल इस्लाम, हलीम अंसारी, अफरोज आलम समेत कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने प्रोग्राम स्थल का मुआयना किया और कहा कि छोटानागपुर बाक्साईट एण्ड कोल वर्कर्स यूनियन का वार्षिक महाधिवेशन सालों साल तक एक नया इतिहास रचने का कार्य कर दिखाएगी। वक्ताओं ने कहा कि यूनियन का वार्षिक अधिवेशन में मजदूर, शोषित पीड़ित और दबे-कुचले लोगों की समस्यायों को सूचीबद्ध कर निष्पादन कराए जाने की दिशा में बल प्रदान करेगा।

धीरज साहू के प्रयास से विमरला माइंस में पुन: परिचालन शुरू हुआ

लोहरदगा। विमरला बॉक्साइट माइन्स में चलने वाले ट्रकों को पिछले दो दिनों से अवैध तरीके से कुछ लोगों ने सड़क पर रोक दिया था जिसके कारण ट्रक मालिक ,चालकों,उप चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा और इस संबंध में जब पूर्व राज्यसभा सदस्य सह एसोसिएशन के संरक्षक धीरज प्रसाद साहू को अवगत कराया गया तब उन्होंने प्रशासन के बड़े आला अधिकारियों से बात करके जाम को खुलवाया और विमरला में तब पुन: कल रात्रि से परिचालन शुरू हुआ, इसके लिए एसोसिएशन धीरज प्रसाद साहू को धन्यवाद देती है और उनके प्रयास से ही यह जम हटा है।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय,लोहरदगा
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)

-: आम सूचना :-

जिलान्तर्गत **"झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना"** का क्रियान्वयन विभाग द्वारा समय–समय पर निर्गत निदेशों के आलोक में किया जा रहा है। विभागीय पत्रांक–03/सा0सु0 (JMMSY/वित्त)– 1015/2024–701 दिनांक–30.12.2024 के द्वारा संसूचित किया गया है कि **दिनांक–31.12.2024** के पश्चात् झारखण्ड **"मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना"** के आवेदनों को स्वीकार करने की प्रक्रिया को विभाग द्वारा स्थगित कर दिया गया है यदि कोई प्रज्ञा केंन्द/CSC Centre अभी भी **झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना** के आवेदन स्वीकार करता है या आवेदनों को स्वीकृत करने का दावा करता है तो तत्काल इसकी सूचना **जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग,लोहरदगा कार्यालय** को की जाए,ताकि उक्त प्रज्ञा केंन्द्र/CSC Centre के विरूद्ध नियत संगत कार्रवाई की जा सके।

ह0/
प्रभारी सहायक निदेशक,
सामाजिक सुरक्षा कोषांग,लोहरदगा।

PR.NO.351441 Lohardaga(25-26):D

कार्यालय : जिला परिषद्, चतरा
(Mail Id- db-chatra@jharkhandmail.gov.in) (E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

- सूचना -

चतरा जिला परिषद् कार्यालय परिसर में नव निर्मित आधुनिक डाकबंगला के बेसमेंट एरिया (पार्किंग क्षेत्र) में अनाधिकृत रूप से वाहनों को पार्किंग किया गया है।

इस संदर्भ में आधुनिक डाकबंगला के लीजधारक वृशा इन एल.एल.पी. द्वारा कई बार मौखिक निदेश देने के बावजूद संबंधित वाहनों के मलिकों द्वारा वाहनों को बेसमेंट एरिया (पार्किंग क्षेत्र) से नहीं हटाया गया है, जो अनुचित है।

एतद् द्वारा सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि 24 घंटे के अन्दर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों को पार्किंग क्षेत्र से हटाना सुनिश्चित किया जाय अन्यथा अनाधिकृत पार्किंग शुल्क वसूल की जायेगी। समय सीमा के बाद भी अगर वाहन पार्किंग क्षेत्र में पाया जाता है तो इसकी सूचना स्थानीय थाना एवं जिला परिवहन विभाग को संसूचित कर दी जायेगी।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद्, चतरा।

PR.NO.351461 District(25-26):D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम
ज्ञापांक................/दिनांक.................

आम सूचना

मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत शहरवासियों को सूचित किया जाता है कि जो भी व्यक्ति अपने भवन निर्माण हेतु सड़क के किनारे ईटा, बालू, गिट्टी एवं पुराने भवन को तोड़ने के क्रम में निकलने (बिल्डिंग मटेरीयल) वाले ठोस पदार्थ आदि रखकर रोड़ को अतिक्रमण करते है। जिसके कारण आमजनों को यातायात असुविधा होती है साथ ही निगम कर्मियों द्वारा सड़को एवं नालियों की सफाई कराने में कठिनाई होती है। वैसे सभी लोगों को निर्देश दिया जाता है कि 24 घण्टे के अन्दर बिल्डिंग मटेरीयल का उठाव करा ले अन्यथा उनके भवन सामग्रियों को निगम द्वारा जब्त करते हुए झारखण्ड ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत् 1000/- रू0 जुर्माना शुल्क वसूली की जाएगी। जो भी व्यक्ति अपने पुराने भवन का निर्माण एवं विद्यवंश मलवा (Construction & Demolition) कचड़ा नगर निगम के माध्यम से उठवाना चाहते है वे मेदिनीनगर नगर निगम में मो0 अल्ताफ शाह, जमादार मो0– 8825206259 से सम्पर्क कर निर्धारित शुल्क का भुगतान कर निर्माण एवं विद्यवंश कचड़ा (मलवा) का उठाव करा सकते है ताकि मेदिनीनगर नगर निगम को अतिक्रमण मुक्त स्वच्छ रखा जा सके साथ ही यातायात व्यवस्था का सृदृढ़ किया जा सके।

क्रमांक	वाहन	शुल्क प्रति ट्रिप
1	ट्रैक्टर	500.00 रूपये
2	ट्रक	1000.00 रूपये

सहायक नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम।

PR 351418 District(25-26)D

e-Procurement Cell
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Daltonganj,

e-Procurement Notice (Very Short Notice)

Tender Ref. No.-04/E.E.,BCD/Building Div. Daltonganj/2025-26-Date: 29.04.2025

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	Internal and External Electrification Work of Medninagar Jail in the District of Palamu.	87,12,900.00	06 Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	5-05-2025	
ii	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	13-05-2025 को अपराह्न 3:00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि/समय	14-05-2025 को अपराह्न 3:00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Daltonganj	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	9430783582	
vi	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9529503499	

- इस निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना/बदलाव/संशोधन का अवलोकन http://jharkhandtenders.gov.in पर किया जा सकता है।

Note : 50% of Electrical Work Experience is required for all Bidders.

Nodal Officer,
e-Procurement Cell, Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Daltonganj

PR 351427 (Building)25-26*D

कार्यालय अंचल अधिकारी, कुडू।

पत्रांक– ....
दिनांक–...........

अति अल्पकालीन नीलामी

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा कुडू के अन्तर्गत खाता सं0 422 प्लॉट सं0 444 एवं 446 रकबा क्रमशः 7.70 ए0 एवं 0.54 ए0 कुल रकबा 8.24 ए0 (हाल सर्वे में अनावाद बिहार सरकार दर्ज है) की भूमि जिसे सरकारी अभिरक्षा में ली गई भूमि में अवस्थित आम के बगीचा के अन्दर वृक्षों की कुल संख्या 273 है, जिसमें आम के फल लगे है। कार्यालय के आदेश ज्ञापांक 241/दिनांक 08.04.2025 के द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में वृक्षों में लगे आम के फलों का अनुमानित मूल्य 1,00,430.00 (एक लाख चार सौ तीस रूपये) निर्धारित की गई है। वर्ष 2025 में नीलामी हेतु कार्यालय पत्रांक 72 दिनांक 10.02.2025 के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी, विधि शाखा, लोहरदगा एवं सरकारी अधिवक्ता, लोहरदगा से मार्गदर्शन हेतु मांग की गई थी। सरकारी अधिवक्ता, लोहरदगा से प्राप्त मार्गदर्शन के आलोक में वर्ष 2025 के लिए नीलामी दिनांक .... के दोपहर 12:00 बजे से की जायेगी। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति अंचल नजारत में पूर्वाहन 11:00 बजे तक जमानत राशि के रूप में **मो0 5000.00(पाँच हजार) रूपये का किसी राष्ट्रीयकृत बैंक का डिमांड ड्राफ्ट जो अंचल अधिकारी, कुडू के पदनाम एवं भारतीय स्टेट बैंक, बड़ा तालाब, लोहरदगा** से भुगतेय होगा। किसी भी कार्य दिवस में प्रश्नगत् मौजा कुडू में अवस्थित आम के वृक्षों में लगे फलों का निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी को पूर्व सूचना देकर की जा सकती है। विस्तृत सूचना के लिए कार्यालय अवधि में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है। नीलामी संबंधित कार्य निर्धारित समय एवं शर्तो के आधार पर ही की जायेगी। नीलामी में सम्मिलित होने के लिए **आधार कार्ड/पैन कार्ड एवं अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र लाना आवश्यक होगा**। क्रय मूल्य के अलावे संबंधित सभी कर (TAX) जो झारखण्ड सरकार के नियामानुसार होगा जो क्रेता द्वारा दिया जायेगा।

अंचल अधिकारी,
कुडू (लोहरदगा)।

PR 351431 (Lohardaga) 25-26 (D)

OFFICE ZILA PARISHAD, PALAMU
Email :- zilaparishad.palamu@gmail.com

Short Notice Inviting Expression of Interest (EOI)
No- 01/ CEOZP / 2025-26

The Office Zila Parishad, Palamu invites reputed Govt./Non-Govt. Institutions /NGOs / Joint venture / Voluntary Organizations / Firm for operation, maintenance and Development of **"Koel Aajeevika Apparel Park"** Chainpur, Patan & Nilamber-Pitambarpur in Palamu District.

Sl. No.	Name of Work	EMD in form of DD	Base Price for Bid /Per year	Tender submission Date	Pre Bid Discussion	Bid Opening Date	Period of Contract.
1	Operation, maintenance and Development of "Koel Aajeevika Apparel Park" Chainpur, Patan & Nilamber-Pitambarpur in Palamu District.	2,00,000/-	10,00,000/ -	from 02.05.2025 to 07.05.2025 03:00 P.M.	08.05.2025 04:00 PM	09.05.2025 04:00 PM	3 Years*

A) Following documents are Required to be submitted:-
1. Scanned copy of firm's PAN & GST
2. Scanned copy of Registration of Firm.
3. Scanned copy of Audited Balance Sheet for last 3 financial years.
4. Audited Average Turn Over Certificate.
5. Documents Mentioned in Para- 2.5 (Preparation and Submission) mentioned in detailed advertisement.

B) The agency / NGO / Company / Firm should have enough organizational set up and work force to carry out the above services.

C) interested agency / NGO / Company / Firm should self-visit the "Koel Aajeevika Apparel Park" Chainpur, Patan & Nilamber-Pitambarpur and fully understand the importance and depth of the work assigned before applying.

Note :-
1. Cost of EMD should be in form of DD in favour of Secratary Zila Parishad, Palamu and payable at Medininagar.
2. Work will be awarded after Technical, Financial / Ors evaluation as per Para- 3.2.5 mentioned in detailed advertisement.
3. Detaild Advertisment with Terms and condition and further detail can be seen on Notice board of Zila Parishad Office and Palamu NIC website:- www.palamu.nic.in

Sd/-
DDC -CUM- CEO
Zila Parishad, Palamu

PR 351488 Palamu(25-26).D

न्यूज बॉक्स

कालेश्वर नाथ इंटर महाविद्यालय में बालिका छात्रावास का हुआ गृह प्रवेश

बिशनपुर। बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर कालेश्वर नाथ इंटर महाविद्यालय परिसर पांच पांडव बनारी बिशनपुर गुमला में ओएनजीसी सामजिक दायित्व निर्वहन अंतर्गत नवनिर्मित अहिल्या बाई होल्कर स्मृति. बालिका छात्रावास का विधि विधान के साथ पूजन करके गृह प्रवेश का कार्यक्रम किया गया। विकास भारती बिशुनपुर के संयुक्त सचिव महेंद्र भगतने बताया कि इस निर्माणाधीन छात्रावास में वर्तमान समय में 50बालिकाए रहेंगी। पूर्ण निर्माण हो जाने पर लोहरदगा गुमला लातेहार पलामू जिले के दुरस्त ग्रामीण क्षेत्र की 100 बालिकाएं यहां रह करके शिक्षा प्राप्त करेंगी। यह छात्रावास अपने आप में अनुसूचित जनजाति बालिकाओं का झारखंड एक मॉडल होगा। छात्रावास सभी सुविधा से.युक्त होगा। इस अवसर पर गैर प्रशिक्षण विभाग के प्राचार्य पंकज सिंह विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री ओम प्रकाश पांडे एवं अन्य शिक्षक गण और विद्यालय के सारे अध्यनरत बालक बालिकाएं कार्यक्रम में सम्मिलित रहे।

अवैध शराब पर प्रभावी कार्रवाई जावा महुआ एवं हंड़िया को किया गया नष्ट

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ छापामारी की। बुधवार को गुमला पुलिस अधीक्षक शंभू सिंह के आदेश पर चैनपुर थाना के सहायक निरीक्षक एसआई दिनेश कुमार के नेतृत्व में थाना जवानों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। चैनपुर पुलिस ने सड़कों के किनारे अवैध रूप से शराब बेच रहे व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान, कई लीटर जावा महुआ और हंड़िया को बरामद किया गया। सभी नशीले पदार्थों को विधिवत नष्ट किया गया, जिससे अवैध शराब के विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। इस अभियान की सफलता के पीछे पुलिसकर्मियों की तत्परता और सक्रियता थी, जिन्होंने सूचना के आधार पर यह छापामारी की। एसआई दिनेश कुमार ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस तरह की गतिविधियाँ समाज के लिए हानिकारक हैं और पुलिस इन्हें समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। चैनपुर थाना क्षेत्र में की गई यह कार्रवाई न केवल अवैध शराब के खिलाफ बल्कि स्थानीय समुदाय की जागरूकता के लिए भी महत्वपूर्ण है।

मुखिया ने विद्यालय का किया निरीक्षण, बच्चों संग बाल सभा आयोजित

गुमला। बृंदा पंचायत के राजकीयकृत मध्य विद्यालय बृंदा नायक टोली में पंचायत की मुखिया सत्यावती देवी की अगुवाई में विद्यालय निरीक्षण एवं बाल सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि अंशु भगत और सोनम शर्मा भी उपस्थित रहे। मुखिया और टीम ने विद्यालय पहुंचकर मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत बच्चों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच की और बच्चों से भोजन में मिलने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में जानकारी ली। साथ ही, विद्यालय के सभी कक्षाओं और सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए बच्चों को दी जा रही कंप्यूटर शिक्षा की भी समीक्षा की गई। प्रधानाचार्य यमुना सिंह ने विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और बच्चों को दी जा रही शिक्षण व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने कंप्यूटर कक्ष को चालू कर उसका प्रदर्शन भी किया। निरीक्षण के बाद विद्यालय में बाल सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों से पढ़ाई और स्वास्थ्य संबंधी सवाल पूछे गए। सही उत्तर देने वाले बच्चों को मुखिया द्वारा पेन और कॉपी देकर सम्मानित किया गया। अंत में सभी बच्चों के बीच टॉफी का वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक मोनू साहू, घूरन राम, संगीता जायसवाल, कंप्यूटर शिक्षक बृजेश उरांव, वार्ड सदस्य मुकेश लोहरा, समाजसेवी बसंत लोहरा और सीएससी संचालक धनंजय सिंह भी उपस्थित थे।

चैनपुर प्रखंड में पंचायती राज दिवस पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के कातिंग पंचायत भवन में पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यह सभा पंचायत की मुखिया मधुरा मिंज की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें जिप सदस्य मेरी लकड़ा और चैनपुर मुखिया शोभा देवी भी उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना का सत्यापन करना और स्थानीय विकास के मुद्दों पर चर्चा करना था। मुखिया मधुरा मिंज ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायती राज प्रणाली का सशक्तीकरण एवं ग्रामीण विकास के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना की महत्वता को उजागर करते हुए कहा कि यह योजना माताओं और बच्चों की कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत गर्भवती महिलाएं और नवजात बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित लाभ मिलते हैं। उन्होंने ग्रामसभा के सदस्यों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाने के लिए सक्रिय रहें और जरूरतमंद लोगों तक इसकी जानकारी पहुँचाएँ।

गुमला में चोरी की बड़ी वारदात, बंद घर से 8 लाख के जेवरात और 1.2 लाख नगद चोरी

गुमला। गुमला सदर थाना क्षेत्र के चेटर सरनाटोली में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित श्याम सुंदर प्रसाद अपने परिवार के साथ खोरा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए दो दिन पहले गए हुए थे। इस बीच, घर में ताला बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने घर का गेट तोड़ा और भीतर घुसकर पूरे घर में जमकर हाथ साफ किया। जब बुधवार को श्याम सुंदर प्रसाद का परिवार घर लौटा, तो उन्होंने मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ पाया। घर के अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने गोदरेज का दरवाजा तोड़कर अलमारी में रखे करीब 1 लाख 20 हजार रुपये नकद और करीब 8 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। घटना की सूचना मिलते ही गुमला सदर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भरनो प्लस टू हाई स्कूल में विशेष पेरेंट-टीचर मीटिंग, एसईएल और प्रोजेक्ट संपूर्णा के तहत अभिभावकों ने साझा किया अनुभव

भरनो (गुमला)। प्लस टू हाई स्कूल भरनो में बुधवार को हर्ष जोहर करिकुलम और प्रोजेक्ट संपूर्णा के तहत एक विशेष पेरेंट-टीचर मीटिंग (पीटीएम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मॉर्निंग असेंबली से हुई, जिसमें सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (एसईएल) को विशेष रूप से शामिल किया गया। छात्रों और शिक्षकों के बीच ऊर्जा और जुड़ाव बढ़ाने के लिए रिचुअल और अनीजाजार सॉन्ग की प्रस्तुति दी गई, जिसने आयोजन को जीवंत बना दिया। स्टाफ मीटिंग में एसईएल को स्कूल स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने और कक्षा नामांकन बढ़ाने के उपायों पर गंभीर चर्चा हुई। इसके बाद आयोजित पीटीएम में लगभग 60 अभिभावकों ने भाग लिया, जिनका स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ उत्साहपूर्वक किया गया। पीटीएम के दौरान अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर एसईएल गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों ने अभिभावकों को उनके बच्चों के मानसिक व भावनात्मक विकास में अपनी भूमिका समझने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या वरदानी टोप्पो, एसईएल टीचर रेनू कुमारी और प्रोजेक्ट संपूर्णा टीम की आरती कुमारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। आरती कुमारी और रेनू कुमारी ने अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित करते हुए एसईएल के महत्व को विस्तार से समझाया और समूहगत गतिविधियों के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान साझा किया। इस पहल को अभिभावकों ने सराहते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम ने शिक्षक, छात्र और अभिभावक के बीच सहयोग और समझ की एक नई कड़ी जोड़ते हुए एसईएल को स्कूल संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार किया।

मई दिवस : श्रमिक अधिकारों की गूंज और सामाजिक न्याय की प्रतीक परंपरा

रवि रंजन सिंह

गुमला। भारत में 1 मई को मनाया जाने वाला मई दिवस, जिसे अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस या मजदूर दिवस के रूप में भी जाना जाता है, श्रमिक आंदोलनों और समाजवादी विचारधारा की गहरी जड़ें रखने वाला दिन है। यह दिवस न केवल श्रमिकों की उपलब्धियों को सम्मान देने का अवसर है, बल्कि उनके सामाजिक-आर्थिक अधिकारों और न्याय की लड़ाई को भी उजागर करता है।

वैश्विक पृष्ठभूमि से भारतीय धरती तक : मई दिवस की शुरुआत 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में हुई, जब 8 घंटे के कार्यदिवस की मांग को लेकर श्रमिकों का आंदोलन हेमार्केट नरसंहार में बदल गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद 1889 में दूसरा इंटरनेशनल, एक समाजवादी संगठन, ने 1 मई को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में घोषित किया।

भारत में मई दिवस की शुरुआत : भारत में इस दिवस की नींव 1923 में चेन्नई (तब मद्रास) में रखी गई, जब सिंगारवेलु चेट्टियार के नेतृत्व में लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान ने पहली बार मई दिवस का औपचारिक आयोजन किया। इस अवसर पर लाल झंडा पहली बार फहराया गया और श्रमिकों के अधिकारों पर जोर दिया गया।

औपनिवेशिक काल में संघर्ष और संगठन : ब्रिटिश शासन के दौरान मई दिवस केवल श्रमिक अधिकारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह स्वतंत्रता संग्राम का भी हिस्सा बन गया। ट्रेड यूनियनों और वामपंथी संगठनों ने इस दिन को साम्राज्यवाद के विरुद्ध संघर्ष और मजदूरों को संगठित करने के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया। एआईटीयूसी जैसी संस्थाओं ने 1920 और 1930 के दशकों में इसे जनांदोलन में बदल दिया।

आज़ादी के बाद मई दिवस का स्वरूप : स्वतंत्र भारत में मई दिवस को आधिकारिक मान्यता मिली और यह विभिन्न राज्यों में सार्वजनिक अवकाश के रूप में मनाया जाने लगा। इस दिन ट्रेड यूनियनें, श्रमिक संगठन और राजनीतिक दल रैलियों, सभाओं और प्रदर्शन के माध्यम से श्रमिक कल्याण की मांगें उठाते हैं। सरकारें भी इस अवसर पर श्रम कानूनों की समीक्षा और नई योजनाओं की घोषणा करती हैं।

आधुनिक दौर में प्रासंगिकता : आज मई दिवस केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक आवाज़ है – असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, घरेलू कामगारों, निर्माण मजदूरों और प्रवासी मजदूरों के लिए न्याय की आवाज़। आईएनटीयूसी, सीआईटीयू, एआईसीसीटीयू और एआईटीयूसी जैसे संगठनों की सक्रिय भूमिका इस दिन को जीवंत बनाए रखती है।

मई दिवस आज भी श्रमिक एकजुटता, सामाजिक न्याय और समानता के संघर्ष का प्रतीक बना हुआ है। यह हमें न केवल श्रमिकों के ऐतिहासिक संघर्षों की याद दिलाता है, बल्कि वर्तमान और भविष्य में उनके अधिकारों की रक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत रहने की प्रेरणा भी देता है। मई दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि मेहनतकशों की मेहनत का सम्मान और उनकी आवाज़ को बुलंद करने का दिन है।

डीआईएसएचए की बैठक आयोजित, सांसद ने विकास योजनाओं की प्रगति पर ली समीक्षा

संबंधित विभागों को तत्काल जांच कर कार्रवाई करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिला समाहरणालय सभागार में बुधवार को जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (डीआईएसएचए) की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन लोहरदगा लोकसभा सांसद सह डीआईएसएचए अध्यक्ष सुखदेव भगत की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में विधायक प्रतिनिधि राजनील तिग्गा, जिला परिषद अध्यक्ष, मुखिया, प्रखंड प्रमुख, दिशा समिति के सदस्य तथा जिले के विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय पदाधिकारी व कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक की कार्यवाही की समीक्षा से हुई। इसके बाद जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति पर बिंदुवार चर्चा की गई। सांसद सुखदेव भगत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए हर घर तक नल से जल पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में अब तक नल जल योजना की प्रगति का विवरण मांगा और खराब हैंडपंप व मोटरों की शीघ्र मरम्मती के निर्देश दिए।

जेएसएलपीएस की समीक्षा के दौरान सांसद ने रागी और मक्के के क्षेत्र में महिला समूहों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। उन्होंने एफपीओ व एसएचजी की दीदियों से आग्रह किया कि वे ग्रामीण महिलाओं को डायन प्रथा, संपदर्श जैसी कुरीतियों और पारंपरिक प्रसव पद्धतियों के खिलाफ जागरूक करें। इसके लिए नुक्कड़ नाटक जैसे माध्यमों का उपयोग करने का सुझाव भी दिया। बैठक में डीआईएसएचए सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य, सड़क, नाली निर्माण, जनकल्याणकारी योजनाओं समेत विभिन्न जनहित के मुद्दे उठाए गए। इन पर सांसद ने संबंधित विभागों को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सांसद ने जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए स्थल पर जाकर निरीक्षण करें, ताकि योजनाएं आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। बैठक में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, पुलिस अधीक्षक शंभु कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, पीडी आईटीडीए रीना हांसदा, अपर समाहर्ता शैलेन्द्र बड़ाईक, जिला वन पदाधिकारी बेलाल अहमद, सिविल सर्जन, विभिन्न विभागों के जिला पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, जेएसएलपीएस और पंचायती राज प्रतिनिधि समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। यह बैठक जिले के समग्र विकास और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

'गुमला हाट' और स्टेशनरी दुकान का उद्घाटन सांसद सुखदेव ने दीदियों की पहल को सराहा

गुमला। उज्जना बिज्जना अभियान' के तहत जिले में ग्रामीण स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर, चन्दाली में 'गुमला हाट' एवं स्टेशनरी दुकान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, पुलिस अधीक्षक शंभु कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, परियोजना निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता शैलेन्द्र बड़ाईक सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सांसद सुखदेव भगत ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गुमला हाट जैसे प्रयास न केवल ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में सहायक हैं, बल्कि उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का मंच भी प्रदान करते हैं। उन्होंने दीदियों से उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षक पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देने की अपील की। 'गुमला हाट' की शुरुआत का मुख्य उद्देश्य यह है कि ग्रामीण और जनजातीय समुदाय द्वारा तैयार की जाने वाली पारंपरिक सामग्रियों को एक स्थायी और सामूहिक बाजार प्लेटफॉर्म मिले, जिससे इनकी बिक्री में वृद्धि हो और निर्माता सीधे लाभान्वित हों।

'स्कूल रुआर' कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड कार्यालय स्थित अनुमंडल स्तरीय पुस्तकालय में बुधवार को 'स्कूल रुआर -2025' कार्यक्रम की सफलता को लेकर प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने की।कार्यक्रम की शुरुआत बीडीओ यादव बैठा, सीओ दिनेश गुप्ता, जीप सदस्य मेरी लकड़ा, मुखिया शोभा देवी, मधुरा मिंज और सुशील दीपक मिंज द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर की गई। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और शत-प्रतिशत बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के संकल्प को सशक्त बनाना था। बीडीओ यादव बैठा ने अपने संबोधन में 'स्कूल रुआर -2025' को एक महत्वाकांक्षी पहल बताया, जिसका मुख्य उद्देश्य 5 से 18 वर्ष आयु के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्य धारा में लाना है। बैठक में जीप के सदस्य मेरी लकड़ा, मुखिया शोभा देवी, मधुरा मिंज, सुशील दीपक मिंज, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के कुणाल आनंद, बीपीओ सत्येंद्र प्रसाद और सरकारी एवं अर्ध सरकारी के प्रधानाध्यापक शामिल हुए। सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने एकजुट होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया और औपचारिक रूप से शपथ ली कि वे शिक्षा के क्षेत्र में इस महा अभियान को सफल बनाने हेतु हर संभव योगदान देंगे।

निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष जोर दिया

- आंगनवाड़ी से प्राथमिक विद्यालय में नामांकन: 5 वर्ष से ऊपर सभी बच्चों का आंगनवाड़ी से प्राथमिक विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करना।
- सामूहिक उपस्थिति: विद्यालय में नामांकित 5 से 18 वर्ष के बच्चों की नियमित उपस्थिति को दर्ज करना।
- बच्चों का नामांकन: विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का नामांकन: अप्रवासी एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का नामांकन और उनकी उपस्थिति को सुनिश्चित करना।
- कक्षा में प्रमोशन: पिछले वर्ष में कक्षा 1 से 11 तक नामांकित बच्चों का अगली कक्षा में प्रमोशन सुनिश्चित करना।
- ई विद्या वाणी पोर्टल: सभी बच्चों की उपस्थिति को ई विद्या वाणी पोर्टल पर दर्ज करना और नियमित रूप से अनुसरण करना।
- सतत उपस्थिति: नामांकित बच्चों की नियमित उपस्थिति को सुनिश्चित करना।

गुमला शहर में दिनदहाड़े डिक्की तोड़कर 1.25 लाख की चोरी, सीसीटीवी फुटेज वायरल

नवीन मेल संवाददाता

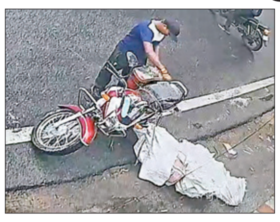

गुमला। गुमला शहर के लोहरदगा रोड स्थित डीके मार्ट के सामने दिनदहाड़े डिक्की तोड़कर 1 लाख 25 हजार रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। चोरी की यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जो मंगलवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। चैनपुर प्रखंड निवासी गोपाल लोहरा ने बताया कि उन्होंने पालकोट रोड स्थित एसबीआई बैंक से 1.25 लाख रुपये निकाले थे और प्लास्टिक में रखकर बाइक की डिक्की में डाल दिया था। इसके बाद उन्होंने दो बंडल मैदा की बोरी डिक्की के ऊपर बांध दी और कुछ खरीदारी करने डीके मार्ट पहुंचे। जैसे ही वे मार्ट के अंदर गए, पीछे से आए दो अज्ञात अपराधियों ने एक बोरी गिराकर डिक्की को तोड़ा और रुपये से भरा प्लास्टिक निकालकर बाइक से फरार हो गए। चोरी के समय शहर में बारिश हो रही थी।

पीड़ित जब बाहर निकले तो मैदा की बोरी गिरी हुई मिली और डिक्की से रुपये गायब थे। मामले की जानकारी होते ही उन्होंने डीके मार्ट का सीसीटीवी फुटेज देखा, जिसमें घटना साफ नजर आ रही है। इसके बाद उन्होंने सदर थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के इलाकों की फुटेज खंगाली जा रही है।

पत्रकार का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

बसिया (गुमला)। क्षेत्र के लब्धप्रतिष्ठित पत्रकार व रांची से प्रकाशित एक अखबार के बसिया प्रतिनिधि संजय बड़ाईक का आज मुम्बई के टाटा कैंसर हॉस्पिटल में हदय गति रूक जाने से निधन हो गया। यह घटना सुबह दस बजे की है जब उक्त हॉस्पिटल में इलाजरत संजय बड़ाईक अचानक मौत के आगोश में चले गए। उनके परिजनों के अनुसार पिछले लगभग तीन वर्षों से स्व०बड़ाईक का ईलाज टाटा कैंसर हॉस्पिटल में चल रहा था। पत्नी व कोनबीर पंचायत की मुखिया अमृता देवी के अनुसार हाल के दिनों में उनकी तबियत में काफी सुधार दर्ज किया जा रहा था परन्तु आज अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई।

पुल से गिरने से किशोर की मौत

गुमला। गुमला सदर थाना क्षेत्र के जोराग गांव के समीप बायपास रोड स्थित पुल से गिरने के कारण सोमवार की रात एक 16 वर्षीय किशोर की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान पोढ़ा टोली गांव निवासी संजय मुंडा के रूप में हुई है। घटना को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है और गुमला थाना में आवेदन देकर जांच की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय अपने गांव के तीन अन्य दोस्तों के साथ जोराग कोठी टोली गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। वहां खाना खाने के बाद सभी लड़के रात करीब 10:30 बजे पैदल लौट रहे थे। रास्ते में संजय ने बताया कि उसे ठीक नहीं लग रहा है, जिस पर सभी लड़के पुल के पिलर पर बैठ गए। संजय वहीं लेट गया। कुछ देर बाद एक तेज आवाज सुनाई दी और जब बाकी लड़कों ने देखा, तो संजय नीचे गिरा पड़ा था। घटना के बाद एक साथी शनि खड़िया पोढ़ा टोली जाकर मदद लाया और फिर मोटरसाइकिल से संजय को गुमला सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मृतक की बहन को देर रात दी गई, जिसके बाद मंगलवार सुबह परिजन अस्पताल पहुंचे और हंगामा शुरू हो गया। मृतक की बहन ने आरोप लगाया कि यह कोई साधारण हादसा नहीं है, बल्कि साजिश के तहत हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि संजय के शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट नहीं थी, उल्टी के दौरान उसके मुंह से झाग निकला था। साथ ही, उसके साथ गए लड़कों के बयान आपस में मेल नहीं खा रहे थे।

सीवाईटीबी टेस्ट पर व्यापक प्रशिक्षण आयोजित

टीबी उन्मूलन की दिशा में सशक्त पहल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। टीबी जैसे संक्रामक रोग की रोकथाम और समय पर पहचान के उद्देश्य से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चैनपुर में सीवाईटीबी टेस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण चैनपुर प्रखंड के सभी सीएचओ एवं एएनएम को दिया गया, जिससे वे प्रखंड स्तर पर टीबी के संभावित मामलों की शीघ्र जांच और रिपोर्टिंग सुनिश्चित कर सकें। प्रशिक्षण का विधिवत उद्घाटन चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धर्मनाथ ठाकुर द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की सीवाईटीबी टेस्ट टीबी की शुरुआती पहचान के लिए एक सटीक और आधुनिक जांच प्रणाली है, जिसके माध्यम से हम जिला एवं प्रखंड स्तर पर संक्रमण के संभावित स्रोतों की पहचान कर पाएंगे। यह टेस्ट असुरक्षित समूहों में टीबी नियंत्रण के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। कार्यक्रम में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अनुभवी एसटीएस और एसटीएलएस की टीम द्वारा उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों को तकनीकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर श्रीमती रीना जसिन्ता तिग्गा ने सीवाईटीबी टेस्ट की प्रक्रिया, सैंपल संग्रहण, जांच के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, संक्रमण से बचाव तथा रिपोर्टिंग प्रणाली पर विस्तृत जानकारी साझा की।

उन्होंने इस टेस्ट को लेकर समुदाय में जागरूकता फैलाने और सही तकनीक अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। श्रीमती तिग्गा ने वैक्सीन और टेस्ट किट के सुरक्षित भंडारण एवं परिवहन के मानकों पर भी विशेष चर्चा की, ताकि स्वास्थ्य केंद्रों तक संसाधनों की गुणवत्ता बनी रहे और जांच सटीक हो सके। प्रशिक्षण के दौरान यह जानकारी भी दी गई कि सीवाईटीबी टेस्ट की किट राज्य स्तर से जिला को प्राप्त हो चुकी है और सभी प्रखंडों में इसका आवंटन कर दिया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त सीएचओ और एएनएम अब अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर एएनएम स्तर पर पुनः प्रशिक्षण देंगे, ताकि मई माह के अंत तक पूरे चैनपुर प्रखंड में टीबी स्क्रीनिंग का कार्य प्रारंभ किया जा सके।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, डालटनगंज

पत्रांक .... दिनांक ....

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय द्वारा निर्गत ई–निविदा जिसका PR 350074 (Building) 25-26*D है को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, डालटनगंज।

PR.NO.351413 Building(25-26):D

झारखण्ड स्टेट फौरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि०
Jharkhand State Forest Development Corporation Ltd.
E-mail-dm.daltan_jsfdc@yahoo.co.in(A Govt. of Jharkhand undertaking) Mob.No.947159065
कार्यालय, प्रमण्डलीय प्रबंधक,लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल डालटनगंज,पलामू।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन निगम मुख्यालय रॉंची के निदेशानुसार लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल, डालटनगंज अन्तर्गत डालटनगंज स्थित चैनपुर वनागार, चैनपुर में भण्डारित विभिन्न प्रजाति के प्रकाष्ठ एवं जलावन की बिक्री आम नीलामी द्वारा की जायेगी। नीलामी में रखे गये प्रकाष्ठ प्रचयों की सूची प्रमण्डलीय कार्यालय, डालटनगंज से प्राप्त कर अवलोकन किया जा सकता हैं। वनागार में आम नीलामी की तिथि निम्नवत् हैः–

वनागार का नाम	समय	मई– 2025
1	2	3
चैनपुर वनागार चैनपुर	प्रारम्भ 11:00 बजे पूर्वाह्न से 1:00बजे अपराह्न तक।	07-05-2025

नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों/कम्पनियों को गेट मनी के रूप में 5000.00 रू० (पॉच हजार) रूपया नगद नीलामी में भाग लेने के पूर्व गेट पर जमा करना होगा। नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों/कम्पनियों को पैन कार्ड, जी०एस०टी० एवं आधार कार्ड की छाया प्रति जमा करना होगा।

ह0/– प्रमण्डलीय प्रबन्धक
लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल, डालटनगंज।

PR.NO.351426 Forest, Environment and Climate Changes(25-26):D

कार्यालय नगर परिषद्, बिश्रामपुर (पलामू)।
Email Id – nagarpanchayatbishrampur2010@gmail.com

आम - सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद्, बिश्रामपुर क्षेत्रांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (BLC) के आवेदकों का सत्यापन एवं स्थल जाँचोपरांत प्रथम सूची कार्यालय के सूचना पट्ट पर दिनांक 28.04.2025 को प्रकाशित कर दी गई है।

उक्त सूची में वर्णित आवेदकों के जाँच प्रतिवेदन के संबंध किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो, तो कार्यालय अवधि में दिनांक 28.04.2025 से 08.05.2025 तक साक्ष्य के साथ अपना दावा/आपत्ति समर्पित कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

प्रशासक,
नगर परिषद्, बिश्रामपुर

PR 351436 District(25-26)D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

गर्व अंधा करने वाला है, यह महान आत्माओं की विशालता की दृष्टि से हमें वंचित रखता है। विनम्रता वह खुला द्वार है जिससे होकर ईश्वर की दया एवं शक्ति की दिव्य बाढ़, ग्रहणशील आत्माओं में प्रेमपूर्वक प्रवाहित होती है। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

बढ़ती मांग से वैश्विक बिजली संकट

हमारे कथित आदर्श पश्चिमी देशों स्पेन और पुर्तगाल में पूरी तरह और यूरोप के कुछ हिस्सों में जो अभूतपूर्व बिजली संकट पैदा हुआ और जिससे इन यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों की जिंदगी अचानक अंधेरे में डूब गई, उससे जनजीवन तो अस्त-व्यस्त हुआ ही, यह भी उजागर हुआ कि हमारी आधुनिक जीवनशैली स्थिर और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति पर किस कदर निर्भर है। इस पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति स्पेन और पुर्तगाल में पूरी तरह और यूरोप के कुछ हिस्सों में जो अभूतपूर्व बिजली संकट पैदा हुआ और जिससे इन यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों की जिंदगी अचानक अंधेरे में डूब गई, उससे जनजीवन तो अस्त-व्यस्त हुआ ही, यह भी उजागर हुआ कि हमारी आधुनिक जीवनशैली स्थिर और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति पर किस कदर निर्भर है। इस पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में इन देशों में वायु यातायात, रेल और मेट्रो सेवाएं तो थमी ही, ट्रैफिक सिग्नलों व स्वास्थ्य सेवा में व्यवधान से मचीअफरा-तफरी की कल्पना भी की जा सकती है। इस संकट का कारण अब तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन असामान्य मौसमी घटना को इसकी एक वजह बताया जा रहा है। मुमकिन है कि ज्यादा गर्मी की वजह से मांग बढ़ गई हो, और ग्रिड उसे झेल न सकी हो। दक्षिणी-पश्चिमी फ्रांस में लगी आग को भी इसकी संभावित वजह बताया जा रहा है, हालांकि फ्रांस ने इससे इन्कार किया है। डिजिटल युग में बिजली ग्रिड साइबर अपराधियों के लिए एक आकर्षक लक्ष्य बन सकती है। हालांकि, ऐसी किसी आशंका को फिलहाल खारिज ही किया जा रहा है। फिर भी, अगर यह साइबर हमला साबित होता है, तो यह यूरोप के ऊर्जा बुनियादी ढांचे की सुरक्षा पर सवाल उठाएगा। 2006 में भी ग्रिड में आई तकनीकी समस्या के चलते पूरे यूरोप में ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हो गई थी, लेकिन तब ऐसा केवल दो घंटे के लिए हुआ था। ऐसी घटनाएं हमें पहला सबक तो यही देती हैं कि बढ़ती मांग को देखते हुए ऊर्जा ग्रिड को मजबूत और सुरक्षित बनाने की तत्काल आवश्यकता है और दूसरा यह कि इस तरह के संकटों से निपटने के लिए बेहतर आपातकालीन योजनाओं और बैकअप सिस्टम की जरूरत है। कहा जा रहा है कि बिजली की आपूर्ति को सामान्य होने में छह से दस घंटे या उससे भी ज्यादा लग सकते हैं। जब आप ये पंक्तियां पढ़ रहे होंगे, तब तक स्थितियां सामान्य हो भी गई हों, तो भी यह एक झटका जरूर था, जो हमें बता गया कि जिंदगी कितनी नाजुक हो सकती है। यूरोप का ब्लैकआउट हमें सोचने पर मजबूर करता है कि जो बिजली हमारे रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाती है, वह एकदम से गायब हो जाए, तो हमारी कमजोरियां किस तरह से सामने आने लगती हैं और जिंदगी थमने लगती है। आज जब हम स्वच्छ ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड और भविष्य की तकनीकों की ओर बढ़ रहे हैं, तो यूरोप की स्थिति ऊर्जा विविधीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर निवेश की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। बिजली की रोशनी लौटने पर हर कोई राहत की सांस लेता ही है, लेकिन यूरोप में सोमवार को जैसी स्थितियां बनीं, वे इस रोशनी की कीमत का एहसास कराने के लिए काफी होनी चाहिए।में इन देशों में वायु यातायात, रेल और मेट्रो सेवाएं तो थमी ही, ट्रैफिक सिग्नलों व स्वास्थ्य सेवा में व्यवधान से मची अफरा-तफरी की कल्पना भी की जा सकती है।

डिजिटल युग में बिजली ग्रिड साइबर अपराधियों के लिए एक आकर्षक लक्ष्य बन सकती है।

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस : वो लोग जो शहर बनाते हैं, पर खुद शहर के बाहर रहते हैं

वह सुबह किसी अलार्म से नहीं, हथौड़े की पहली चोट से जागती है। न दिन होता है, न रात-बस एक लंबा सिलसिला होता है काम का, जो सूरज की रौशनी से पहले शुरू होता है और अंधेरे के बाद भी थमता नहीं। जो हाथ छाले सहते हैं, वही देश की नींव मजबूत करते हैं। जो पसीना ज़मीन पर गिरता है, उसी से ऊँचाई की इमारतें खड़ी होती हैं। फिर भी इन हाथों को इतिहास ने पन्नों में कम, फ़र्शों में ज्यादा जगह दी है। इन्हें गिना नहीं गया-गिराया गया, झुकाया गया। पर 1 मई वह दिन है जब मज़दूर ने अपनी कमर सीधी की और दुनिया से कहा-अब और नहीं। यह दिन सिर्फ कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसी चेतना का प्रतीक है जो सदियों से कुचली गई आवाज़ों को एकजुट करती है। यह उस ताकत की गूंज है जो मेहनतकशों के पसीने में छिपी है-वह ताकत जो नदियों को मोड़ सकती है, पहाड़ों को चीर सकती है, और सबसे ज़रूरी, समाज की सोच को बदल सकती है। मज़दूर सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, एक विचार है। वह विचार जो कहता है कि मेहनत ही सृष्टि का आधार है। कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई पद नहीं, कोई ओहदा नहीं-फिर भी ये दुनिया के सबसे असली लोग हैं। इनके पास दिखाने के लिए डिग्री नहीं, लेकिन हर ईंट की सीध इनकी काबिलियत का प्रमाण है। ये वो लोग हैं जो शहरों को बसाते हैं, लेकिन खुद अक्सर शहर के किनारों में खो जाते हैं। जिन्हें मॉल में घुसने की इजाज़त नहीं, लेकिन मॉल बनाने वाले वही होते हैं। मज़दूरी महज़ काम नहीं, यह एक अनकही कविता है-जो छाले, पसीने, और अनदेखी थकान की पंक्तियों में लिखी जाती है। यह जंग है-जंग अस्तित्व की, इज़्ज़त की, और उस पहचान की, जो हर बार 'अनस्किल्ड' कहकर कुचली जाती है। लेकिन सच तो यह है कि सबसे जरूरी 'स्किल' तो वही लोग रखते हैं जिनके बिना यह दुनिया रुकी हुई मशीन बन जाए। एक पल के लिए सोचिए-अगर एक दिन मज़दूर काम पर न जाएं, तो क्या होगा? शहर थम जाएंगे, सड़कें सूनी हो जाएंगी, और हमारी तथाकथित आधुनिकता का ढांचा चरमरा जाएगा। फिर भी, हम उनकी मेहनत को कितनी बार सलाम करते हैं?

आज का युग टेक्नोलॉजी और नवाचार का युग है। हम डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप्स, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात करते हैं, लेकिन क्या हम यह भूल जाते हैं कि इन सबका इंजन अभी भी एक इंसान की मेहनत से चलता है? वह डिलीवरी बॉय, जो आपका सामान लाने के लिए तपती दोपहर में साइकिल चलाता है, क्या उसकी मुस्कान में छिपी थकावट को हम देख पाते हैं? वह वेल्डर, जिसकी आँखों में चिंगारी सिर्फ धातु को नहीं, बल्कि भविष्य को जोड़ती है, क्या हम उसकी कला को सम्मान देते हैं? श्रम अब सिर्फ कारखानों की बात नहीं—यह हर उस व्यक्ति की कहानी है जो 'जॉब' नहीं, बल्कि 'जूनून' से ज़िंदा है, भले ही वह जूनून पेट भरने का क्यों न हो। यह उस रिक्शा चालक की कहानी है जो अपने पैरों की ताकत से परिवार का बोझ ढोता है। यह उस घरेलू कामगार की कहानी है जो अपने बच्चों के लिए सपने बुनती है, भले ही उसे खुद कभी स्कूल नसीब न हुआ हो। ये लोग हमारे समाज की रीढ़ हैं, फिर भी हम उन्हें कितनी बार सिर्फ 'मज़दूर' कहकर खारिज कर देते हैं?

मज़दूरों की लड़ाई सिर्फ वेतन या काम के घंटों की नहीं, बल्कि उस सम्मान की है जो उनकी मेहनत का हक है। वे अक्सर अपनी लड़ाई खुद लड़ते हैं—कभी आवाज़ बनकर, कभी आंसू बनकर, और कभी चुप रहकर। लेकिन जब वे एक साथ खड़े होते हैं, तो इतिहास बदलते हैं। 1886 का वह दिन, जब शिकागो में मज़दूरों ने आठ घंटे के कार्यदिवस के लिए आवाज़ उठाई, सिर्फ एक घटना नहीं थी-वह एक चिंगारी थी जिसने पूरी दुनिया में श्रमिक आंदोलनों को जन्म दिया। आज भी, जब मज़दूर सड़कों पर उतरते हैं, तो उनकी आवाज़ सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि हर उस इंसान की होती है जो अन्याय के खिलाफ खड़ा होता है। कोई लॉ, कोई सरकार, कोई नीति उनकी सामूहिक चेतना से बड़ी नहीं होती। यह मज़दूर दिवस सिर्फ कैलेंडर पर लाल निशान नहीं, यह चेतावनी है उन सभी व्यवस्थाओं को जो मानती हैं कि मेहनतकश सिर्फ आदेश मानते हैं। वे सवाल भी पूछते हैं, और जब वे पूछते हैं, तो दुनिया को जवाब देना पड़ता है।

हमें एक ऐसे समाज की ज़रूरत है जहाँ मेहनत को वर्ग नहीं, मूल्य माना जाए। जहाँ ईमानदार काम को हेय दृष्टि से नहीं देखा जाए। जहाँ कोई बच्चा जब यह कहे कि "मैं भी अपने पिता की तरह मज़दूर बनूंगा," तो लोग उसे दया नहीं, सम्मान की नज़र से देखें। यह तभी संभव होगा जब हम मज़दूरी को सिर्फ जीविका का साधन नहीं, बल्कि एक कला, एक गर्व का विषय मानेंगे। हमें यह समझना होगा कि मज़दूर सिर्फ काम नहीं करते, वे सपनों को आकार देते हैं। वे सिर्फ इमारतें नहीं बनाते, वे समाज की नींव रखते हैं। 1 मई तब एक सच्चा पर्व होगा जब हम श्रमिक दिवस की छुट्टी को मॉल में बिताने की बजाय, श्रमिकों के हक़ के लिए एक कदम उठाएंगे। जब हम उनकी कहानियों को सुनेंगे, उनकी आवाज़ को मंच देंगे।

यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि मज़दूर सिर्फ अतीत की कहानी नहीं, बल्कि भविष्य के निर्माता हैं। आज जब हम पर्यावरण, टिकाऊ विकास, और सामाजिक न्याय की बात करते हैं, तो मज़दूर उस बदलाव का केंद्र हैं। वे लोग जो खेतों में अनाज उगाते हैं, वे लोग जो कारखानों में मशीनें चलाते हैं, वे लोग जो सड़कों पर सफाई करते हैं—ये सभी हमारे ग्रह और समाज को जीवित रखने की धुरी हैं। फिर भी, हमारी नीतियां, हमारी प्राथमिकताएं, और हमारी सोच अक्सर उन्हें हाशिए पर रख देती है। हमें यह पूछना होगा-क्या हमारा विकास वाकई समावेशी है अगर उसमें मज़दूर की हिस्सेदारी सिर्फ मेहनत तक सीमित है? क्या हमारी प्रगति सच्ची है अगर उसका फल उन तक नहीं पहुंचता जो उसकी जड़ें सींचते हैं?

कोई भी क्रांति, कोई भी विकास, कोई भी निर्माण-तब तक अधूरा है जब तक उसकी नींव में मज़दूर की मुस्कान नहीं है। जब तक उनका हिस्सा सिर्फ पसीना है, न कि परिणाम। यह दिन एक कोरा नारा नहीं है, यह वह ध्वनि है जो हथौड़े की चोट से उठी थी और आज भी हमारी आत्मा को झकझोर सकती है-अगर हम सुनने को तैयार हों। यह दिन हमें न सिर्फ मज़दूरों के संघर्ष को याद करने का मौका देता है, बल्कि हमें यह सवाल करने के लिए प्रेरित करता है कि हम उनके लिए क्या कर सकते हैं। शायद यह वक्त है कि हम उनकी मेहनत को सिर्फ श्रम न मानें, बल्कि उसे एक ऐसी शक्ति के रूप में देखें जो दुनिया को बदल सकती है। शायद यह वक्त है कि हम मज़दूर दिवस को सिर्फ एक छुट्टी न बनाएं, बल्कि उसे एक संकल्प का दिन बनाएं—एक ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प, जहाँ हर मेहनतकश का सिर ऊँचा हो, और उसकी आवाज़ सुनी जाए। क्योंकि जब तक मज़दूर की मुस्कान हमारी प्रगति का हिस्सा नहीं बनेगी, तब तक हमारी कोई भी उपलब्धि पूरी नहीं होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की **बात**

प्रो. आरके जैन

युवा जीवन को सत्य मार्ग पर लगाएं

आज की आधुनिक और तीव्र गति वाली दुनिया में जब हर व्यक्ति अपनी उपलब्धियों की दौड़ में व्यस्त है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम जीवन के मूल प्रश्न पर विचार करें "क्या हम सही मार्ग पर हैं?" विशेषकर युवाओं के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उनके द्वारा चुना गया मार्ग ही भविष्य की दिशा तय करता है। वर्तमान समय में तकनीक और सुविधाओं की प्रगति ने जीवन को भौतिक दृष्टि से तो सरल बना दिया है, लेकिन मानसिक रूप से व्यक्ति अधिक विचलित और असंतुलित हो गया है। युवा वर्ग सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा और सफलता के दबावों से घिरा हुआ है। इसी कारण जीवन की सच्ची दिशा, मूल्य और उद्देश्य कहीं खोते जा रहे हैं। भारतीय धर्मशास्त्रों में 'सत्य' को सबसे बड़ा धर्म माना गया है "सत्यमेव जयते" केवल एक उद्घोष नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं: "स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः।" (अध्याय 3, श्लोक 35) अर्थात् अपने कर्तव्य को सत्य और निष्ठा से निभाना, चाहे वह कितना भी कठिन क्यों न हो, श्रेष्ठ है। यह संदेश युवाओं को यह प्रेरणा देता है कि वे दिखावे, छल या प्रतियोगिता में किसी को गिराने की प्रवृत्ति से ऊपर उठें और आत्मनिर्भर एवं धर्मनिष्ठ बनें। ऋषि याज्ञवल्क्य, गौतम बुद्ध, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद जैसे महान व्यक्तित्वों ने सत्य और आत्मचिंतन को ही जीवन की मूल दिशा बताया। विवेकानंद जी ने कहा था: "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" यह लक्ष्य केवल भौतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, समाज के लिए उपयोगी जीवन और सच्चाई पर आधारित आचरण भी है। आज का युवा जिस मानसिकता से गुजर रहा है, उसमें एक प्रमुख समस्या है, संतुलन की कमी। दूसरों को नीचा दिखाना, आलोचना करना, जलन और आत्मप्रशंसा की प्रवृत्ति हमारे मूल संस्कारों से भटकाव का सूचक है। संत तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' में लिखा: "पर उपदेश कुशल बहुतेरे, जे आचरहिं ते नर न घनेरे।" अर्थात् दूसरों को उपदेश देने वाले तो बहुत मिलते हैं, पर स्वयं उस पर आचरण करने वाले विरले ही होते हैं। हिंदी साहित्य में प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, कबीरदास, रहीम जैसे लेखकों और संतों ने सत्य, करुणा और आत्मबोध की शिक्षा दी। कबीर कहते हैं: "साँच कहो तो मारन धावे, झूठ सहै सब कोई।" अर्थात् सत्य बोलना कठिन है, पर अंततः वही टिकता है। आज के युवाओं में ऊर्जा, क्षमता और नवाचार की भावना है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी **बात**

डॉ दीपक प्रसाद
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

श्रीकृष्ण-भक्ति के दिव्य एवं अलौकिक प्रतीक हैं सूरदास

सूरदास जयंती- 2 मई, 2025

इस संसार में यदि सबसे बड़ा कोई संगीतकार है तो वो हैं श्रीकृष्ण। जिस प्रकार से तत्व, रज और तम-इन तीनों गुणों के समन्वय को प्रकृति कहा गया है, उसी प्रकार से गायन, वादन और भक्ति इन तीनों में जो रमा हो, जो पारंगत हो उसे श्रीकृष्ण-भक्त गया गया है। ऐसे ही दिव्य एवं अलौकिक श्रीकृष्ण भक्ति के एक महान् चितेरे एवं श्रीकृष्ण भक्ति को समर्पित शीर्षस्थ भक्त-कवि व्यक्तित्व हैं सूरदासजी। वे एक दृष्टिहीन संत थे, जिन्होंने पूरी दुनिया को श्रीकृष्ण भक्ति का मार्ग दिखाया। वे बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से डूब गए। वे एक महान भक्ति कवि एवं हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। उनका आदर्श चरित्र और जीवन दर्शन अंधेरे को भी उजाला प्रदान करता है। वे जहां भक्त, वैरागी, त्यागी और संत थे, वहीं वह उत्कृष्टतम काव्य प्रतिभा के धनी एवं गायन में कुशल भी थे। इसलिए उनके अन्तर्मन की पावन भक्तिधारा मन्दाकिनी की भांति कल-कल करके प्रस्फुटित हुई। सूरदास ने जीवनपर्यंत भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की और ब्रज भाषा में उनकी लीलाओं का वर्णन किया। कान्हा की भक्ति में उन्होंने कई गीत, दोहे और कविताएं लिखी हैं। प्रभु श्रीकृष्ण का गुणगान करते हुए उन्होंने सूरसागर, सूर-सारवली और साहित्य लहरी जैसी महत्वपूर्ण रचनाएं कीं, जो भक्ति-साहित्य की अनमोल धरोहर है। उनका जन्म एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में संभवतः सन् 1535 की वैशाख शुक्ल पंचमी को हुआ जो इस वर्ष की 2 मई, 2025 है। चार भाइयों में सूरदास सबसे छोटे एवं नेत्रहीन थे। माता-पिता इनकी ओर से उदासीन रहते थे। निर्धनता एवं माता-पिता की उनके प्रति उदासीनता ने उन्हें विरक्त बना दिया। वह घर से निकल कर चार कोस की दूरी पर तालाब के किनारे रहने लगे।

सूरदास, श्रीकृष्ण भक्ति के महान कवियों में से एक हैं, जिनकी भक्ति में प्रेम, माधुर्य और विरह का अनूठा संगम है। सूरदास की भक्ति सगुण भक्ति धारा के पुष्टिमार्ग से जुड़ी है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपने

जीवन का सर्वस्व मानते हैं। उनकी भक्ति में सख्य भाव की प्रधानता है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपना सखा मानते हैं और उनके साथ प्रेममय संबंध स्थापित करते हैं। सूरदास का व्यक्तित्व भी बहुत विरल है, वे एक अनूठे भक्त थे जो श्रीकृष्ण के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से लीन थे। उन्होंने ऐसे समय में श्रीकृष्ण भक्ति की धारा प्रवाहित की जब समाज में धर्म की हानि हो रही थी, अधर्म पुष्ट हो रहा था, सज्जन कष्ट झेल रहे थे और दुर्जन आनन्द भोग रहे थे। ऐसे समय में सूरदास भला तटस्थ कैसे रहते? इस तरह सूरदास की भक्ति केवल श्रीकृष्ण तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने अपने काव्य में मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को भी चित्रित किया है।

मान्यता के अनुसार एक बार सूरदास श्रीकृष्ण की भक्ति में इतने डूब गए थे कि वे एक कुंए में जा गिरे, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने खुद उनकी जान बचाई और आंखों की रोशनी वापस कर दी। जब श्रीकृष्ण भगवान ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर वरदान में कुछ मांगने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि 'आप फिर से मुझे अंधा कर दें। मैं श्रीकृष्ण के अलावा अन्य किसी को देखना नहीं चाहता।' वे भले ही अंधे थे, लेकिन उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को अपने हृदय से देखा और सुना और उनके बारे में सुंदर पद लिखे। संत सूरदास द्वारा रचित काव्य साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय लोक संस्कृति और परम्परा को उच्च शिखर पर आसीन कराने में हुआ। उन्होंने द्वापर के नायक श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं का समसामयिक लोक-आस्था के अनुरूप चित्रण किया और भगवान को एक लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया। भगवान को लौकिक रूप में प्रस्तुत कर सूरदासजी ने हमारे समाज को एक नई आस्था एवं नई भक्ति की अवधारणा दी है। वास्तव में सूरदासजी का काव्य लालित्य, सौन्दर्य, वात्सल्य, श्रृंगार, शांत रस और प्रेम का काव्य है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग **बात**

ललित गर्ग

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

उम्र गयी, हासिल हुए, रिश्ते कुछ एहसास।
एक अकेला तम, बढा, घटता गया उजास।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

विज्ञान संचार के लिए वैज्ञानिक की निरंतरता जरूरी

आज अधिक से अधिक हिंदी विज्ञान संस्थानो का कभी बुरा दौर चल रहा है जो चिंता की बात है अच्छे समय में सब साथ रहते हैं और बुरा समय में सब भागने लगते हैं या मज़ाक का पात्र बन जाते हैं हिंदी विज्ञान की सबसे पुरानी संस्थान, विज्ञान परिषद, प्रयाग, प्रयागराज की स्थापना सन 1935में हुई और उसकी पत्रिका विज्ञान शायद 2साल बाद 1937 में प्रकाशित हुई दरअसल हिंदी में सबसे पुरानी विज्ञान की पत्रिका विज्ञान ही थी जो आजादी के बाद से अब तक चल रही है उसका भी कोरोना के बाद आर्थिक संकट में घिर गई और लोगों से मदद मांगकर पत्रिका को 2औऱ 3अंक साथ मिलाकर चलानी पड़ी, बाद में विज्ञान परिषद, प्रयाग जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय,प्रयागराज के जमीन पर बनी थी वो कहीं से फंड न मिलने के कारण, हॉल व जो कमरा बनवाया था उसे किसी कार्यक्रम में पैसा लेकर बुक करने की नौबत आई,2013 में विज्ञान परिषद का शताब्दी सामारोह में बहुत से विज्ञान लेखकों को सम्मान मिला जिन्होंने सहायता राशि भी दि जिसमें मुझे भी बुलाया गया उससे पहले उस समय के विज्ञान और प्रोधोगिकी विभाग के सचिव ने विज्ञान परिषद का दौरा किया और परिषद के शताब्दी समारोह हेतु 1करोड़ की राशि को स्वीकृति दि और बहुत धूमधाम से शताब्दी सामारोह हुआ जिसमें शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम साहब ने उसका उद्धघाटन किया, जिसमें जाने माने परमाणु वैज्ञानिक, और भारत सरकार के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार डॉ (स्व) आर चिदमरम सर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे और विज्ञान परिषद के प्रधानमंत्री डॉ शिवगोपाल मिश्र ने उनका स्वागत किया और अतिथि के कर कमलों द्वारा विज्ञान परिषद की स्मारिका व पुस्तक का विमोचन हुआ इधर हिंदी विज्ञान में एक और नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है औऱ हाल ही में महान वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम के निधन पर वैज्ञानिक का जनवरी -मार्च 25 का अंक डॉ चिदंबरम स्मृति विशेषांक निकाल कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों क़ो पूर्ण कर सकती 11मई 25क़ो 10:30बजे रविवार, क़ो नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 11 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा बुलाई गई है आम सभा में चुनाव कार्यकारिणी समिति 25-27 हेतु सभी आजीवन सदस्यों को सचिव सत्य प्रभात प्रभाकर व राजेश कुमार सह सचिव ने परिषद परिषद के आगे आने वाले कार्यक्रम के बारे में बात करेंगे , बाद में नई संपादक मंडल व व्यवस्थापन मंडल के सदस्य बनाए जायेंगे व नई कार्यकारिणी के सदस्यों को वर्तमान कार्यकारिणी के को अब परिषद के आगे के कार्यक्रम के बारे में बताया जायेगा जो सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वीकार हो परिषद के सभी आजीवन सदस्यो से अपील है कि पुनः आम सभा में उपस्थित है क्योंकि वैज्ञानिक के वर्तमान अंक में डॉ आर चिदंबरम के विशेष अंक का सफल प्रकाशन से उन्हें याद किया गया महान परमाणु वैज्ञानिक का भारत में नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया औऱ पोखरण 2 परमाणु परीक्षण में मुख्य भूमिका थी खासबात यह है कि वे बहुत पहले हिन्दी विज्ञान के अध्यक्ष भी थे और उनका आकस्मिक निधन मुंबई में परमाणु वैज्ञानिक डॉ. चिदंबरम का 4 जनवरी 2025 में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया, वे भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे., हिंदी के कार्यकारिणी समिति के चुनाव हेतु कृप्या ईमेल - hvspelection@gmail.com पर 5दिन के अंदर आवेदन पत्र भेज दे. हिन्दी विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका वैज्ञानिक से जुड़े सभी विज्ञान लेखकों पाठकों और सृजनशील व्यक्तियों के निरंतर सहयोग, स्नेह, विश्वास और वैज्ञानिक से लगाव है। इसके मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं व संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, केके वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बी.एन. मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं.विज्ञान साहित्य का ऐसा मिला-जुला ढंग उस साहित्य के सृजन में सहायक होता है जो पूर्णतः भौतिकवादी होता है तथा शुद्ध कला का निर्माण नहीं करता है.हिंदी विज्ञान की पत्रिका वैज्ञानिक का योगदान विज्ञान संचार हेतु जरुरी है ताकि इससे नवविज्ञान लेखकों क़ो एक वैज्ञानिक मंच मिल सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की **बात**

संजय गोस्वामी

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

भारत-इजरायल संबंध को नुकसान पहुंचाने की साजिश!

एजेंसी। नई दिल्ली

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दुख को साझा करने पर इजरायल का आभार व्यक्त किया।
- पिछले सप्ताह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में इजरायली राजदूत रियूवेन अजार से मुलाकात की।

भारत में इजरायल के दूतावास ने बुधवार को उस दावे को फर्जी बताया जिसमें कहा गया कि उसकी ओर से विदेश मंत्रालय को 'नोट वर्बल' जारी किया गया। इस कथित 'नोट वर्बल' में जम्मू-कश्मीर में संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान एक भारतीय सेना अधिकारी पर इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) की एक कर्मी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया। दूतावास ने इस घटना पर हैरानी जताते हुए कहा कि भारत और इजरायल के बीच मजबूत रिश्ते को नुकसान पहुंचाने के लिए इस तरह की 'फर्जी खबरों' का सहारा लेने वाले सफल नहीं होंगे।

इजरायली दूतावास ने एक्स पर लिखा, "अविश्वसनीय! इजरायल और भारत के बीच रिश्ता इतना मजबूत है कि नफरत करने वाले इसे नुकसान पहुंचाने के लिए फर्जी खबरों का सहारा ले रहे हैं। यह काम नहीं करेगा।" इजरायल ने घातक पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और भारत के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। नेतन्याहू ने 24 अप्रैल को एक्स पर लिखा, "मैंने आज भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और कश्मीर में इस्लामी आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति अपनी और इजरायल के लोगों की संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के दुख को साझा करने के लिए मुझे धन्यवाद दिया और इस बात पर जोर दिया कि हमारे दोनों देश जानलेवा आतंकवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।"पिछले सप्ताह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में इजरायल के राजदूत रियूवेन अजार से मुलाकात की थी। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद से निपटने में इजरायल के दृढ़ समर्थन की सराहना की। अजार ने सोशल मीडिया पर उपयोगी चर्चा के लिए विदेश मंत्री जयशंकर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, "विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ उपयोगी चर्चा के लिए धन्यवाद। आम चुनौतियों का मुकाबला करने और कई अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारत और इजरायल के मिलकर काम करने की उम्मीद है!

आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे।

यूक्रेन विजय दिवस युद्ध विराम को करना चाहता है बाधित : रूस

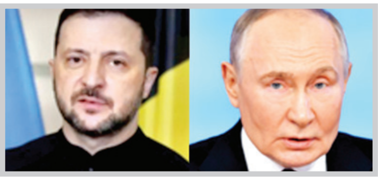

मॉस्को (आईएएनएस)। रूस ने कहा कि यूक्रेन विजय दिवस समारोह के दिन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से घोषित युद्धविराम को बाधित करना चाहता है। कीव शासन के अपराधों के लिए रूसी विदेश मंत्रालय के विशेष दूत रोडियन मिरोशनिक के मुताबिक यूक्रेन संवाद को बाधित करना और तनाव को बढ़ाना चाहता है। मिरोशनिक ने दावा किया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का शासन जानबूझकर रूस के सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों को निशाना बना रहा है। राजनयिक ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा, "ताकतवर हथियारों का इस्तेमाल नतीजों की पुष्टि करता है। यह और कुछ नहीं बल्कि विजय दिवस समारोह की अवधि के लिए दुश्मनी को निलंबित करने के रूस के शांतिप्रिय प्रस्ताव के जवाब में खूनी शासन का हमला है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अगले महीने विजय दिवस समारोह के मद्देनजर यूक्रेन में 72 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की।

दमिश्क के पास भड़की सांप्रदायिक हिंसा, मौत का आंकड़ा 18 पहुंचा

दमिश्क (आईएएनएस)। दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सांप्रदायिक अशांति के बीच झड़पें तेज हो गई हैं। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) के अनुसार, अशरफियात सहनाया में आरपीजी सहित हल्के और मध्यम हथियारों के साथ फिर से संघर्ष होने की सूचना मिली है। सहनया और अशरफियत सहनया में गोलीबारी और कम से कम एक विस्फोट की खबर मिली है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि यह विस्फोट मोर्टार शेल के कारण हुआ था। इसके चलते जनरल सुरक्षा निदेशालय को दोनों शहरों में रात्रि कर्फ्यू लागू करना पड़ा। एसओएचआर ने बताया कि हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। मृतकों में जरामाना, सहनाया, अशरफियत सहनाया क्षेत्रों के नौ निवासी और सरकार समर्थक बलों के नौ सदस्य शामिल हैं। कम से कम 15 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर है।

दमिश्क के निकट सांप्रदायिक हिंसा जारी

मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 18

दमिश्क (आईएएनएस)। दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सांप्रदायिक अशांति के बीच झड़पें तेज हो गई हैं। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) के अनुसार, अशरफियात सहनाया में आरपीजी सहित हल्के और मध्यम हथियारों के साथ फिर से संघर्ष होने की सूचना मिली है। सहनया और अशरफियत सहनया में गोलीबारी और कम से कम एक विस्फोट की खबर मिली है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि यह विस्फोट मोर्टार शेल के कारण हुआ था। इसके चलते जनरल सुरक्षा निदेशालय को दोनों शहरों में रात्रि कर्फ्यू लागू करना पड़ा। एसओएचआर ने बताया कि हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। मृतकों में जरामाना, सहनाया, अशरफियत सहनाया क्षेत्रों के नौ निवासी और सरकार समर्थक बलों के नौ सदस्य शामिल हैं। कम से कम 15 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर है।

चिन्मय की जमानत याचिका खारिज, रिहाई की राह कठिन

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की अदालत ने बुधवार को हिंदू संत चंदन कुमार धर उर्फ चिन्मय कृष्ण दास को देशद्रोह के एक मामले में जमानत दे दी। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। चिन्मय के वकील प्रोलाद देब नाथ ने 'द डेली स्टार' को बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनके जेल से रिहा होने की उम्मीद है। अगर सुप्रीम कोर्ट इस फैसले पर रोक नहीं लगाता है तो चिन्मय दास को रिहा कर दिया जाएगा।जस्टिस मोहम्मद अताउर रहमान और जस्टिस मोहम्मद अली रजा की पीठ ने चिन्मय की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 23 अप्रैल को चिन्मय के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने उच्च न्यायालय की पीठ से अपने मुवक्किल को जमानत देने की प्रार्थना करते हुए कहा कि चिन्मय बीमार हैं और बिना सुनवाई के जेल में कष्ट झेल रहे हैं। पिछले साल 31 अक्टूबर को चटगांव के मोहोरा वार्ड बीएनपी के पूर्व महासचिव फिरोज खान ने कोतवाली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था।

इसमें चिन्मय और 18 अन्य पर बंदरगाह शहर के न्यू मार्केट इलाके में 25 अक्टूबर को हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाया गया। 26 नवंबर को चटगांव की एक अदालत ने चिन्मय को जेल भेज दिया, इससे एक दिन पहले राजधानी में उनकी गिरफ्तारी के बाद उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। दास की गिरफ्तारी से व्यापक आक्रोश फैल गया था, कई लोगों ने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। दास बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए काम करने वालों में शामिल रहे हैं।

मिशिगन रैली में जमकर थिरके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी। वाशिंगटन

राष्ट्रपति के तौर पर 100 दिन पूरे करने का जश्न डोनाल्ड ट्रंप ने डांस करके मनाया। मिशिगन रैली में उन्होंने 100 दिन की उपलब्धियां गिनाईं और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की खामियों का जिक्र किया। इस रैली का नाम '100 डेज ऑफ ग्रेटनेस' रखा गया। व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक वीडियो क्लिप में ट्रंप डांसिंग मूव्स करते और मौजूद समर्थकों को 'थैंक्यू' कहते देखे जा सकते हैं। इस दौरान ट्रंप ने समर्थकों के समूह को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि "हम आज रात अपने देश के इतिहास में किसी भी प्रशासन के सबसे सफल 100 दिनों का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए हैं।" ट्रंप ने इस दौरान टैरिफ से लेकर अप्रवासन नीतियों का बखान किया। उन्होंने बाइडेन प्रशासन और डेमोक्रेट्स पर जमकर हमला बोला। मिशिगन रैली में ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन पर तंज कसा और दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव उनसे चुराया गया था। ट्रंप ने रोजगार सृजन के मामले में भी अपनी पीठ थपथपाई। कहा, 'बहुत सारी ऑटो नौकरियां आ रही हैं। कंपनियां आ रही हैं...वे सभी मिशिगन वापस आना चाहती हैं और फिर से कारें बनाना चाहती हैं। आप जानते हैं क्यों? हमारी कर और शुल्क नीति के कारण, वे दुनिया भर से आ रहे हैं।' ट्रंप ने अपने समर्थकों, खासकर ऑटो कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

नवी मुंबई में ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश

मुंबई। नवी मुंबई पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बड़े ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए दो पुलिसकर्मियों, एक कस्टम अधिकारी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी के पास से 73 लाख रुपये मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री और अन्य संपत्ति जब्त की गई है। नवी मुंबई के क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त अमित काले ने बुधवार को बताया कि 14 अप्रैल को एक गुप्त सूचना के आधार पर नेरुल पुलिस स्टेशन की टीम ने आशीष गवरे (22) और अहमद आल्गी(23) को 2.76 लाख रुपये मूल्य की 17.19 ग्राम ड्रग के साथ गिरफ्तार किया था। इन दोनों से पूछताछ के बाद 28 वर्षीय सुजीत बंगेरा की गिरफ्तारी हुई। बंगेरा अमेरिका या थाईलैंड से ड्रग्स मंगवाता था। कस्टम अधिकारी प्रशांत गौर की मदद से इस पार्सल को एयरपोर्ट पर मंजूरी मिल जाती थी।

सेना को मिला नया उत्तरी कमांडर

एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी होंगे नए वायु सेना उप प्रमुख

नई दिल्ली (हि.स.)

चार दशकों का शानदार करियर पूरा करने के बाद आज लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिन्द्र कुमार ने भारतीय सेना की उत्तरी कमान की कमान छोड़ दी। अब सेना की उत्तरी कमान के नए प्रमुख अब लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा होंगे। साउथ वेस्टर्न एयर कमांड के कमांडर एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी को वायु सेना का नया उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। इन बदलावों से भारतीय सेना और वायु सेना की संचालन क्षमता और सामरिक ताकत में और वृद्धि होगी। उत्तरी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिन्द्र कुमार ने सेवानिवृत्त होने और कमान छोड़ने पर उधमपुर के ध्रुव युद्ध स्मारक में बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान को सम्मानित करने के लिए पुष्पांजलि अर्पित की।

एयर मार्शल एसपी धारकर के सेवानिवृत्त होने के बाद तिवारी ने संभाली कमान

एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी वायु सेना के नए उप प्रमुख होंगे। वह एयर मार्शल एसपी धारकर का स्थान लेंगे, जो 40 से अधिक वर्षों के शानदार करियर के बाद 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए हैं। एयर मार्शल तिवारी वर्तमान में गांधीनगर में साउथ वेस्टर्न एयर कमांड के कमांडर हैं। यह बदलाव भारतीय वायु सेना के लिए एक नए युग की शुरुआत है, क्योंकि एयर मार्शल तिवारी का अनुभव और रणनीतिक क्षमता भारतीय वायु सेना की रणनीतिक दिशा को सुदृढ़ मार्गदर्शन प्रदान करेगी, जिससे वायु सेना की ताकत और प्रभाव में वृद्धि होगी। ऐसे महत्वपूर्ण समय में जब सुरक्षा के मोर्चे पर तेजी से बदलाव हो रहे हैं, तो एयर मार्शल तिवारी का नेतृत्व वायु सेना को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मददगार साबित होगा।

राज्यों से

कोलकाता के होटल में लगी भीषण आग से 14 की मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

एजेंसी। नई दिल्ली

मुआवजे का किया ऐलान

कोलकाता के बड़ा बाजार स्थित एक होटल में आग की चपेट में आने से 14 लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। साथ ही उन्होंने मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर बताया, "कोलकाता में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। इसके अलावा, घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।"

यह घटना मंगलवार देर रात की है। कोलकाता के बड़ा बाजार के मछुआ फल मंडी स्थित ऋतुराज होटल में अचानक आग लगी थी। यह आग इतनी भीषण थी कि इसने कुछ ही देर में पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया और होटल के अंदर धुआं भर गया। इस दौरान होटल में मौजूद कुछ लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हालांकि, धुएं की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

भाजपा ने बताया 'हत्या', सीएम पर लगाए लापरवाही के आरोप

पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने एक बयान में कहा, "मछुआ बाजार के एक होटल में लगी आग में 14-15 लोगों की मौत हो गई, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह महज एक घटना नहीं है बल्कि यह हत्या है, क्योंकि ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। कोलकाता में स्थिति बेहद खराब है। फायर ब्रिगेड मंत्री और मुख्यमंत्री को इस पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन मुख्यमंत्री के पास समय ही कहां है। वह सिर्फ जश्न मनाने में व्यस्त हैं।" चश्मदीद चंचल गुप्ता ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि होटल में आग मंगलवार देर रात करीब 9 बजे के आसपास लगी थी। आग लगने के बाद दमकल विभाग की टीम को मौके पर पहुंचने में एक घंटा लगा था और करीब ढाई घंटे के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सुबह साढ़े चार बजे के आसपास शवों को होटल से बाहर निकाला गया। इस हादसे में करीब 18 से 20 लोगों की मौत हुई है।

ब्यूटी पार्लर से दो घंटे बाद लौटी दुल्हन, तो दूल्हे के पिता को आया हार्ट अटैक

इटावा । उत्तर प्रदेश के इटावा शहर में एक शादी उस समय टल गई जब ब्यूटी पार्लर गई दुल्हन वहां से अचानक गायब हो गई. शादी समारोह एक मैरिज होम में हो रहा था. दूल्हा सज-धज कर पहुंच गया था, लोग दावत में खाना खा रहे थे और बैंड बाजा तैयार था. लेकिन जैसे ही दुल्हन के देर तक नहीं लौटने की खबर फैली तो पूरा माहौल ही बदल गया। बताया जा रहा है कि करीब एक हजार से ज्यादा मेहमान मौजूद थे। चर्चाओं का दौर शुरू हो गया. बैंड, आर्केस्ट्रा और हलवाई सभी पूछने लगे कि क्या शादी रुक गई है।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार का दावा, कहा

भारत अगले 24 घंटों में कर सकता है अटैक

एजेंसी। नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया कि भारत अगले 24 से 36 घंटे के अंदर पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक बयान जारी किया। अपने बयान में कहा, "पाकिस्तान को पुख्ता जानकारी मिली है कि भारत अगले 24-36 घंटों में पहलगाम घटना के आधार पर पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की योजना बना रहा है।" "पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और इस समस्या के दर्द को भली-भांति समझता है। हमने हमेशा आतंकवाद की हर रूप में निंदा की है, चाहे वह कहीं भी हो। एक जिम्मेदार देश के रूप में पाकिस्तान ने सच्चाई का पता लगाने के लिए एक निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच आयोग द्वारा जांच की पेशकश की थी। दुर्भाग्यवश, भारत ने तर्कसंगत रास्ता अपनाने के बजाय तर्कहीनता और टकराव का खतरनाक रास्ता चुना है, जिसके पूरे क्षेत्र और उससे बाहर विनाशकारी परिणाम होंगे। विश्वसनीय जांच से बचना भारत के असली मंसूबों को उजागर करने के लिए पर्याप्त सबूत है।" सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने धमकी देते हुए कहा कि पाकिस्तान दोहराता है कि भारत की किसी भी सैन्य दुस्साहस का निश्चित और निर्णायक तरीके से जवाब दिया जाएगा।

आतंकी घटना में एनआईए को जांच में सहयोग करेंगे श्रीजीत रमेशन

एजेंसी। मुंबई

जम्मू-कश्मीर से लौटे पर्यटक श्रीजीत रमेशन ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना के संबंध में एनआईए जांच में सहयोग करेंगे। श्रीजीत रमेशन ने 26 अप्रैल को दावा किया था कि उनके पास एक वीडियो है, जिसमें दो आतंकवादी दिखाई दिए थे। इस बारे में उनसे एनआईए की टीम ने संपर्क किया है। श्रीजीत रमेशन ने बुधवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने बताया कि कल मुझे मुंबई में एनआईए मुख्यालय से एक कॉल आया। उसके बाद, मैंने एसपी, एनआईए मुंबई, डीवाईएसपी और तकनीकी टीम सहित शीर्ष-स्तरीय अधिकारियों के साथ लगभग पांच घंटे लंबी चर्चा की। चर्चा के दौरान, उन्होंने कई विवरण मांगे कि मैंने अपनी यात्रा कैसे शुरू की, मैं कहां रुका, मैंने कौन सा होटल बुक किया, मैंने किन स्थानीय टूर ऑपरेटरों और ड्राइवरों का इस्तेमाल किया, और अन्य विस्तृत जानकारी। मैंने अपनी ओर से उन्हें सारी जानकारी साझा की है। अगर मुझे जांच के लिए दिल्ली भी बुलाया जाता है तो मैं जरूर जाऊंगा। श्रीजीत रमेशन 26 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर से लौटे हैं। उन्होंने बताया कि वह 18 अप्रैल को पहलगाम के उसी जगह पर घूमने गए थे, जहां आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को गोलियां बरसाई थीं। यहां उन्होंने अपनी बच्ची का रील शूट किया था। महज 12 सेकंड के इस वीडियो में दो शख्स जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। टूरिस्ट का दावा है कि दोनों वही आतंकवादी हो सकते हैं जिनके स्केच सुरक्षा बलों ने घटना के बाद जारी किए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने फोटो और वीडियो राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिए हैं।

पाकिस्तान का जो भी समर्थन करते हैं वो देशद्रोही : सिद्धारमैया

एजेंसी। कर्नाटक

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने वाला कोई भी व्यक्ति 'देशद्रोह' के समान है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मंगलुरु में एक व्यक्ति की कथित भीड़ द्वारा की गई हत्या की जांच चल रही है, जिस पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने का आरोप था। सिद्धारमैया ने कहा कि अगर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया तो यह गलत है, चाहे वह कोई भी हो। जांच अभी चल रही है, मामला दर्ज किया गया है, रिपोर्ट आने दीजिए। यह स्पष्ट हो जाएगा कि किसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए, सिद्धारमैया ने मंगलुरु में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के लिए एक व्यक्ति की हत्या पर संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा। अगर कोई पाकिस्तान के पक्ष में बोलता है तो यह गलत है, यह देशद्रोह है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पुष्टि की है कि मंगलुरु में एक व्यक्ति की लिंचिंग की गई। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान, घटना में शामिल लोगों ने दावा किया कि पीड़ित ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए थे, जिसके कारण भीड़ ने हमला किया। इसकी आगे जांच की जा रही है। यह बात केवल गिरफ्तार लोगों ने ही कही है। अब तक करीब 20 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस मृतक के बारे में भी पता लगा रही है और वह कहां का रहने वाला है। हमने घटना को गंभीरता से लिया है।

साड़ी चुराती महिलाओं का वीडियो वायरल छानबीन में जुटी पुलिस

भागलपुर। इन दिनों भागलपुर जिले में सोशल मीडिया पर एक सीसीटीवी फुटेज काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह से तीन महिला जिले के सुल्तानगंज के अब्जूगंज स्थित एक कपड़े की दुकान में पहुंचती है और दुकानदार से साड़ी दिखाने की बात कहती है। महिलाएं दुकानदार को अलग-अलग साड़ी दिखाने की बात में उलझाए रखती है। इसी बीच एक महिला जिसके गोद में बच्चा रहता है काफी तेजी से साड़ी के एक बंडल को अपने शरीर के अंदर छुपा लेती है। फिर बातों बातों में ही दुकान से रफूचक्कर हो जाती है। दुकानदार को जब इस बात का एहसास होता है तो वह सीसीटीवी फुटेज चेक करता है और उसके बाद उसे महिलाओं के करतूत की जानकारी मिलती है।

सीआईएससीई के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट जारी, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

एजेंसी। नई दिल्ली

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने आईसीएसई और आईएससी का रिजल्ट बुधवार को घोषित कर दिया। इस बार का रिजल्ट 99 प्रतिशत से अधिक रहा है। सीआईएससीई ने छात्र-छात्राओं को सफलता पर बधाई दी है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है। इस साल के रिजल्ट की खास बात यह रही है कि दोनों ही परीक्षाओं में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) में लड़कियों का पास प्रतिशत 99.37 रहा तो वहीं आईएससी (कक्षा 12वीं) में यह आंकड़ा 99.45 रहा है। सीआईएससीई ने बताया कि इस साल आईसीएसई कक्षा 10 की परीक्षा 18 फरवरी से 27 मार्च तक और आईएससी कक्षा 12 की परीक्षा 13 फरवरी से 5 अप्रैल तक आयोजित की गई थी। इसके परिणाम आधिकारिक वेबसाइट 'सीआईएससीई डॉट ओआरजी' पर जाकर देखा जा सकता है।

सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने 10वीं और 12वीं परीक्षाओं के परिणाम बुधवार सुबह 11 बजे घोषित किए। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है।

शराब पीकर स्कूल पहुंचे हेडमास्टर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। सुबह-सुबह ही शराब पीकर स्कूल पहुंचे हेडमास्टर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला कुड़वाचैनपुर थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खरुही का है। शराब पीकर लड़खड़ाते पांव और बड़बडाते जुबान के साथ स्कूल पहुंचे हेड मास्टर बच्चो और शिक्षको के सामने हंगामा करने लगे,जिसकी सूचना बच्चों ने अपने अभिभावकों को दी और फिर अभिभावकों ने पुलिस को इस मामले की जानकारी दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कुड़वाचैनपुर थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खरुही के हेडमास्टर ढाका थाना क्षेत्र के विशंभरपुर निवासी रामस्वार्थ महतो को गिरफ्तार कर लिया। शिक्षा की अलख जगाने वाले और लोगो को शराबबंदी का शपथ दिलाने वाले हेडमास्टर की इस कारनामें की चर्चा पूरे जिले में हो रही है।

बिहार चुनाव से पहले जाति जनगणना का मची होड़, कांग्रेस व राजद बता रहे अपनी जीत

एजेंसी। पटना

कांग्रेस ने बुधवार को आगामी जनगणना में जाति सर्वेक्षण को शामिल करने के केंद्र सरकार के फैसले का श्रेय लेते हुए कहा कि यह लंबे समय से पार्टी की मांग रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की ब्रीफिंग के दौरान आगामी जनगणना में जाति के आंकड़ों को शामिल करने के सरकार के फैसले की घोषणा की। उन्होंने जाति जनगणना के मुद्दे को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों की भी आलोचना की। वहीं, बिहार चुनाव को लेकर राजद ने भी श्रेय लेने की शुरूआत कर दी है। कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि यह पहल तेलंगाना राज्य से आई है, जिसने हाल ही में जाति जनगणना की है। भारत जोड़ो यात्रा का संचालन करने वाले राहुल गांधी ने जाति जनगणना की आवश्यकता को देखा। हम इसे स्वीकार करने के लिए नरेंद्र मोदी जी और कैबिनेट मंत्रियों के आभारी हैं। हमारे नेता राहुल गांधी ने यही सपना देखा था। हम उनके सपने को पूरा होते देखकर खुश हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि मैं इस फ़ैसले का स्वागत करता हूं। यह कांग्रेस की जीत है। आख़िरकार मोदी सरकार को जाति जनगणना करानी पड़ रही है। बिहार के पूर्व सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने केंद्रीय कैबिनेट के उस फैसले पर कहा कि जाति गणना आगामी जनगणना का हिस्सा होगी। उन्होंने कहा, "यह हमारी 30 साल पुरानी मांग थी। यह हमारी, समाजवादियों और लालू यादव की जीत है। इससे पहले, बिहार के सभी दलों ने पीएम से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने हमारी मांग को अस्वीकार कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस

एचईसी कभी गौरव था आज है खस्ताहाल

देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थापित कंपनी में है कार्यशील पूंजी की कमी

रांची में हटिया के पास स्थित हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) भारत का सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है। इसकी स्थापना वर्ष 1958 में हुई थी। यह भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन है।

एचईसी में कास्टिंग और फोर्जिंग, फोर्जिंग, फैब्रिकेशन, असेंबली, परीक्षण आदि समस्त सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। इसे इस्पात, खनन, रेलवे, एयरोस्पेस, रक्षा, बिजली आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमता को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए स्थापित किया गया था, जिससे कि देश को भारी उपकरणों के लिए आयात की निर्भरता कम किया जा सके। इस कंपनी की स्थापना देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया गया था। यह झारखंड का गौरव था। लेकिन, अंतरिक्ष परियोजनाओं के लिए लांच पैड तथा उपस्कर बनाने वाली कंपनी आज खस्ताहाल है। एचईसी ने भारतीय इस्पात उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने देश की कई प्रमुख परियोजनाओं में भी योगदान दिया है। इस्पात संयंत्रों के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के मशीनरी और उपकरणों का निर्माण कर देश को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है। लेकिन, खुद ही मुश्किल में फंस गया है। कई वर्षों से एचईसी को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। अब तो यह हाल है कि इसके कर्मचारियों के वेतन का भुगतान भी नियमित रूप से नहीं हो पा रहा है। इससे कर्मचारियों और उनके परिवार के जीवन यापन में समस्या आ रही है। उनके बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। कंपनी को पर्याप्त कार्यशील पूंजी नहीं मिल पाने के कारण आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। आर्थिक संकट के कारण कच्चा माल खरीदने और उत्पादन जारी रखने में दिक्कत हो रही है। कुछ प्लांट्स कच्चे माल की कमी के कारण बंद हो गए हैं। एचईसी में कुछ जरूरी रॉ मैटेरियल की भी भारी कमी हो गई है। इससे उत्पादन और बिक्री दोनों प्रभावित हैं। साथ ही, पुरानी मशीनें बार-बार खराब हो जा रही हैं। कंपनी को ऑर्डर समय पर नहीं मिल पा रहा है। नए कायार्देश नहीं मिल पा रहे हैं। नए कायार्देश नहीं मिलने से कंपनी की स्थिति और खराब होते जा रही है। खराब आर्थिक स्थिति के कारण एचईसी को निजीकरण की आशंका से भी जूझना पड़ रहा है। इससे कर्मचारियों में भी अनिश्चितता बनी हुई है। एचईसी की खराब आर्थिक स्थिति के लिए कुछ हद तक प्रबंधन की उदासीनता भी जिम्मेदार है।

एचईसी के प्रमुख उत्पाद

1. स्टील सेक्टर के उपकरण
2. खनन सेक्टर के उपकरण
3. क्रशिंग उपस्कर
4. खनिज प्रॉसेसिंग उपकरण
5. क्रेन निर्माण, मशीन टूल
6. कास्टिंग और फोर्जिंग

एचईसी की ईकाई

1. भारी मशीन उत्पादन संयंत्र
2. फाऊंड्री फोर्ज संयंत्र
3. भारी मशीन टूल्स संयंत्र
4. परियोजना विभाग

विशेष योग्यताएं

1. अंतरिक्ष परियोजनाओं के लिए लांच पैड तथा उपस्कर निर्माण
2. थोक सामग्री प्रबंधन की टर्न-की परियोजनाओं का क्रियान्वयन
3. नीतीगत उपयोग/प्रयोग के लिए विशेष स्टील का विकास

एचईसी में आर्थिक संकट के कारण

1. कार्यशील पूंजी की कमी
2. नए कार्यादेश का अभाव
3. ग्राहकों की मांग ससमय पर पूरा नहीं होने से आर्डर समय पर नहीं मिलना
4. निजी करण की आशंका से कर्मियों में उदासीनता
5. पूराने उपकरणें का बार-बार खराब होना
6. कुछ प्लांट में रॉ मटेरियल की कमी

श्रम के सम्मान का उत्सव है अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस

'अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस' श्रम के सम्मान का एक बड़ा उत्सव है। समाज, देश, यहां तक कि मानवता की प्रगति भी उनलोगों पर टिकी हुई है, जो अपने काम को समर्पित भाव से करते हैं। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि किसी देश का विकास उसके किसान और कामगारों पर निर्भर करता है। वास्तव में किसी भी समाज, देश, उद्योग की तरक्की में ज्ञान और श्रम दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी उद्योग की सफलता बेहतर योजना और समझदार व कुशल श्रमिक के बिना संभव नहीं है।

वर्ष 1889 में पेरिस में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक कांग्रेस का आयोजन हुआ, जिसमें आठ घंटे के कार्य दिवस के लिए मजदूर वर्ग की मांगों के समर्थन में एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के लिए एक प्रस्ताव अपनाया गया। श्रमिकों और समाजवादियों के इस अंतरराष्ट्रीय संगठन ने 1 मई को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में घोषित किया। दुनिया भर के अधिसंख्य देश 1 मई को ही श्रमिक दिवस मनाते हैं। वहीं, अमेरिका और कनाडा सितंबर के पहले सोमवार को अपना मजदूर दिवस मनाते हैं।

दूसरी ओर, 1 मई की तारीख को अमेरिकन फेडरेशन ऑफ लेबर ने अमेरिका में एक आम हड़ताल की याद में चुना था, जो शिकागो में 1 मई 1886 को शुरू हुई थी और चार दिन बाद 'हे मार्केट' घटना के साथ समाप्त हुई थी। आज अगर कर्मचारियों के लिए दिन में काम के 8 घंटे तय हैं, तो वह शिकागो की आंदोलन की ही देन है।

श्रमिक आंदोलन और मई दिवस को समझने के लिए तीन प्रमुख जगहों के आंदोलन पर ध्यान देना होगा - 1. अमेरिका, 2. यूरोप और 3. यूएसएसआर (अब रूस)। 19वीं शताब्दी में अमेरिका के ऐतिहासिक श्रमिक संघ आंदोलन के कारण श्रमिक दिवस को मान्यता मिली। वर्ष 1889 में समाजवादी समूहों और ट्रेड यूनियनों के एक अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने शिकागो में हुई हे मार्केट घटना (1886) को याद करते हुए श्रमिकों के समर्थन में 1 मई को 'मई दिवस' के रूप में मान्यता दिया था। दूसरी ओर, जुलाई 1889 में यूरोप में पहली 'इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ सोशलिस्ट पार्टीज' द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें यह ऐलान किया गया कि 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (मई दिवस) के रूप मनाया जाएगा। इसके बाद 1 मई, 1890 को पहला मई दिवस मनाया गया था। वहीं, वर्ष 1917 में हुई रूसी क्रांति के बाद सोवियत संघ (यूएसएसआर) और पूर्वी ब्लॉक राष्ट्रों ने मजदूर दिवस मनाना शुरू किया। वास्तव में, मार्क्सवाद और समाजवाद जैसी नई विचारधाराओं ने श्रमिकों से संबंधित मुद्दों की तरफ सबका ध्यान आकर्षित किया था। सभी लोगों ने श्रम के मूल्य को समझा और उसका सम्मान किया।

'हे मार्केट' घटना का पड़ा वैश्विक प्रभाव

संयुक्त राज्य अमेरिका के शिकागो के 'हे मार्केट' में कपड़ा श्रमिकों ने हड़ताल 1 मई 1886 को आठ घंटे काम करने को लेकर जो आंदोलन किया था, उसका वैश्विक प्रभाव पड़ा। यह आंदोलन कई देशों में आठ घंटे का कार्य दिवस तय करने में सफल रहा। वैसे, सबसे पहले 21 अप्रैल 1856 को ऑस्ट्रेलिया विक्टोरिया में आठ घंटे के कार्यदिवस को लेकर आंदोलन हुआ था। इसी आंदोलन से प्रभावित होकर शिकागो के हे मार्केट के श्रमिकों ने भी वर्क डाउन या स्ट्राइक किया। शिकागो शहर में हे मार्केट घटना श्रमिकों के समर्थन में एक शांतिपूर्ण रैली थी। यहां 15-15 घंटे काम करने वाले मजदूर अपने 8 घंटे के कार्य दिवस के लिए हड़ताल पर थे। इस दौरान 4 मई 1886 को लाठीचार्ज और पुलिस फायरिंग में बहुत से मजदूरों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। बाद में जिन लोगों की इस झड़प में मृत्यु हुई, उन्हें 'हे मार्केट शहीद' के रूप में सम्मानित किया गया। बाद में वर्ष 1889 में समाजवादी समूहों और ट्रेड यूनियनों के एक अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने शिकागो में हुई 'हे मार्केट' घटना को याद करते हुए श्रमिकों के समर्थन में 1 मई को 'मई दिवस' के रूप में मनाने के लिए प्रेरित किया।

भारत में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधान

भारत में देश के 50 करोड़ से अधिक संगठित और असंगठित श्रमिकों के कल्याण के लिए तीन श्रम संहिता विधेयक पारित किए गए हैं। इन तीन कानूनों के माध्यम से श्रमिकों को हर तरह से सुरक्षा देने की कोशिश की गई है।

ये तीन श्रम संहिता निम्न हैं :

1. सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020
2. व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति सहिंता, 2020
3. औद्योगिक संबंध संहिता, 2020

वर्ष 1923 में पहली बार भारत में मनाया गया था 'श्रमिक दिवस'

भारत में वर्ष 1923 में 'श्रमिक दिवस' या 'मई दिवस' मनाया गया था। लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान ने 1 मई, 1923 को चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में 'मजदूर दिवस' या 'मई दिवस' मनाया था। कम्युनिस्ट नेता मलयपुरम सिंगारवेलु चेट्टियार ने श्रमिकों के लिए लाल झंडा उठाया था। यह पहली बार था कि किसी ने देश में लाल झंडा उठाया था। 1 मई, 1923 को मरीना बीच पर एक बड़ा प्रदर्शन किया गया था। साथ ही, एक संकल्प पारित कर यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी मजदूर दिवस के तौर पर मनाया जाए और इस दिन छुट्टी की घोषणा की जाए।

श्रम दिवस के जनक हैं मैकगायर और मैगुयर

श्रमिक आंदोलन के नेता पीटर मैकगायर और मैथ्यू मैगुयर दोनों को 'श्रम दिवस का जनक' कहा जाता है। दोनों श्रमिक आंदोलन के लिए समर्पित थे। वे दोनों बहुत भावुक कार्यकर्ता थे। उन्होंने 19वीं सदी में अमेरिकी के श्रम अधिकारों लिए अहम लड़ाई लड़ी थी।

भारत में श्रम अधिकारों की सुरक्षा के लिए संवैधानिक प्रावधान

भारतीय संविधान में देश के श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कई प्रावधान हैं। संविधान में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कई व्यवस्थाएं की गई हैं। ये सुरक्षा व्यवस्था मौलिक अधिकार और राज्य की नीति निदेशक सिद्धांत के रूप में है।

ये सुरक्षा व्यवस्था निम्न हैं

- **अनुच्छेद 14 :** इसमें विधि के समक्ष समता एवं विधियों के समान संरक्षण का उपबंध किया गया है। संविधान का यह अनुच्छेद भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर भारतीय नागरिकों एवं विदेशी दोनों के लिए समान व्यवहार का उपबंध करता है।
- **अनुच्छेद 19(1)(ग) :** नागरिकों को संघ या सहकारी समिति बनाने का अधिकार देता है।
- **अनुच्छेद 21 :** प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 23 :** मानव के दुर्व्यापार और जबर्दस्ती श्रम का प्रतिषेध करता है।
- **अनुच्छेद 24 :** इसमें फैक्ट्री आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध किया गया है। यह अनुच्छेद चौदह वर्ष से कम आयु के बालकों के किसी कारखाने, खान या किसी अन्य जोखिमयुक्त व्यवसाय में कार्य करने पर रोक लगाता है।
- **अनुच्छेद 39 (क) :** राज्य अपने नागरिकों को आजीविका के पर्याप्त साधनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान करता है।
- **अनुच्छेद 41 :** यह अनुच्छेद कहता है कि राज्य अपनी आर्थिक सामर्थ्य और विकास की सीमाओं के भीतर, काम पाने, शिक्षा प्राप्त करने और बेकारी, बुढ़ापा, बीमारी एवं नि:शक्तता तथा अन्य प्रकार के अभाव की स्थिति में लोक सहायता पाने के अधिकार को प्राप्त कराने का प्रभावी उपबंध करेगा।
- **अनुच्छेद 42 :** यह अनुच्छेद कहता है कि राज्य काम की न्यायसंगत और मानवोचित स्थिति को सुनिश्चित करने के लिए तथा प्रसूति सहायता के लिए उपबंध करेगा।
- **अनुच्छेद 43 :** यह अनुच्छेद कहता है कि राज्य उपयुक्त विधान या आर्थिक संगठन द्वारा या किसी अन्य रीति से कृषि, उद्योग या अन्य प्रकार के सभी कर्मकारों को काम, निर्वाह मजदूरी, शिष्ट जीवन स्तर और अवकाश का संपूर्ण उपभोग सुनिश्चित करने वाली काम की दशाएं तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवसर प्राप्त कराने का प्रयास करेगा। साथ ही, विशिष्टतया ग्रामों में कुटीर उद्योगों को वैयक्तिक और सहकारी आधार पर बढ़ाने का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 43 (क) :** यह अनुच्छेद राज्य को उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने का अधिकार प्रदान करता है।

महात्मा गांधी और श्रमिक आंदोलन

अहमदाबाद की सूती मिल के श्रमिकों ने वर्ष 1918 में अपने अधिकारों और बेहतर काम की स्थिति के लिए आंदोलन किया था। यह सत्याग्रह था और महात्मा गांधी ने इसका नेतृत्व किया था। यह आंदोलन, गांधी के सत्याग्रह आंदोलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। श्रमिक 50 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मांग कर रहे थे, लेकिन मिल मालिक केवल 20 प्रतिशत वृद्धि करना चाहते थे। गांधीजी ने श्रमिकों का समर्थन करने के लिए भूख हड़ताल भी की थी।

राज्य सरकार डीजीपी को रिटायर कराने पर असहमत

केंद्र सरकार को जवाब भेजने की तैयारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने डीजीपी को 30 अप्रैल 2025 के दिन (बुधवार) रिटायर कराने के निर्देश पर असहमति जताने की तैयारी में है। राज्य सरकार केंद्र को पत्र लिखेगी। इसकी तैयारी की जा रही है। केंद्र को भेजे जाने वाले जवाब में राज्य सरकार द्वारा डीजीपी की नियुक्ति के लिए बनाए गए नियम को सही बताया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार ने डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति प्रकरण में केंद्र द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के मुद्दे पर कानूनी राय लेने के बाद अपना जवाब भेजने की तैयारी की है। पत्र में केंद्र द्वारा उठाए गए हर बिंदु का जवाब भेजा जाएगा। राज्य सरकार का तर्क है कि डीजीपी नियुक्ति के लिए बनाया गया नियम सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के अनुरूप है।

सरकार का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट ने प्रकाश सिंह बनाम केंद्र सरकार के मामले में डीजीपी की नियुक्ति के लिए पैनल बना कर यूपीएससी से अनुमोदित कराने का निर्देश अस्थाई व्यवस्था के तहत दिया है। राज्य सरकार ने पुलिस एक्ट में निहित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए डीजीपी की नियुक्ति नियमावली बनाई है। सरकार द्वारा बनाया गया नियम सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के अनुकूल है।

सरकार यह मानती है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के आलोक में डीजीपी का कार्यकाल दो साल का निर्धारित है। इसलिए इससे पहले राज्य के डीजीपी को पद से हटाना सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का उल्लंघन होगा।

सरकार की तरफ से यह भी तर्क है कि डीजीपी की नियुक्ति के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में भी एक मामला विचाराधीन है। न्यायालय द्वारा अभी यह फैसला किया जाना बाकी है कि अनुराग गुप्ता की नियुक्ति नियमानुसार है या नहीं। इसलिए इस मुद्दे पर न्यायालय के फैसले के पहले भी पद से हटाना सही नहीं है।

ब्यूरोक्रेसी में अलग-अलग तरह की चर्चा है

डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुद्दे पर लगातार बुधवार को भी अनिश्चितता की स्थिति बनी रही। राज्य सरकार ने डीजीपी अनुराग गुप्ता को पद से हटाने का कोई आदेश जारी नहीं किया ना ही उन्होंने पद त्याग किया। ब्यूरोक्रेसी में अलग-अलग तरह की चर्चा है। कुछ यह मान रहे हैं कि अनुराग गुप्ता केंद्र सरकार के निर्देश के विपरीत डीजीपी के पद पर बने हुए है। उन्हें डीजीपी के पद से हटाने के लिए सरकार की ओर से आदेश जारी करने की बाध्यता है या नहीं। इस मुद्दे पर भी अधिकारियों की अलग अलग राय है। कुछ अधिकारियों का मानना है कि केंद्र सरकार ने अनुराग गुप्ता को रिटायर कराने के आदेश दिया है। किसी अधिकारी के रिटायरमेंट के समय सरकार के स्तर से कोई आदेश नहीं निकला जाता है। रिटायरमेंट की तिथि पर संबंधित अधिकारी द्वारा अपना पद त्याग कर दिया जाता है। दूसरी तरफ़ कुछ अधिकारियों का यह मानना है कि सरकार ने अनुराग गुप्ता को दो साल के लिए डीजीपी के पद पर नियुक्त किया है। इसलिए केंद्र के निर्देश के आलोक में अनुराग गुप्ता को रिटायर कराने के लिए उन्हें डीजीपी के पद से हटाने का आदेश जारी करना जरूरी है।

बाबूलाल ने पूछा, हफिजुल हसन के इस्तीफे की मांग करेंगे खड़गे?

- कहा, कांग्रेस व झामुमो गठबंधन की नींव परिवार-प्रेम का परिणाम है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधा। मरांडी ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस के 'राष्ट्रीय अध्यक्ष' मल्लिकार्जुन खड़गे जी संविधान बचाने की बात करने आ रहे हैं, तो क्या सबसे पहले आते ही वे सीएम सोरेन से हफिजुल हसन के इस्तीफे की मांग करेंगे? क्योंकि, ऐसे संविधान विरोधी व्यक्ति के साथ गठबंधन में बने रहना और उसी समय संविधान बचाओ रैली करना नैतिक रूप से सही नहीं है। बाबूलाल ने कहा कि यह कोई इत्तेफाक नहीं है कि जैसे-जैसे नेशनल हेराल्ड केस की परतें खुलती जा रही हैं, कांग्रेस पार्टी की संविधान को लेकर चिंता भी बढ़ती जा रही है। कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत जनता का ध्यान राहुल गांधी और सोनिया गांधी द्वारा किए गए घोटाले से भटकाने के लिए यह सारा आडंबर रचा जा रहा है। नहीं तो, जिस पार्टी में खुद के नियम-कायदे केवल एक ही परिवार के सदस्य तय करते हों, वह पार्टी देश के संविधान की कितनी परवाह करेगी, यह जनता भली-भांति जानती है।

मरांडी ने केंद्रीय कैबिनेट के फैसले का किया स्वागत

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने केंद्र सरकार द्वारा बुधवार को कैबिनेट में पूरे भारत में जातिगत जनगणना करवाने का निर्णय सराहनीय कदम है। कहा अब वोटबैंक की नहीं, वास्तविक सामाजिक न्याय की बात होगी। कहा दशकों से इस मुद्दे को कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों ने जातिगत जनगणना का इस्तेमाल केवल चुनावी हथियार की तरह करते आए हैं। अब जातिगत जनगणना समय की मांग बन चुकी है। समय आ गया है कि टुकड़ों में कराई जा रही राज्य स्तरीय, असंगत और अपारदर्शी गणनाओं को छोड़ा जाए और पूरे देश के लिए एक समान, विश्वसनीय व तथ्य-आधारित जातिगत जनगणना को अपनाया जाए। कहा कि सही मायनों में सामाजिक न्याय की ओर कदम बढ़ाते हुए जातिगत जनगणना को स्वीकृति प्रदान करने के लिए पीएम मोदी जी का आभार!

न्यूज बॉक्स

आजसू ने नाइजर में फंसे पांच श्रमिकों की रिहाई की मांग की

रांची। अफ्रीकी देश नाइजर में तंकवादियों के शिकार झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर क्षेत्र के पांच श्रमिकों की रिहाई को लेकर आजसू पार्टी ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। आजसू पार्टी के नेता संजय मेहता ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और नाइजर में भारत के राजदूत सीताराम मीना को पत्र लिखकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि विगत 25 अप्रैल को नाइजर की राजधानी नियामे से लगभग 115 किलोमीटर दूर तिल्लाबेरी में आतंकवादियों ने एक पावर ट्रांसमिशन साइट पर हमला किया। इस हमले के बाद 12 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई और बगोदर के पांच मजदूरों संजय महतो, चंद्रिका महतो, फलजीत महतो, राजू कुमार और उत्तम महतो का अपहरण कर लिया गया। ये मजदूर कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) के प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे। संजय मेहता ने पत्र में सभी मजदूरों के पासपोर्ट विवरण और संपर्क जानकारी भी मंत्रालय को दी है। साथ ही, उनके परिजनों की चिंता और व्यथा को रेखांकित किया है। उन्होंने विदेश मंत्री और भारत के राजदूत से इस गंभीर मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर मजदूरों की सकुशल वतन वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। संजय मेहता ने बताया की नाइजर में भारत के एंबेसडर सीता राम मीना को सूचित करने के बाद उनके कार्यालय ने हमें सूचित किया है कि भारतीय दूतवास ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

वर्ष का दूसरा राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को, डालसा जुटी तैयारी में

रांची। झालसा के निर्देश पर वर्ष का दूसरा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को होना सुनिश्चित हुआ है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए समझौतापूर्व बैठक 10 मार्च से शुरू हो चुका है। इसी के मद्देनजर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा भी तैयारी शुरू कर दिया गया है। सभी न्यायालयों से वादकारियों को नोटिस भेजने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के कार्यरत सभी पीएलवी को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के पश्चात ग्रामीणों व जरूरतमंदो को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दें, ताकी लोग जागरूक हो, वादकारी राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा उठा सके और अपने वादों का निस्तारण निशुल्क करा सकें। ज्ञात हो कि 10 मई को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों का निस्तारण मध्यस्थों व अधिवक्ताओं के माध्यम से किया जायेगा।

जातीय गणना कराना ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम : राजेंद्र प्रसाद

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने केंद्र सरकार की ओर से जातीय जनगणना कराने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी के सच्चे हितैषी हैं। प्रसाद ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है। राजेंद्र प्रसाद ने जातीय जनगणना कराने के निर्णय को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताया है। कहा कि जातीय जनगणना की मांग लंबे समय से होते रही है। राजेंद्र प्रसाद ने यह भी कहा कि जातीय जनगणना नहीं होने से देश में पिछड़ी जातियों के आंकड़े को लेकर देश में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। प्रसाद ने कहा कि जातीय जनगणना से ओबीसी की आबादी के अनुसार हिस्सेदारी तय होगी। ओबीसी को आबादी के अनुपात आरक्षण मिल सकेगा। प्रसाद ने कहा कि पिछड़ी जातियों की जनगणना 1931 में हुई थी। अब 94 सालों के बाद फिर से जातीय जनगणना हो रही है। प्रसाद ने कहा कि जातीय जनगणना से सभी जातियों का सही आंकड़ा सामने आएगा और राजनीतिक आर्थिक, सामाजिक स्थिति की सही-सही जानकारी मिलेगी। मोर्चा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड के 7 जिलों में ओबीसी के आरक्षण को शून्य कर दिया गया है। इन जिलों में भी ओबीसी को न्याय मिलेगा। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि जातीय जनगणना से झारखंड में मूलवासी सदानों को न्याय मिलेगा।

नरेश टिकैत जनता-किसानों से माफी मांगें : पवन साहू

नवीन मेल संवाददाता

- कहा, नरेश टिकैत की टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण हैं

रांची। भाजपा किसान मोर्चा (झारखंड) प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने नरेश टिकैत के पहलगाम मामले पर देशद्रोही बयानबाजी की कड़े शब्दों में निंदा की है। पवन साहू ने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 हिंदू तीर्थयात्रियों की निर्मम हत्या के बाद पूरा देश आक्रोशित है। देश की जनता एकजुट होकर पीएम मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान को करारा जवाब देने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कठोर निर्णय लेते हुए पाकिस्तान के साथ राजनीतिक संबंध समाप्त कर दिए हैं। पवन साहू ने कहा कि तथाकथित किसान नेता नरेश टिकैत की दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियां ऐसे समय में आया, जब पूरा देश एकजुट है। कुछ तथाकथित किसान नेता राष्ट्र विरोधी बयान देकर देश के जख्मों पर नमक छिड़कने का कार्य कर रहे हैं। नरेश टिकैत ने कहा कि भारत सरकार को सिंधु जल संधि को रद्द नहीं करना चाहिए था, क्योंकि 'भारत और पाकिस्तान का किसान एक हैं।' साहू ने कहा कि हम नरेश टिकैत से पूछना चाहते हैं - जो देश हमारे निर्दोष नागरिकों की हत्या करवा रहा है, उसके हुक्का-पानी को बंद क्यों न किया जाए? बार-बार भारत की पीठ में छुरा घोंपने वाले पाकिस्तान के प्रति प्रेम का आखिर क्या औचित्य है? यदि पाकिस्तान से इतना ही प्रेम है, तो नरेश टिकैत पाकिस्तान चले जाना चाहिए। नरेश टिकैत का यह बयान शहीदों और उनके परिवारों का अपमान है। उन्हें देश की जनता और किसानों से माफी मांगनी चाहिए। नरेश टिकैत ने तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए कहा कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता।' हम पूछना चाहते हैं कि यदि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं है, तो हर बार पकड़े गए आतंकवादी एक ही धर्म से क्यों होते हैं? उन माताओं-बहनों से जाकर पूछिए, जिनके परिवारजनों को धर्म पूछकर बेरहमी से मारा गया। पवन साहू ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा पूरे देश की जनता की ओर से मांग करता है कि ऐसे तथाकथित किसान नेता नरेश टिकैत को देश और किसानों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही, समाज और किसानों को चाहिए कि ऐसे राष्ट्रविरोधी बहरूपियों का सामाजिक बहिष्कार करें, और उनका हुक्का-पानी बंद कर दें। उन्होंने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में पहली बार भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को निरस्त कर पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब देश आतंकवाद को किसी भी सूरत में सहन नहीं करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की स्पष्ट नीति है -आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। यह जानकारी भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने दी।

जातीय जनगणना का जेएमएम ने किया स्वागत

विपक्ष की मांग के आगे झुकी केंद्र सरकार : सुप्रियो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेएमएम के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह निर्णय केंद्र सरकार को पहले ही ले लेने थे। जेमएमए के अलावे और भी भाजपा की जो विरोधी पार्टीयां बिहार हो, कर्नाटक या तेलंगाना हो, ने मांग रखी थी कि जातिगत जनगणना हो। उस समय पीएम और भाजपा के बड़े नेताओं ने इसका खुलकर विरोध किया था। मगर अब जन-दबाव के आगे केंद्र सरकार को झुकना पड़ा है। भारत सरकार के राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने जनसंख्या की जनगणना में जातीय जनगणना को स्थान दिया है। भारत सरकार के इस निर्णय का झामुमो ने स्वागत किया है, उन्होंने कहा है कि यह हमारी नैतिक जीत है। वहीं श्री भट्टाचार्य ने कहा कि अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि झारखंड राज्य के आदिवासियों को सरना धर्म कोड मिलेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या जनगणना के बाद ही जातीय जनगणा होनी चाहिए ताकि परिसीमन करना असान हो। 2025 में हमलोग महिला आरक्षण देने की बात कर रहे हैं ऐसे में परिसीमन से पहले जातीय जनगणना होनी चाहिए। भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केंद्र सरकार दबाव में झुकी है पहले भी किसान आंदोलन के कारण उसे अपना निर्णय वापस लेना पड़ा था। जब जब केंद्र सरकार ने असंवैधानिक फैसला लिया तब -तब उसे झुकना पड़ा है।

शिक्षा क्षेत्र में सरकारी विद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण : डीडीसी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर बुधवार को समाहरणालय ब्लॉक स्थित सभागार में उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव ने 30 अप्रैल 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले सात शिक्षकों को ससम्मान विदाई दी। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) दिनेश कुमार यादव ने इन सभी को ससम्मान विदाई देते हुए उन्हें आगे की जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी शिक्षकों से कहा कि शिक्षा क्षेत्र में सरकारी विद्यालयों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन्हें समाज के सबसे आखिरी पायदान पर खड़े बालक को भी शिक्षित करने की जिम्मेदारी दी गई है। कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों को भविष्य में अपना समय निकाल कर अपने आसपास के विद्यालयों में समय देना चाहिए। ऐसा करने से उनके अनुभवों का लाभ हमारे विद्यालयों को मिलता रहेगा। साथ ही, उनके लिए भी अपने समय का सदुपयोग होगा। मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) बादल राज ने विभागीय निर्देश एवं उपायुक्त, रांची के सतत मार्गदर्शन में ऐसे कार्यक्रम निरंतर कराए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को रांची जिले से सेवानिवृत्ति के दिन ही सारी पावनाओं को भुगतान करते हुए विदा किया जा रहा है।

सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक एवं उनका पूरा परिवार इस मौके पर उपस्थित थे। उन्होंने जिला प्रशासन को इस शानदार पहल के लिए धन्यवाद दिया।

इन शिक्षकों को दी गई विदाई

जिन शिक्षकों को आज ससम्मान विदाई दी गई, उनमें सुमन तेरेसा तिर्की, सेवानिवृत शिक्षिका, रामवि हरमू हाउसिंग कॉलोनी, रांची, अल्का बर्गन, सेवानिवृत्त शिक्षिका, रामवि हरमू हाउसिंग कॉलोनी, रांची, परवीन अख्तर, सेवानिवृत्त शिक्षक, राप्रादि इरया उर्दू कन्या, ओरमांझी, मालती एक्का, सेवानिवृत्त शिक्षिका, रालक्ष्मी गजेंद्र मध्य विद्यालय इटकी, रांची, संजय टोप्पो, सशि राप्रावि पीपरदाग, सिल्ली, जे तोपनो, सशि मिस व्हिफम बालिका मध्य विद्यालय चुटिया, रांची एवं सुरेंद्र कुमार, सशि श्रद्धानंद सेवाश्रम मध्य विद्यालय रातू रोड रांची शामिल हैं।

आंगनबाडी केंद्रों को घटिया मोबाइल देने की होगी जांच : जेपी

रांची। झारखंड समाज कल्याण कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय की शिकायत पर आंगनबाड़ी केंद्रों को घटिया मोबाइल देने के मामले की जांच होगी। इस संबंध में कल्योाण विभाग के संयुक्त सचिव राजेश प्रजापति ने बुधवार को आश्वासन दिया है। इसके अलावा सचिव ने आंगनबाडी केंद्रों को पोषाहार में मिलावट, लगभग 10 माह से मानदेय बंद होने और केंद्रों के बकाया मकान किराया सहित अन्य समस्याओं का जल्द समाधान करने की बात कही है। संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ और सभी संगठनों से संयुक्त रूप से शक्तिशाली बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार भी वेतन सुविधाओं को बढ़ाने पर विचार कर रही है।

आईसीएसई रिजल्ट

10वीं बोर्ड में स्कूल टॉपर रहे रचित अग्रवाल

रांची। रचित अग्रवाल जिसने सहयाद्री स्कूल पुणे से 10th आईसीएसई बोर्ड के एग्जाम में एक विषय में 98% और बाकी पांचों विषय में 99% और अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर हुआ और उसने अपने स्कूल के भी रिकॉर्ड तोड़े। रचित रांची निवासी सन्तोष अग्रवाल का पोता और आशीष मेघा का बेटा है। पूरे परिवार में खुशी का माहौल बन गया। यह एक उदाहरण इस बात का भी है कि उसने अपने परिवार वालों की सलाह पर पढ़ाई और मार्क्स का तनाव रखा ही नहीं।

मां अगूंठा लगाती थी और पिता केवल नाम लिख पाते थे

निचले पायदान पर खड़े लोगों का दर्द समझता हूं बखूबी : रामदास सोरेन

- पढ़ने के विषय पर समाज ने सोचा नहीं
- बस सेवा शुरू करने के सवाल को मंत्री ने भविष्य पर छोड़ा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● शिक्षा संगम 2025

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् के माध्यम से सिनी द्वारा राज्यस्तरीय कार्यक्रम शिक्षा संगम 2025 का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के शिक्षा मंत्री, रामदास सोरेन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार थे। इस कार्यक्रम में सचिव स्कूली शिक्षा तथा राज्य परियोजना निदेशक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

डा मनीषा प्रियम जो आस्ट्रेलिया के मोन्हास यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर हैं ने कहा कि यहां सीखने आई हूं। सामान्यतः होता यह है कि मंत्री भाषण देते और चले जाते हैं दूसरे के विचारों से परीचित नहीं हो पाते। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी बात यह है कि मंत्री ने सबकी बातों को सुना है।

वहीं टाटा ट्रस्ट की ऐजुकेशन हेड अम्रीता पटवर्धन ने कहा कि सबको मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में वीआरसी मॉडल की लाइब्रेरी है, हमें भी इस दिशा में काम करना चाहिए। समुदाय, सरकार और एजेंसी को मिलकर विकास मॉडल बनाने की बात उन्होंने कही।

स्कूली शिक्षा तथा राज्य परियोजना के निदेशक शशि रंजन ने कहा कि 36000 के आस पास स्कूल हैं कोई भी बच्चा ड्राप-आउट न हो, किसी का भी पढ़ाई न छूटे इस दिशा में कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि अपने कार्यों में सहयोग के लिए कई संस्थानों से सहयोग लेते हैं जिसमें से टाटा ट्रस्ट भी एक है।

वहीं कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि मैं गरीब परिवार से आता हूं,मां अगूंठा लगाती और पिता केवल नाम लिख पाते हैं। पढ़ाने की जगह समाज वाले सोचते थे कि कोई काम करेगा, पढ़ लिखकर क्या करेगा। वैसे समाज से निकलकर यहां तक पहुंचा हूं इसलिए निचले पायदान में खड़े लोगों का दर्द बखूबी समझता हूं। स्कूल प्रबंधन समिति प्रत्येक विद्यालय में अनिवार्य रूप से गठित होनी चाहिए: प्रबंधन समिति के अलावे गांव प्रधान, सभी समाज के उच्च लोगों से भी ड्राप आउट रेट शून्य करने का आग्रह किया।

प्रतियोगिता में झारखंड के पिछड़ने का हवाला देते हुए मंत्री रामदास ने कहा कि झारखंड से बहुत कम लोग आईएएस और आईपीएस या अन्य बड़े नौकरी में चयनित हो पाते हैं। गहराई से अध्ययन पर पाया गया है कि सीबीएसई बोर्ड की पढ़ाई से प्रतियागिता परीक्षाओं में अधिकांश प्रश्न आते हैं और झारखंड के गांव-घर के लोग यह महंगी पढ़ाई नहीं कर पाते और शिक्षा में पिछड़ जाते हैं। शिक्षा में आमूल परिवर्त्तन सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंसे ने किया है। गरीब बच्चे भी अब सीबीएसई बोर्ड की पढ़ाई कर सकेंगे इसके लिए राज्य भर में 80 स्कूल खोले गए हैं और नए स्कूल खोलने की तैयारी में हैं। कॉपी, किताब, जूता-मोजा, ड्रेस से लेकर सभी सुविधाएं निःशुल्क दिए जा रहे हैं, अच्छी गुणवत्ता की पढ़ाई पाकर गांव के गरीब, पिछड़े, आदिवासी, दलित सभी खुश हैं। सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बस सेवा शुरू करने के संबंध में राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से सवाल किया कि एक तरफ प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में तमाम सुविधाएं दी जा रही है तो प्राइवेट स्कूलों की तरह बस सेवा भी दी जाएगी क्या। सेवा दी जाएगी तो बस भी निःशुल्क होगा? इस पर उन्होंने कहा कि आगे-आगे देखिए सरकार क्या करती है।

सीयूजे-एमबीए में आठ छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सीयूजे-एमबीए (व्यवसाय प्रबंधन विभाग) के 2023-25 बैच के आठ विद्यार्थियों का जीईपीएल कैपिटल में कैंपस प्लेसमेंट हुआ। एनआईएसएम और सीयूजे के बीच हुए एमओयू के तहत यह कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किया गया था। एनआईएसएम, सेबी का एक अंग है। जिन आठ लोगों का चयन किया गया है, उनमें संगम कुमार, लक्ष्मी कुमारी, नूतन प्रभात, स्मृति, गौरव कुमार सिंह, कुंदन कुमार, सुमित कुमार कुशवाहा, मनीष कुमार महतो शामिल हैं।

कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने सारे विद्यार्थियों को बधाई दी और भविष्य में बेहतर कार्य करके विश्वविद्यालय और देश का नाम गौरवान्वित करने का आशीर्वाद दिया। डॉ नितेश भाटिया, प्लेसमेंट अफसर ने कहा कि विश्वविद्यालय का एमबीए विभाग हर साल अच्छा प्लेसमेंट देता है। इस बार भी अब तक 62 में से 34 विद्यार्थियों का चयन कैंपस प्लेसमेंट में हुआ है। इनमें से कई विद्यार्थियों का एक से अधिक कंपनियों में चयन हुआ है। प्रो डीबी लाटा, प्लेसमेंट प्रमुख ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के अलग-अलग विभागों में कई कंपनियां अब तक आई हैं। इनमें अमूल, एक्सिस बैंक, सेंट गोबैन, एचडीएफसी लाइफ, पैंटालूंस, त्रिवेणी अलमारी प्राईवेट लिमिटेड, ऐमीप्रो, लॉन्चड, प्लैनेट स्पार्क, ईएसएल वेदांता, बजाज फिनसर्व, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन आदि प्रमुख हैं।

चहल की हैट्रिक से 190 पर सिमटी चेन्नई की पारी, करन ने बनाए 88 रन

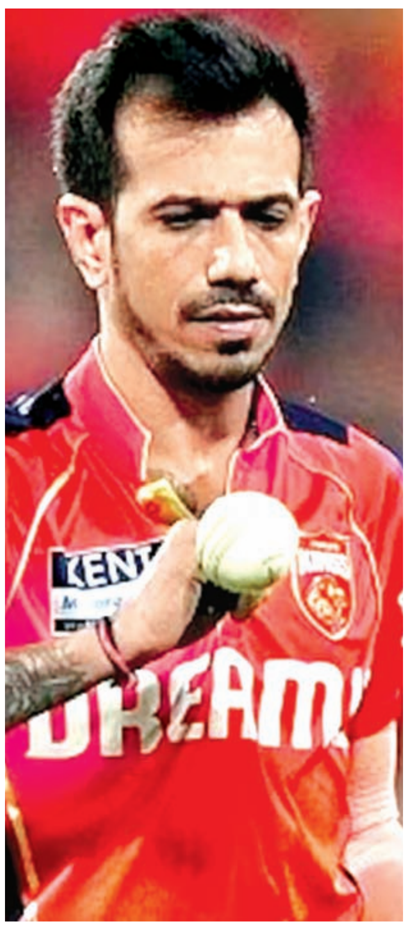

मुंबई (एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के 49वें मैच में आज चेन्नई सुपरकिंग्स की टक्कर पंजाब किंग्स से हो रही है। इस मुकाबसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई की टीम 190 रन बना सकी। चहल ने हैट्रिक लगाई और एक ओवर में 4 विकेट झटके। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के 49वें मैच में आज चेन्नई सुपरकिंग्स की टक्कर पंजाब किंग्स से हो रही है। ये मुकाबला धोनी की टीम के लिए काफी अहम है। अगर सीएसके आज मैच हारेगी तो प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

तीसरे ही ओवर में चेन्नई को पहला झटका लगा जब शेख रसीद को अर्शदीप ने अपना शिकार बनाया। रसीद के बल्ले से केवल 11 रन ही निकले। इसके बाद अगले ही ओवर में आयुष म्हात्रे भी अपना विकेट गंवा बैठे। आयुष के बल्ले से 7 रन आया। इसके बाद जडेजा अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन छठे ही ओवर में बरार ने उन्हें पवेलियन का रास्ता दिखाया। जडेजा के बल्ले से 17 रन आए। हालांकि, इसके बाद सैम करन और डेवाल्ड ब्रेविस के बीच एक अच्छी साझेदारी पनपी।

- रविंद्र जडेजा ने 17 रन की छोटी लेकिन अहम पारी खेली।
- **दोनों बल्लेबाजों ने पारी को संभालने और गति देने का काम किया।**
- 15वें ओवर में ब्रेविस का विकेट गिरा, जिससे यह साझेदारी टूट गई।
- **ब्रेविस के आउट होने के बावजूद सैम करन क्रीज पर टिके रहे और पारी को आगे बढ़ाते रहे।**

हालांकि, 15वें ओवर में ब्रेविस का विकेट गिरा और 78 रनों की पार्टनरशिप टूट गई। लेकिन दूसरे छोर पर सैम करन टिके रहे। सैम करन ने 30 गेंद में अर्धशतक जड़ा। फिफ्टी जड़ने के बाद करन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। 18वें ओवर में उनका विकेट गिरा। करन ने 47 गेंद में 88 रनों की तूफानी पारी खेली। दुबे के साथ भी उनकी 46 रनों की साझेदारी हुई। एमएस धोनी के बल्ले से 11 रन निकले। उन्होंने चहल के ओवर में एक छक्का लगाया। लेकिन इसके बाद चहल ने हैट्रिक लगाई। 19वें ओवर में चहल ने कुल 4 विकेट झटके। चेन्नई की टीम 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और 190 रन पर ही सिमट गई।

पंजाब किंग्स के सामने चुनौतीपूर्ण मैच, सीएसके की आखिरी उम्मीद

पांच बार की चैंपियन सीएसके के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम अब तक खेले 9 में से सिर्फ 2 मुकाबले जीत पाई है और अंक तालिका में सबसे नीचे है। वहीं पंजाब किंग्स 9 में से 5 जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और यह मैच जीतकर प्लेऑफ की ओर मजबूत कदम बढ़ाना चाहेगी। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह रही है कि सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है, जिसे कभी उसका किला माना जाता था। सीएसके किसी भी हालत में टूर्नामेंट की तीसरी जीत दर्ज करना चाहेगी ताकि प्लेऑफ में पहुंचने की थोड़ी-बहुत उम्मीदें बरकरार रख सके। यह और भी चिंता का विषय है कि टीम के दिग्गज और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी इस बार टीम को प्रेरित करने में सफल नहीं हो पाए हैं। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ से कप्तानी वापस ली थी, जिन्हें कोहनी की चोट के कारण बाहर होना पड़ा।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने के लिए मई में करेगी पाकिस्तान का दौरा

लाहौर (आईएएनएस)

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घोषणा की है कि बांग्लादेश की टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए मई में पाकिस्तान का दौरा करेगी। यह सीरीज 25 मई से 3 जून तक फैसलाबाद और लाहौर में खेली जाएगी। भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के तहत शुरू में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला निर्धारित की गई थी, लेकिन अब यह पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का दौरा होगा। पीसीबी ने एक बयान में कहा, "यह श्रृंखला एफटीपी का हिस्सा है। उसमें मूल रूप से तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच शामिल थे। हालांकि, अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप को देखते हुए दोनों बोर्ड ने आपसी सहमति से एकदिवसीय मैचों की जगह दो अतिरिक्त टी-20 मैच कराने पर सहमति जताई है। इकबाल स्टेडियम 17 साल के अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्वागत करेगा। यहां 1978 से 2008 के बीच 24 टेस्ट और 16 वनडे मैच खेले गए हैं।

इस ऐतिहासिक स्थल पर आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच अप्रैल 2008 में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच वनडे मैच था। इस मैदान पर पिछले वर्ष सितंबर में प्रथम चैंपियंस वन-डे कप तथा पिछले माह राष्ट्रीय टी20 कप का सफलतापूर्वक आयोजन किया था। यहां पर 25 मई और 27 मई को श्रृंखला का पहला तथा दूसरा टी-20 मैच आयोजित किया जाएगा। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 30 मई 1 और 3 जून को शेष तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। बांग्लादेश की टीम 21 मई को पहुंचेगी और 22 से 24 मई तक इकबाल स्टेडियम में प्रशिक्षण सत्र में भाग लेगी।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाले मैच का शेड्यूल इस प्रकार है-

- **25 मई - पहला टी20 मैच:** पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, इकबाल स्टेडियम, फैसलाबाद
- **27 मई - दूसरा टी20 मैच:** पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, इकबाल स्टेडियम, फैसलाबाद
- **30 मई - तीसरा टी20 मैच:** पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर
- **1 जून - चौथा टी20 मैच:** पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर
- **3 जून - पांचवां टी20 मैच:** पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोस्ताना मैचों में भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें नए संयोजन आजमाने पर

पर्थ (आईएएनएस)

ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मैच खेलने के बाद अब भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। ये मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में 1 मई से शुरू होंगे। पहले दो मैचों में हार मिलने के बाद भारत अब बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। पहले मैच में भारत ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन फिर भी 3-5 से हार गया। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले हाफ में ही चार गोल कर बढ़त बना ली। भारत ने वापसी की कोशिश की लेकिन पूरी तरह से मैच में नहीं लौट सका। भारत की तरफ से महीमा टेटे (27वें मिनट), नवनीत कौर (45वें मिनट) और लालरेम्सियामी (50वें मिनट) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नीसा फ्लिन (3'), ओलिविया डाउन्स (9'), रूबी हैरिस (11'), टेटम स्टीवर्ट (21') और केंड्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने गोल किए। दूसरे मैच में भारत को बेहद करीबी मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

महान शूटिंग कोच प्रो. सनी थॉमस का निधन, एनआरएआई ने शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली (आईएएनएस)। महान शूटिंग कोच प्रो. सनी थॉमस का केरल के कोट्टायम जिले के उझवूर में बुधवार को निधन हो गया। प्रो. थॉमस 83 वर्ष के थे। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित प्रो. सनी थॉमस ने 1993 से 2012 तक 19 वर्षों तक भारतीय शूटिंग टीम के कोच के रूप में सेवा दी और इस दौरान कई चैंपियन निशानेबाजों को मार्गदर्शन दिया, जिनमें 2008 बीजिंग ओलंपिक में भारत को पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक दिलाने वाले अभिनव बिंद्रा भी शामिल हैं। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन पर भारतीय शूटिंग समुदाय की ओर से गहरा शोक व्यक्त किया। सिंह देव ने कहा, "यह एक ऐसा खालीपन है जिसे भारतीय शूटिंग शायद ही कभी भर पाए। प्रोफेसर थॉमस शूटिंग में एक संस्था समान थे और भारत आज शूटिंग में जो शक्ति बना है, वह उनके निस्वार्थ योगदान के बिना संभव नहीं हो पाता। पूरा शूटिंग समुदाय शोक में है और एनआरएआई की ओर से मैं उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। अभिनव बिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा, "प्रो. सनी थॉमस के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ।

भारत 11 स्वर्ण सहित 25 पदक जीतकर एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शीर्ष पर रहा

अम्मान (आईएएनएस)

भारत ने लड़कियों की श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 स्वर्ण सहित 25 पदक के साथ एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। युवा भारतीय महिलाओं ने 15 भार वर्गों में 10 स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीते, मंगलवार को फाइनल में उन्होंने प्रत्येक खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की, जिससे इस आयोजन में उनका वर्चस्व और मजबूत हुआ। लड़कियों की अंडर-15 मुक्केबाजी की शुरुआत कोमल (30-33 किग्रा) ने कजाकिस्तान की आयरू ओंगरबेक को 3:2 के विभाजित निर्णय से हराकर की। खुशी अहलावत (35 किग्रा) ने फिर अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4:1 से हराया, जबकि तमन्ना (37 किग्रा) ने दूसरे दौर में आरएससी के साथ अपना खिताब पक्का किया। सवी (40 किग्रा), मिल्की मीनम (43 किग्रा), प्रिंसी (52 किग्रा), नव्या (58 किग्रा), सुनैना (61 किग्रा), त्रुशाना मोहिते (67 किग्रा) और वंशिका (70+ किग्रा) सभी ने सर्वसम्मति से अपने-अपने मुकाबले जीते।

बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर हैं कायम

दुबई (आईएएनएस)

सिलहट में पहले टेस्ट में बांग्लादेश पर जिम्बाब्वे की ऐतिहासिक तीन विकेट की जीत ने आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग के कुछ हिस्सों को फिर से लिख दिया है। इस मामले में सबसे आगे तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी हैं, जिन्होंने मैच में नौ विकेट चटकाए और न केवल उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिलाया, बल्कि टेस्ट गेंदबाजों के बीच उन्हें एलीट गेंदबाजों की सूची में पहुंचा दिया। 705 अंकों की नई करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ, मुजरबानी टेस्ट क्रिकेट में 700 अंकों के आंकड़े को पार करने वाले इतिहास के केवल दूसरे जिम्बाब्वे के गेंदबाज बन गए हैं - एक दुर्लभ उपलब्धि जो उन्हें शीर्ष ब्रैकेट में मजबूती से रखती है। उनके प्रयास ने उन्हें नवीनतम आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान ऊपर उठाकर 15वें स्थान पर पहुंचा दिया। सूची में शीर्ष पर केवल भारत के जसप्रीत बुमराह बने हुए हैं। जिम्बाब्वे के जश्न में बाएं हाथ के स्पिनर वेलिंगटन मसकाद्ज़ा ने दो साल से अधिक समय के बाद टेस्ट क्षेत्र में यादगार वापसी की। मसकाद्ज़ा ने सिलहट टेस्ट में पांच विकेट चटकाए और टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में संयुक्त 68वें स्थान पर वापस आ गए।

व्यापार/लाइफ व साइंस

कृषि और ग्रामीण श्रमिकों को मार्च में महंगाई का बोझ कम होने से राहत

नई दिल्ली (आईएएनएस)

श्रम और रोजगार मंत्रालय से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल मार्च में कृषि मजदूरों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण मजदूरों (सीपीआई-आरएल) के लिए ऑल-इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स पर आधारित मुद्रास्फीति दर क्रमशः 3.73 प्रतिशत और 3.86 प्रतिशत पर आ गई। पिछले साल मार्च 2024 में सीपीआई-एएल 7.15 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल 7.08 प्रतिशत थी। पिछले छह महीनों में कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए मुद्रास्फीति दर में लगातार गिरावट आ रही है। यह उन कमजोर वर्गों के लिए राहत भरा है, जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इससे उनके हाथ में अधिक पैसे बचते हैं, जिससे वे अधिक सामान खरीद पाते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर होती है।

सांख्यिकी मंत्रालय से इस महीने की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार, कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति में गिरावट इस साल मार्च में देश की समग्र खुदरा मुद्रास्फीति में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 3.34 प्रतिशत की गिरावट की पृष्ठभूमि में आई है, जो अगस्त 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। मार्च के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति धीमी होकर 2.69 प्रतिशत हो गई, जो नवंबर, 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मार्च 2025 के महीने के दौरान हेडलाइन मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, अंडों, दालों, मांस-मछली, अनाज और दूध की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण है। हाल के महीनों में देश में खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट का रुख रहा है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को 4.2 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया है।

भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद रियल्टी शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। सत्र में मिलाजुला कारोबार देखा गया। सेंसेक्स 46 अंक या 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,242 और निफ्टी 1.75 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 24,334 पर बंद हुआ। बाजार की चाल के विपरीत रियल्टी शेयरों में तेजी देखी गई। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.91 प्रतिशत की तेजी देखी गई। माइक्रोटेक डेवलपर्स 3 प्रतिशत से अधिक की, गोदरेज प्रोपर्टीज, डीएलएफ और सोभा 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। इसके अलावा, ऑटो और फार्मा इंडेक्स भी लाल निशान में बंद हुए। आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स दबाव में थे। सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, सन फार्मा, पावर ग्रिड, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक, इटरनल (जोमैटो), टेक महिंद्रा, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, इन्फोसिस और अदाणी पोर्ट्स टॉप गेनर्स थे। बजाजा फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और एनटीपीसी टॉप लूजर्स थे। बोनांजा में रिसर्च एनालिस्ट, वैभव विदवानी ने कहा, "भारतीय शेयर बाजार आज हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ है। इसका कारण भारत-पाकिस्तान के साथ वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ना है। उन्होंने आगे कहा, "मौजूदा समय में निवेशक सर्तक बने हुए हैं और भारत-अमेरिका ट्रेड बातचीत पर निगाहें बनाए हुए हैं।

अक्षय तृतीया में 12,000 करोड़ का सोना व 4,000 रु करोड़ की चांदी की बिक्री

नई दिल्ली (आईएएनएस)

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने कहा कि बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर भारत में लगभग 12,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण और संबंधित वस्तुओं की बिक्री का अनुमान है। इसके अलावा, प्रमुख व्यापार निकाय के अनुसार, इस शुभ दिन पर लगभग 4,000 करोड़ रुपए के चांदी के व्यापार का अनुमान है। सीएआईटी के राष्ट्रीय महासचिव और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, "अनुमान के आधार पर, आज देश भर में लगभग 12,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण और संबंधित वस्तुओं की बिक्री हुई। इसके अलावा, चांदी का व्यापार लगभग 4,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद, शादी के सीजन और अक्षय तृतीया के शुभ अवसर में पारंपरिक विश्वास ने व्यापार गतिविधि में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि सोने को वित्तीय निवेश के सबसे अच्छे रूपों में से एक माना जाता है, जिसने खरीदारों को उच्च कीमतों के बावजूद खरीदारी जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। आज कीमती धातु की कीमत 97,500 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो ऐतिहासिक रूप से उच्चतम स्तरों में से एक है।

ऑल-इंडिया ज्वेलर्स और गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने कहा, "दिलचस्प बात यह है कि दिन में सोने की कीमतों में 1,000 रुपए और चांदी की कीमतों में 2,000 रुपए की गिरावट आई। उच्च दरों के बावजूद, उपभोक्ता रुचि स्थिर रही, जो इस शुभ अवसर के गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कम कीमतें आमतौर पर अधिक मांग को बढ़ावा देती हैं, फिर भी अक्षय तृतीया के महत्व के कारण खरीदारी की भावना मजबूत रही।

नौकरी बदलने में हेल्थ और वेलनेस को प्राथमिकता दे रहे भारतीय कर्मचारी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत में नौकरी बदलने में ज्यादातर कर्मचारी हेल्थ और वेलनेस को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह जानकारी बुधवार को जारी की गई रिपोर्ट में दी गई। वैश्विक व्यावसायिक सेवा फर्म एऑन की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 82 प्रतिशत कर्मचारी अगले 12 महीनों में नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय कर्मचारियों को मुख्य रूप से कंपनियों में पांच प्रकार के फायदे मिलते हैं, जिसमें वर्क-लाइफ बैलेंस, मेडिकल कवरेज, कैरियर विकास, वेतन अवकाश और सेवानिवृत्ति बचत शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सर्वेक्षण में भाग लेने वाले लोगों में सभी पीढ़ियों के बीच मेडिकल कवरेज नौकरी में मिलने वाले सबसे अधिक मूल्यवान लाभों में से एक था।

सेबी ने निवेशकों को 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' को लेकर दी चेतावनी

मुंबई (आईएएनएस)। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ओपिनियन ट्रेडिंग

प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। चेतावनी में कहा गया है कि ये प्लेटफॉर्म सेबी के नियामक निरीक्षण के तहत काम नहीं करते और प्रतिभूति कानूनों के तहत निवेशकों को कोई सुरक्षा प्रदान नहीं करते हैं। सेबी ने एक सलाह में कहा कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, जिन्हें 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' कहा जाता है, यूजर्स को 'हां या ना' के इवेंट के परिणामों पर ट्रेड करने की अनुमति देते हैं। भुगतान इस बात पर निर्भर करता है कि कोई निश्चित घटना होती है या नहीं।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने चौथी तिमाही में 74.7 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई (आईएएनएस)। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (एसएफबी) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025 की चौथी

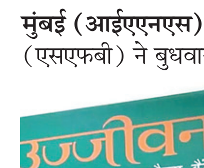

तिमाही में 83.4 करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ में 74.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 329.6 करोड़ रुपए था। उज्जीवन एसएफबी की आय में यह गिरावट मुख्य रूप से बैंक के बढ़ते प्रावधानों और बिजनेस मिक्स में बदलाव के कारण ब्याज आय में कमी के कारण दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में उज्जीवन एसएफबी की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 864.4 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले इसी अवधि के 933.5 करोड़ रुपए से 7.4 प्रतिशत कम है।

वित्त वर्ष 2025 में अदाणी पावर की चमक, रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज हुआ

अहमदाबाद (आईएएनएस)। अदाणी पावर ने बुधवार को नतीजों का ऐलान किया। वित्त वर्ष 25 में कंपनी का

प्रदर्शन शानदार रहा है और इसने 13,926 करोड़ रुपए का कंटिन्यूइंग प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) दर्ज किया है, जो कि वित्त वर्ष 24 में 11,470 करोड़ रुपए था। इसमें सालाना आधार पर 21.4 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है। कंपनी का कंटिन्यूइंग प्रॉफिट बिफोर टैक्स बढ़ने की वजह ईबीआईटीडीए और फाइनेंस लागत में कमी होना है। अदाणी ग्रुप की पावर कंपनी ने वित्त वर्ष 25 में 56,473 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड कंटिन्यूइंग रेवेन्यू हासिल किया है, जो कि वित्त वर्ष 24 में 50,960 करोड़ रुपए था। कंपनी का रेवेन्यू बढ़ने की वजह अधिक बिक्री वॉल्यूम होना है।